सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

स्टीव स्मिथ शतक लगाकर एशेज में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने .. पेज: 7

ओह माई गॉड फ्रेंचाइजी में अक्षय कुमार के साथ स्क्रीन पेज: 8

वर्ष : 01 | अंक : 268 | बुधवार 07 जनवरी 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

दो हफ्ते में दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण के कारण बताएं

नई दिल्ली एजेंसी: सर्वोच्च न्यायालय ने दिल्ली में बिगड़ती वायु गुणवत्ता पर गंभीर चिंता व्यक्त की और वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) को समाधान सुझाने से पहले बिगड़ते वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) के प्रमुख कारणों की तत्काल पहचान करने का निर्देश दिया। राष्ट्रीय राजधानी में वायु प्रदूषण से संबंधित कई याचिकाओं की सुनवाई करते हुए, भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने स्पष्ट किया कि स्पष्ट निदान के बिना, उपचारात्मक उपाय अप्रभावी रहेंगे। सर्वोच्च न्यायालय ने सीएक्यूएम को संबंधित क्षेत्र के विशेषज्ञों की सूची तैयार करने और दो सप्ताह के भीतर एक बैठक आयोजित करने का निर्देश दिया, ताकि सर्वसम्मति से दिल्ली के वायु प्रदूषण के प्रमुख कारणों का निर्धारण किया जा सके। न्यायालय ने इस बात पर जोर दिया कि सीएक्यूएम का यह कर्तव्य है

वीबी-जी राम-जी अधिनियम पर क्यों बेचैन है विपक्ष? सीएम योगी बोले- पुराने पाप खुलने का सता रहा डर

लखनऊ एजेंसी: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को विकसित भारत गारंटी रोजगार एवं आजीविका मिशन (वीबी-जी राम -जी) अधिनियम के विरोध को लेकर भारत गुट की कड़ी आलोचना की और कहा कि अगर वे इस कानून का समर्थन करते हैं तो उनके पुराने कुकर्म उजागर हो जाएंगे। इस अधिनियम को एक महत्वपूर्ण पहल बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए एक ऐतिहासिक सुधार साबित होगा। उन्होंने आगे कहा कि यह प्रेस कॉन्फ्रेंस इसलिए बुलाई गई है क्योंकि जिन लोगों पर वर्षों से देश के संसाधनों को लूटने का आरोप है, वे अब बेनकाब होने से चिंतित हैं। मुख्यमंत्री योगी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि आज की हमारी प्रेस कॉन्फ्रेंस प्रधानमंत्री

द्वारा संसद के हालिया शीतकालीन सत्र के दौरान उठाए गए महत्वपूर्ण कदमों के बारे में है... इस संबंध में एक महत्वपूर्ण अधिनियम पारित किया गया है, जिसे वीबी-जी राम जी अधिनियम, 2025 के नाम से जाना जाता है। यह अधिनियम भारत के ग्रामीण विकास परिदृश्य में एक मील का पत्थर साबित होगा। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस की आवश्यकता इसलिए उत्पन्न हुई है क्योंकि जिन्होंने लंबे समय तक देश के संसाधनों को लूटा है, गरीबों को भूखा मरने और युवाओं को पलायन करने और बेरोजगारी की पीड़ा झेलने के लिए मजबूर किया है, वे अब चिंतित हैं कि यदि वे ऐसे सुधारों और ग्रामीण विकास के प्रति इस पारदर्शी दृष्टिकोण और विकसित भारत के दृष्टिकोण का समर्थन करते हैं, तो उनके कुकर्म उजागर हो जाएंगे। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वीबी जी राम-जी अधिनियम एक नए भारत की नींव होगा, और कहा कि विकसित भारत का लक्ष्य तभी साकार हो सकता है जब राज्य विकसित हों, जो तभी प्राप्त किया जा सकता है जब इसकी मूलभूत इकाई, गांव, विकसित हो। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि जब ग्रामीण अर्थव्यवस्था सशक्त होगी

कि इस पारदर्शी कानून से उनके पुराने भ्रष्टाचार.....

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वीबी-जी-आरएएम-जी अधिनियम का विरोध करने पर भारत ब्लॉक की आलोचना करते हुए कहा कि विपक्ष को डर है कि इस पारदर्शी कानून से उनके पुराने भ्रष्टाचार और कुकर्म उजागर हो जाएंगे। उन्होंने इस अधिनियम को ग्रामीण अर्थव्यवस्था और विकसित भारत के लिए

और श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित किया जाएगा, तभी विकसित भारत का दृष्टिकोण आगे बढ़ेगा। मुख्यमंत्री योगी ने आगे कहा कि यह (वीबी-जी राम -जी अधिनियम) एक विकसित भारत की नींव रखेगा। एक विकसित भारत का लक्ष्य तभी साकार हो सकता है जब राज्य विकसित हों। राज्य तभी विकसित होंगे जब हमारी मूलभूत इकाई, गाँव, विकसित होगी। जब हम ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाएंगे, जब हमारे किसान आत्मनिर्भर बनेंगे और जब श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित होगा, तभी एक विकसित भारत का सपना साकार होगा। मैं इसका स्वागत करता हूँ और उत्तर प्रदेश की जनता की ओर से प्रधानमंत्री जी के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने आश्चर्य व्यक्त किया कि वीबी जी राम जी अधिनियम का विरोध करने वाले इंडिया ब्लॉक को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त करना चाहिए था जबकि वे अपने पुराने भ्रष्ट आचरणों का समर्थन कर रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी और उनका इंडिया गठबंधन इस महत्वपूर्ण अधिनियम वीबी जी राम जी अधिनियम को लेकर कई सवाल उठा रहे हैं यह आश्चर्यजनक है कि देश श्रमिकों किसानों और गांवों के विकास के हित में उठाए गए इस महत्वपूर्ण कदम का समर्थन और स्वागत करने के बजाय, जिसके लिए इंडिया गठबंधन को प्रधानमंत्री और एनडीए के प्रति आभार व्यक्त करना चाहिए था, वे खुलेआम अपने पुराने भ्रष्ट आचरणों का समर्थन कर रहे हैं। यदि हम वीबी जी राम जी अधिनियम की विशेषताओं को देखें तो यह एक महत्वपूर्ण अधिनियम हैजिसे पारदर्शी प्रक्रिया सुनिश्चित करने रोजगार के अवसर पैदा करने गारंटी प्रदान करने और ग्रामीण क्षेत्रों में स्थायी संपत्ति का निर्माण करने के लिए

भ्रष्टाचार, वंशवाद से हिंदू-विरोध तक, अमित शाह के 5 बड़े आरोपों से घिरी द्रमुक सरकार

नई दिल्ली एजेंसी: भाजपा नेता एएनएस प्रसाद ने मंगलवार को कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने डीएमके सरकार और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री पर भ्रष्टाचार, दमन, वंशवादी राजनीति, हिंदू विरोधी होने और केंद्रीय निधियों के बारे में जनता को गुमराह करने के पांच गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि इन आरोपों के लिए जवाबदेही तय होनी चाहिए। भाजपा नेता ने तमिलनाडु की सत्तारूढ़ डीएमके सरकार की केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा की गई तीखी आलोचना का हवाला देते हुए उनके हालिया बयान को भी याद किया, जिसमें उन्होंने डीएमके सरकार को देश की सबसे भ्रष्ट सरकार बताया था। 4 जनवरी को पुदुक्कोट्टई में एक

जनसभा में शाह ने डीएमके पर तीखा हमला करते हुए कहा, "डीएमके सरकार देश की सबसे भ्रष्ट सरकार है। क्या द्रविड़ मॉडल की यह सरकार, जो तमिलनाडु में किसी भी काम के लिए 20% कमीशन मांगती है, टीएएसएमएसी के राजस्व और ऋणों पर निर्भर रहकर राज्य को पतन की ओर ले जा रही है, जनहितैषी राजनीति है?" शाह ने आगे सवाल किया, "क्या यह उचित है कि सफाईकर्मियों, शिक्षकों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, डॉक्टरों, किसानों और अन्य विरोध प्रदर्शन करने वालों को गिरफ्तार किया जाए, उन पर हिंसा की जाए और उन्हें जेल भेजा जाए?" गृह मंत्री ने मुख्यमंत्री पर भ्रष्टाचार और बड़े घोटालों में संलिप्त होने का आरोप लगाते हुए कहा, "मुख्यमंत्री स्टालिन का एकमात्र लक्ष्य उदयनिधि को मुख्यमंत्री बनाना है! जब मंत्री भ्रष्टाचार में लिप्त हैं, सरकारी नौकरियों के लिए रिश्वत लेकर जेल जाने से लेकर मनी लॉन्ड्रिंग, कोयला घोटाले और 6,000 करोड़ रुपये के घोटालों में पकड़े जाने तक, क्या तमिलनाडु विकास हासिल कर सकता है?" उन्होंने दावा किया कि डीएमके "फासीवादी शैली की राजनीति" कर रही है और हिंदुओं के खिलाफ "अत्याचार" कर रही है, नियमित रूप से हिंदू धर्म और सनातन धर्म का अपमान कर रही है (उदयनिधि स्टालिन की अतीत की उस टिप्पणी का हवाला देते हुए जिसमें उन्होंने इसकी तुलना बीमारियों से की थी), हिंदू जुलूसों और मूर्ति विसर्जन पर प्रतिबंध लगा रही है। उन्होंने रैली में कहा कि तमिलनाडु में हिंदुओं, हिंदू धर्म और हिंदू देवी-देवताओं के खिलाफ फासीवादी राजनीति की जा रही है।

प्रियंका गांधी को मिली कांग्रेस की नई जिम्मेदारी, क्या पलट पाएंगी सियासी बाजी?

नई दिल्ली एजेंसी: कांग्रेस नेतृत्व का मानना है कि असम में एक निष्क्रिय आंतरिक नेटवर्क, जिसे पार्टी संभावित स्लीपर सेल कहती है, अभी भी सक्रिय है और संगठनात्मक निर्णयों को प्रभावित कर रहा है। वरिष्ठ नेताओं के अनुसार, मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा, जो कांग्रेस छोड़कर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हुए, राज्य में कांग्रेस ढांचे के भीतर कुछ व्यक्तियों पर अपना प्रभाव बनाए हुए हैं। पार्टी को अब उम्मीद है कि प्रियंका गांधी वाड्रा की अधिक सक्रिय भागीदारी इस प्रभाव को बेअसर करने में सहायक होगी। पिछले असम विधानसभा चुनावों के दौरान प्रियंका गांधी वाड्रा पर्दे के पीछे काफी सक्रिय रहीं, हालांकि चुनाव प्रचार के दौरान

वह सार्वजनिक रूप से नजर नहीं आईं। उस समय भूपेश बघेल राज्य के वरिष्ठ पर्यवेक्षक के रूप में कार्यरत थे। कांग्रेस के अंदरूनी सूत्रों का मानना है कि प्रियंका का सशक्त नेतृत्व, रणनीतिक स्पष्टता और कार्यकर्ताओं से जुड़ने की क्षमता संगठन को नई ऊर्जा प्रदान करने और शर्मा के जाने के बाद बचे किसी भी अप्रत्यक्ष प्रभाव का मुकाबला करने में सहायक हो सकती है। पार्टी का असम पर दोबारा ध्यान केंद्रित करना स्पष्ट राजनीतिक गणनाओं से प्रेरित है। पश्चिम बंगाल, जहाँ कांग्रेस का कोई मजबूत संगठनात्मक आधार नहीं है, या तमिलनाडु, जहाँ वह एक कनिष्ठ सहयोगी बनी हुई है, के विपरीत, पार्टी नेताओं के अनुसार, असम कांग्रेस को वापसी का एक वास्तविक अवसर प्रदान करता है। प्रियंका गांधी केरल में संगठनात्मक जिम्मेदारी भी नहीं ले सकतीं, क्योंकि आंतरिक नियमों के अनुसार नेता उन राज्यों में पद धारण नहीं कर सकते जहाँ से वे सांसद हैं, क्योंकि इससे निहित स्वार्थों की आशंका पैदा हो सकती है। इन सीमाओं को देखते हुए, असम प्रियंका गांधी के लिए कमान संभालने और राजनीतिक परिदृश्य को आकार देने के लिए सबसे आशाजनक क्षेत्र के रूप में उभरा है। कांग्रेस नेताओं का मानना है कि प्रियंका की उपस्थिति से पार्टी को एक मजबूत छवि बनाने, लगातार सुर्खियों में बने रहने और जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने में मदद मिलेगी। उनकी भागीदारी से असम में सत्ता पुनः प्राप्त करने के प्रति पार्टी की गंभीरता का संकेत मिलेगा और गठबंधन सहयोगियों को भी गति मिलेगी।

किंगमेकर नहीं, किंग बनेंगे थलपति विजय? सीएम पद की शर्त से तमिलनाडु की सियासत में हलचल

तमिलनाडु एजेंसी: तमिलगा वेट्री कजगम (टीवीके) ने तमिलनाडु में अपनी चुनावी स्थिति में एक महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत दिया है, जिससे यह संकेत मिलता है कि वह विधानसभा चुनावों से पहले किसी भी राजनीतिक दल के साथ साझेदारी करने को तैयार है - लेकिन एक स्पष्ट शर्त पर: उसके संस्थापक और नेता विजय को मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में पेश किया जाना चाहिए। इस घोषणा को पार्टी की महत्वाकांक्षाओं की अभिव्यक्ति और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सहित संभावित सहयोगियों के लिए एक संदेश दोनों के रूप में देखा जा रहा है, क्योंकि पर्दे के पीछे की बातचीत की चर्चा चल रही है। टीवीके किसी भी गठबंधन में कनिष्ठ भूमिका निभाने के बजाय उसका नेतृत्व करने पर केंद्रित है। विजय को मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में पेश करने पर जोर देना इस रणनीति का मुख्य हिस्सा है। यह रुख पार्टी द्वारा सत्तारूढ़ द्रविड़ मुन्नेत्र

कजगम (डीएमके) और भाजपा दोनों के साथ गठबंधन से सार्वजनिक रूप से इनकार करने के कुछ महीनों बाद आया है, जिससे वर्तमान खुलापन उसके पहले के रुख से एक उल्लेखनीय बदलाव है। पार्टी के बदलते रुख ने राष्ट्रीय दलों के साथ उसके संबंधों को लेकर अटकलों को भी फिर से हवा दे दी है। कुछ ही दिन पहले, टीवीके नेताओं ने कांग्रेस के साथ संभावित समझौते के द्वार खोलते हुए दोनों पार्टियों को धर्मनिरपेक्षता और सांप्रदायिकता के खिलाफ उनके रुख के मामले में स्वाभाविक सहयोगी बताया था। इससे पहले पार्टी ने कहा था कि वह किसी भी प्रमुख राजनीतिक दल के साथ गठबंधन किए बिना अकेले चुनाव लड़ेगी। इस स्पष्ट लचीलेपन के बावजूद, डीएमके के प्रति टीवीके की शत्रुता लगातार बनी हुई है। पार्टी ने बार-बार सत्तारूढ़ द्रविड़ पार्टी को अपना प्रमुख राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी बताया है। विजय ने हाल ही में डीएमके सरकार पर राज्य में भाजपा के विकास को बढ़ावा देने का आरोप लगाते हुए कहा कि उसने तमिलनाडु में "कमल (भाजपा का चिन्ह) को खिलने दिया" - यह मुख्यमंत्री एमके स्टालिन पर एक तीखा हमला था।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पहुंचे गुरुग्राम, हरियाणा विजन 2047 पर प्री-बजट कंसल्टेशन की शुरूआत

गुरुग्राम एजेंसी: हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मंगलवार को गुरुग्राम पहुंचे, जहां उनकी उपस्थिति में हरियाणा विजन 2047 के तहत प्री-बजट कंसल्टेशन का पहला सत्र शुरू हुआ। इस अहम सत्र में राज्य के दीर्घकालिक विकास रोडमैप और आगामी बजट की प्राथमिकताओं पर मंथन किया जा रहा है। प्री-बजट कंसल्टेशन सत्र में उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह, विधायक मुकेश शर्मा, मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। इसके अलावा उद्योग, स्वास्थ्य, शिक्षा, आईटी समेत विभिन्न सेक्टर्स के प्रतिनिधियों ने भी सत्र में भाग लिया और अपने सुझाव रखे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा विजन 2047 का उद्देश्य राज्य को आर्थिक, औद्योगिक और सामाजिक रूप से मजबूत बनाना

है। इसके लिए सभी हितधारकों की भागीदारी जरूरी है, ताकि विकास से जुड़ी योजनाएं जमीनी जरूरतों के अनुरूप तैयार की जा सकें। कार्यक्रम के तहत मुख्यमंत्री गुरुग्राम यूनिवर्सिटी में प्री-बजट परामर्श के अंतर्गत उद्योग, स्वास्थ्य, शिक्षा और आईटी क्षेत्र के प्रतिनिधियों के साथ विस्तृत चर्चा करेंगे। इस दौरान निवेश, रोजगार सृजन, इंफ्रास्ट्रक्चर विकास और तकनीकी नवाचार जैसे मुद्दों पर सुझाव लिए जाएंगे। सरकार का कहना है कि इन परामर्श सत्रों से प्राप्त सुझावों को आगामी बजट में शामिल कर हरियाणा के समग्र विकास को नई दिशा दी जाएगी।

जेएनयू नारेबाजी पर गिरिराज का बड़ा बयान, उमर खालिद, शरजील इमाम के समर्थक देशद्रोही

नई दिल्ली एजेंसी: जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ कथित नारेबाजी को लेकर उठे विवाद के बीच, केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने मंगलवार को परिसर के माहौल की कड़ी आलोचना करते हुए इसे टुकड़े-टुकड़े गिरोह का अड्डा बताया। सिंह ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और आरजेडी, टीएमसी और वामपंथी दलों के सदस्यों सहित राष्ट्र-विरोधी मानसिकता वाले लोग ऐसी गतिविधियों का समर्थन करते हैं। स्वामी विवेकानंद का हवाला देते हुए उन्होंने जोर देकर कहा कि अंततः राष्ट्रवाद की ही जीत होगी। उन्होंने आगे चेतावनी दी कि उमर खालिद और शरजील इमाम जैसे लोगों का समर्थन करने वालों को, जिन पर उन्होंने पाकिस्तान समर्थक विचार रखने और रणनीतिक "चिकन नेक" कॉरिडोर को अलग करने की वकालत करने का आरोप लगाया,

देशद्रोही समझा जाना चाहिए। सिंह ने कहा कि जेएनयू 'टुकड़े-टुकड़े गिरोह' और राहुल गांधी जैसे राष्ट्रविरोधी मानसिकता वाले लोगों का अड्डा बन गया है, चाहे वे आरजेडी, टीएमसी या वामपंथी दलों से हों। उन्हें यह नहीं भूलना चाहिए कि यह भारत है, यह 21वीं सदी का नरेंद्र मोदी का भारत है। विवेकानंद ने कहा था कि भगवा रंग की जीत होगी... मैं 'टुकड़े-टुकड़े गिरोह' को बताना चाहता हूं कि उमर खालिद और शरजील इमाम जैसे लोगों का समर्थन करने वाले, जिन्होंने पाकिस्तान समर्थक भावनाएं रखीं और चिकन नेक कॉरिडोर को अलग करने की बात की, वे देशद्रोही हैं। इसी बीच, एबीवीपी की जेएनयू इकाई के उपाध्यक्ष मनीष चौधरी ने दावा किया कि कैंपस में एबीवीपी-आरएसएस की कब्र खोदेगी जैसे नारे लगाए गए, और कहा कि इस तरह की नारेबाजी आम हो गई है। इन बयानों के पीछे की मंशा पर सवाल उठाते हुए उन्होंने बताया कि एबीवीपी और आरएसएस की राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक उपस्थिति है। चौधरी ने उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत याचिकाएं खारिज करने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले का भी स्वागत किया।

दिल्ली विधानसभा के अंदर और बाहर सियासी संग्राम, भाजपा विधायकों ने अरविंद केजरीवाल के खिलाफ खोला मोर्चा

नई दिल्ली एजेंसी: दिल्ली विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान सोमवार को सदन में जोरदार हंगामा देखने को मिला। कार्यवाही शुरू होते ही भाजपा विधायक अजय महावर ने आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर सरकारी स्कूलों के शिक्षकों से कुत्तों की गिनती कराने का झूठ फैलाने का आरोप लगाया और इस पर केजरीवाल से माफी की मांग की। इस मांग के साथ ही सदन में शोर-शराबा तेज हो गया। हंगामे के बीच विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने सदन की व्यवस्था बनाए रखने का प्रयास किया, लेकिन स्थिति नियंत्रित न होने पर उन्होंने विधानसभा की कार्यवाही आधे घंटे के लिए स्थगित कर दी। कार्यवाही स्थगित होते ही राजनीतिक माहौल और गरमा गया। इसी दौरान शीतकालीन सत्र में शामिल होने जा रही मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के बाहर निकलते समय भाजपा विधायकों ने आम आदमी पार्टी और केजरीवाल के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। भाजपा विधायकों ने आरोप लगाया कि आप सरकार और उसके नेताओं द्वारा शिक्षकों के सम्मान को ठेस पहुंचाई जा रही है। कार्यवाही स्थगित होने के बाद भाजपा विधायक विधानसभा परिसर के अंदर धरने पर बैठ गए। धरने पर बैठे विधायकों ने

केजरीवाल से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग दोहराई। भाजपा का कहना है कि शिक्षकों से कुत्तों की गिनती कराने जैसे बयान पूरी तरह झूठे हैं और इससे सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की छवि खराब करने की कोशिश की गई है। भाजपा विधायकों ने साफ किया कि जब तक इस मुद्दे पर केजरीवाल माफी नहीं मांगते, तब तक उनका विरोध और प्रदर्शन जारी रहेगा। वहीं, इस पूरे घटनाक्रम से शीतकालीन सत्र की

दिल्ली विधानसभा के शीतकालीन सत्र में भाजपा विधायकों ने जोरदार हंगामा किया। उन्होंने अरविंद केजरीवाल पर शिक्षकों से कुत्तों की गिनती कराने का झूठा आरोप लगाने का आरोप लगाया। भाजपा ने केजरीवाल से सार्वजनिक माफी की मांग की

कार्यवाही प्रभावित हुई और सदन के अंदर-बाहर राजनीतिक तनाव का माहौल बना रहा। झूठे बयान देकर बच निकलना अब नहीं चलेगा: आशीष सूद उधर, दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री आशीष सूद ने आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक व पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को लिखा पत्र और कहा कि अगर उनके पास कुत्ता गिनने के बारे में सरकार की कोई अधिकारी की जानकारी है तो वह उन्हें उपलब्ध कराएं, कुछ दिन पहले भी सूद ने प्रेसवार्ता कर केजरीवाल से कुता गिनने के बारे में आधिकारिक जानकारी उपलब्ध कराने के लिए कहा था। सूद ने दिल्ली विधानसभा में प्रेसवार्ता कर कहा कि कुछ दिन पहले मैंने दिल्ली सचिवालय में प्रेसवार्ता कर कहा था कि अगर सर्कुलर में कहीं भी यह लिखा है कि दिल्ली सरकार ने कुत्तों को गिनने के लिए टीचरों को लगाया है, तो केजरीवाल उसे मार्क करके मुझे दिखाएं और मैं शिक्षा मंत्री होने के नाते माफी मांगूगा।

नहीं तो, अरविंद केजरीवाल को माफी मांगनी चाहिए। सूद ने कहा कि उस दिन के बाद आम आदमी पार्टी के नेताओं ने कुत्तों को गिनने के बारे में बात करना बंद कर दिया। सूद ने कहा कि हम अरविंद केजरीवाल के गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार को बर्दाश्त नहीं करेंगे। झूठे बयान देना और बच निकलना, यह अब नहीं चलेगा, केजरीवाल को जवाब देना होगा।

संपादकीय

बिना मुकदमे के कैद, लोकतंत्र कहां है

बिना मुकदमे के लंबी कैद लोकतंत्र के अस्तित्व पर सवाल उठाती है। इस समय भारत इसी सवाल से दो-चार हो रहा है। यूं तो रोजाना ढेरों प्रसंग ऐसे घटित हो रहे हैं, जिनमें लोकतंत्र को लेकर चिंता उपजती है, ऐसे वक्त में न्यायालय से आए कुछ फैसले आस बंधाते हैं कि सत्ता चाहे अपने स्वार्थ के लिए लोकतांत्रिक मूल्यों और अधिकारों से समझौता कर ले, लेकिन देश की न्याय व्यवस्था हर हाल में लोकतंत्र की रक्षा करेगी। लेकिन सोमवार को उमर खालिद पर आए फैसले ने फिर यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि देश में लोकतंत्र अब किस हाल में पहुंच गया है। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को छात्र नेताओं उमर खालिद और शरजील इमाम को जमानत देने से इनकार कर दिया, जो 2020 के दिल्ली दंगों के मामले में पांच से ज्यादा वर्षों से जेल में बंद हैं। हालांकि कोर्ट ने अन्य पांच सह-आरोपियों-गुलफिशा फातिमा, मीरान हैदर, शिफा उर रहमान, मोहम्मद सलीम खान और शादाब अहमद को सशर्त जमानत दे दी है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस एन.वी. अंजारी की पीठ ने 10 दिसंबर को फैसला सुरक्षित रख लिया था। पूरे देश की नजरें सोमवार के फैसले पर थीं। ज्यादातर लोग उम्मीद कर रहे थे कि सभी सात आरोपियों को 5 जनवरी को जमानत मिल जाएगी। लेकिन अदालत ने उमर और शरजील को छोड़कर बाकी को जमानत दे दी। उमर खालिद और शरजील इमाम पर सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि इस मामले में अन्य आरोपियों की तुलना में वे 'अलग स्थिति' में हैं। कोर्ट ने कहा कि मामले के शुरूआती सुबूतों से लगता है कि उमर खालिद और शरजील दंगों की योजना और रणनीति बनाने में शामिल थे। ध्यान देने वाली बात ये है कि उमर खालिद पर अब तक मुकदमा शुरू नहीं हुआ है। यानी चाहे जितने भी गंभीर आरोप हों और उसके लिए सबूत हों, अब तक उन्हें पुष्ट करने की प्रक्रिया शुरू ही नहीं हुई है। जब मुकदमा चलेगा और फैसला आएगा, तब पता चलेगा कि उमर खालिद दोषी थे या नहीं, लेकिन अभी उन्हें बिना दोषसिद्धि के ही पांच साल से ज्यादा की जेल तो भुगतनी पड़ ही गई है। और ये वो पांच साल हैं, जब व्यक्ति में सबसे अधिक ऊर्जा, रचनात्मकता, सकारात्मकता और सक्रियता होती है। 11 अगस्त 1987 को जन्मे उमर खालिद अभी 38 बरस के ही हैं। पीएचडी करने के बाद वे अपना भविष्य संवार सकते थे। लेकिन पढ़ने के दौरान और उसके बाद भी उन्होंने वंचितों के हक में आवाज उठाना जारी रखा, सरकार को परेशान करने वाले सवाल पूछे, नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ अपनी दलीलें पेश कीं, इस कानून के विरोध में हो रहे प्रदर्शनों में हिस्सा लिया। और इसके बाद से वो सलाखों में कैद हैं। 2020 से कैद उमर खालिद को एक मामले में अप्रैल 2021 में जमानत मिल गई थी, दूसरे मामले में उनके खिलाफ अनलॉफुल एंड एक्टिविटिज प्रिवेंशन एक्ट यानी यूएपीए के तहत आरोप लगाए गए हैं। इस मामले में अब तक दो अदालतें उनकी जमानत याचिका खारिज कर चुकी हैं। सुप्रीम कोर्ट में उनकी जमानत याचिका अप्रैल 2023 से लंबित थी, जो अब खारिज कर दी गई है। अदालत ने कहा कि इस आदेश के एक साल बाद या गवाहों की छानबीन पूरी होने के बाद उमर खालिद और शरजील इमाम जमानत के

चिंतन-मनन

क्यों कहते हैं विष्णु भगवान को नारायण

भगवान विष्णु के हजारों नाम हैं। इनमें एक प्रमुख नाम है नारायण। फिल्मों, टीवी सीरियल या रामलीला में आपने देखा होगा कि नारद मुनि भगवान विष्णु को नारायण नाम से पुकारते हैं। इस नाम का धार्मिक रूप से बड़ा महत्व है। इस एक नाम में सृष्टि का संपूर्ण सार छिपा हुआ है। इसलिए शास्त्रों में अधिकांश स्थानों पर विष्णु भगवान को नारायण नाम से संबोधित किया गया है। हिन्दू धर्म में अठारह पुराणों का वर्णन मिलता है। इन अठारह पुराणों में विष्णु पुराण एक है। इस पुराण में सृष्टि की रचना का वर्णन किया गया है। इसी प्रम में बताया गया है किस प्रकार विष्णु भगवान ने वाराह रूप धारण करके पृथ्वी को रसातल यानी पाताल लोक से उठाकर जल के मध्य में स्थित किया। इसके बाद ब्रह्मा जी ने सत्व, रज और तम गुणों से असुर, देव, राक्षस, यक्ष, मनुष्य, सर्प एवं अन्य जीव-जन्तुओं की रचना की।

विष्णु पुराण में बताया गया है कि सृष्टि के समाप्ति के समय सब कुछ जल में समा जाता है और संपूर्ण ब्रह्माण्ड अंधकारमय हो जाता है। भगवान विष्णु चिर निद्रा में जल में शयन करते हैं। देवताओं का दिन आरंभ होने पर भगवान विष्णु फिर से सृष्टि की रचना करते हैं और ब्रह्मा एवं शिव की उत्पत्ति उन्हीं से होती है। भगवान विष्णु प्रथम नर रूप में व्यक्त होते हैं। इसलिए शास्त्रों में इन्हें आदिपुरूष कहा गया है। आदि पुरूष विष्णु का निवास यानी आयन नार यानी जल है इसलिए भगवान विष्णु को नारायण नाम से संबोधित किया जाता हैं।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

प्रदूषित जल से जन-जीवन पर संकटः इंदौर की चेतावनी कहानी

सुनील कुमार महला

कहां गया है कि जल ही जीवन है। लेकिन जल किसी की जान ले लें तो यह बहुत दुखद ही कहा जाएगा। हाल ही में देश के सबसे साफ शहर माने जाने वाले इंदौर के भागीरथपुरा इलाके में गंदा पानी पीने की वजह से उल्टी-दस्त होने से कम से कम छह लोगों की मौत की हो चुकी है तथा मीडिया में उपलब्ध जानकारी के अनुसार फिलहाल शहर के 41 अस्पतालों में कुल 203 मरीजों का इलाज चल रहा हैं और इनमें से 34 लोगों को आईसीयू में रखा गया है और उनकी हालत को देखते हुए इलाज पर खास ध्यान दिया जा रहा है। अच्छी बात यह है कि गंदे पानी पीने से उल्टी-दस्त फैलने के बाद प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग लगातार हालात पर नजर बनाए हुए है और मरीजों को जरूरी मेडिकल सुविधा दी जा रही है। हालांकि, लोकल लोगों का दावा है कि गंदे पानी से छह महीने के एक बच्चे समेत कुल 16 लोगों की जान गई है। मीडिया में उपलब्ध जानकारी के अनुसार यह घटना मुख्यतः शहर के कुछ इलाकों में हुई, जहाँ सीवर लाइन और जलापूर्ति पाइपलाइन में लीकेज/क्रॉस-कनेक्शन के कारण दूषित पानी घरों तक पहुंचा। इस पानी के सेवन से लोगों को तेज दस्त, उल्टी, बुखार और डिहाइड्रेशन जैसी गंभीर समस्याएं हुईं तथा जांच में पानी में हानिकारक बैक्टीरिया (जैसे ई-कोलाई) पाए गए, जो मानव मल से फैलते हैं।भारत ही नहीं, आज विश्व स्तर पर दूषित जल एक गंभीर मानव-स्वास्थ्य और विकास समस्या बना हुआ है। बहरहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि विश्व तथा भारत-दोनों स्तरों पर दूषित जल (वाटर पोल्यूशन) के कारण लगभग समान हैं, हालांकि जनसंख्या घनत्व, औद्योगिकीकरण और प्रबंधन की कमी के कारण भारत में इनका प्रभाव अधिक गंभीर रूप में दिखाई देता है। प्रमुख कारणों में प्रमुख रूप से औद्योगिक अपशिष्टों,घरेलू सीवेज और मलजल,कृषि रसायनों का अत्यधिक उपयोग,ठोस कचरा और प्लास्टिक प्रदूषण,धार्मिक और सामाजिक गतिविधियाँ,खनन और निर्माण गतिविधियाँ तथा भूजल का प्राकृतिक व मानवजनित प्रदूषण आदि को शामिल किया जा सकता है। यह बहुत ही दुखद है कि आज विभिन्न कल-कारखानों से निकलने वाला रासायनिक कचरा, भारी धातुएँ (सीसा, पारा, आर्सेनिक), रंग, एसिड और विषैले तत्व बिना पर्याप्त शोधन के नदियों, झीलों और भूजल में छोड़ दिए जाते हैं। इससे जल न केवल पीने योग्य नहीं रहता, बल्कि जलीय जीवन भी नष्ट होता है। हमारे यहां सीवेज सिस्टम भी ठीक नहीं है और आज यह देखने में आता है कि बड़े बड़े शहरों और कस्बों में उत्पन्न होने वाला सीवेज अक्सर बिना उपचार के नदियों में बिना किसी रोक-टोक के धड़ल्ले से प्रवाहित कर दिया जाता है। कहना गलत नहीं होगा कि आज भारत में सीवेज ट्रीटमेंट क्षमता की कमी के कारण यह दूषित जल का सबसे बड़ा स्रोत बन चुका है। आज खेतों में अधिक उत्पादन लेने के लिए विभिन्न कीटनाशकों, उर्वरकों का प्रयोग किया जाता है। वास्तव में,खेतों में प्रयुक्त रासायनिक उर्वरक, कीटनाशक और खरपतवारनाशी वर्षा के पानी के साथ बहकर जलस्रोतों में पहुँच जाते हैं। इससे नाइट्रेट और फॉस्फेट की मात्रा बढ़ती है, जो जल को विषैला बनाती है।प्लास्टिक, पॉलीथिन, घरेलू कचरा और मेडिकल वेस्ट का अनुचित निस्तारण नदियों और तालाबों को प्रदूषित करता है। आज के समय में तो जल प्रदूषण का एक सबसे बड़ा और गंभीर कारण प्लास्टिक माना जा रहा है। आधुनिक जीवनशैली में प्लास्टिक का अत्यधिक उपयोग किया जा रहा है जैसे पॉलीथिन बैग, बोतलें, पैकेजिंग सामग्री और डिस्पोजेबल वस्तुएँ आदि। जिसके परिणामस्वरूप आज हमारी नदियों, झीलों और समुद्रों में बड़ी मात्रा में प्लास्टिक पहुँच रहा है।पाठक जानते हैं कि प्लास्टिक जैव-अपघटित नहीं होता, बल्कि सैकड़ों वर्षों तक जल में बना रहता है और धीरे-धीरे माइक्रोप्लास्टिक में बदल जाता है। ये सूक्ष्म कण जलीय जीवों द्वारा निगल लिए जाते हैं, जिससे उनकी मृत्यु होती है और अंततः यही विषैले कण खाद्य श्रृंखला के माध्यम से मानव शरीर तक पहुँचते हैं। इसके अलावा प्लास्टिक जल प्रवाह को बाधित करता है, नालों को जाम करता है और जल स्रोतों की प्राकृतिक शुद्धता को नष्ट करता है। इसलिए प्लास्टिक प्रदूषण न केवल पर्यावरण बल्कि मानव स्वास्थ्य के लिए भी एक गंभीर खतरा बन चुका है। आज दूषित जल की समस्या वैश्विक है, लेकिन भारत में कचरा प्रबंधन की कमजोरी इसे और गंभीर बनाती है।हमारा देश एक धार्मिक देश है और हमारे यहां नदियों, झीलों, पानी के विभिन्न स्त्रोतों आदि में मूर्तियों का विसर्जन, पूजा सामग्री, अस्थि विसर्जन और सामूहिक स्नान जैसी गतिविधियाँ जल में रसायन, रंग और जैविक कचरा बढ़ाती हैं, जिससे जल की गुणवत्ता प्रभावित होती है। आज विकास के नाम पर अंधाधुंध खनन गतिविधियां की जा रहीं हैं और खनन से निकला मलबा, विभिन्न रसायन और निर्माण कार्यों से बहकर आने वाली मिट्टी नदियों में गाद और विषैले तत्व बढ़ाती है, जिससे जल प्रदूषित होता है। इसके अलावा, कुछ क्षेत्रों में आर्सेनिक, फ्लोराइड और लवणता जैसी समस्याएँ प्राकृतिक हैं, लेकिन अंधाधुंध दोहन और प्रदूषित जल का रिसाव इन्हें और गंभीर बना देता है।निष्कर्षतः, हम यहां यह बात कही सकते हैं कि आज विश्व और भारत दोनों में दूषित जल की समस्या मानव गतिविधियों का ही परिणाम है। यदि समय रहते प्रभावी जल प्रबंधन, अपशिष्ट शोधन और जन-जागरूकता नहीं बढ़ाई गई, तो यह समस्या भविष्य में और भी भयावह रूप ले सकती है। यदि हम यहां जल से संबंधित आंकड़ों की बात करें तो विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और यूनिसेफ के अनुसार आज भी दुनिया में लगभग 2.2 अरब लोग सुरक्षित रूप से प्रबंधित पेयजल सेवा से वंचित हैं, यानी उन्हें ऐसा पानी नहीं मिल पाता जो घर पर उपलब्ध, निरंतर और दूषण-मुक्त हो। इनमें से करीब 1.7 अरब लोग ऐसे जल स्रोतों का उपयोग करते हैं, जिनमें मल-जनित प्रदूषण का जोखिम रहता है, जबकि लगभग 115 मिलियन लोग सीधे नदियों, तालाबों और झीलों जैसे सतही जल पर निर्भर हैं। आंकड़े बताते हैं कि दूषित पानी के सेवन से हर वर्ष लगभग 5 लाख से अधिक लोगों की मौत होती है, जिनमें बड़ी संख्या छोटे बच्चों की होती है। इसके साथ-साथ दुनिया में करीब 3.5 अरब लोग सुरक्षित स्वच्छता सुविधाओं से भी वंचित हैं, जिससे जल स्रोतों का प्रदूषण और बढ़ जाता है। ये आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि दूषित जल वैश्विक स्वास्थ्य, गरीबी और असमानता से गहराई से जुड़ी समस्या है।भारत में यदि दूषित जल की बात करें तो हमारे देश में दूषित जल की समस्या एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती बन चुकी है। सरकारी व अंतरराष्ट्रीय आकलनों के अनुसार देश की लगभग 62% आबादी पेयजल के लिए भूजल पर निर्भर है, जबकि 250 से अधिक जिलों में भूजल फ्लोराइड, आर्सेनिक, नाइट्रेट, आयरन और भारी धातुओं से प्रदूषित पाया गया है । संसद में प्रस्तुत एक जानकारी के अनुसार 26,000 से अधिक ग्रामीण बस्तियों में लोगों को आज भी दूषित पानी पीने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।शहरी क्षेत्रों में भी स्थिति चिंताजनक है।एक आकलन के मुताबिक बहुत कम शहरी परिवारों को सीधे नल से सुरक्षित पेयजल उपलब्ध है, जबकि अधिकांश लोग फिल्टर/आरओ पर निर्भर हैं, जिसकी गुणवत्ता हर जगह सुनिश्चित नहीं है । विश्व स्तर पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार भारत में असुरक्षित पानी से जुड़ी मौतों की दर लगभग 35 प्रति एक लाख जनसंख्या है, जो वैश्विक औसत से अधिक है ।

तेल की राजनीति और सत्ता का खेल : वेनेजुएला, अमरीका और 'अमेरिका फर्स्ट' की असहज सच्चाई

दिलीप कुमार पाठक

वेनेजुएला को लेकर एक बार फिर दुनिया की भू-राजनीति उबाल पर है। जिस देश के पास दुनिया का सबसे बड़ा प्रमाणित तेल भंडार है, वही देश आज राजनीतिक अस्थिरता, आर्थिक बदहाली और अंतरराष्ट्रीय दबावों के चक्रव्यूह में फंसा है। अमरीका द्वारा राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़ने, तेल उद्योग में सीधे दखल और सत्ता परिवर्तन की मंशा से जुड़ी खबरों ने यह सवाल फिर खड़ा कर दिया है कि क्या यह सब लोकतंत्र की रक्षा के लिए है या फिर संसाधनों पर नियंत्रण की वही पुरानी कहानी, जो इराक से लेकर पनामा तक दोहराई जाती रही है। अमरीका के पूर्व राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के कथित बयान कि वेनेजुएला का तेल अब अमरीका की भागीदारी से चलेगा। केवल एक राजनीतिक टिप्पणी नहीं, बल्कि दशकों पुरानी रणनीति की गूंज हैं। वेनेजुएला का तेल साधारण नहीं है। यह भारी, गाढ़ा क्रूड है, जिसे रिफाइन करने की क्षमता अमरीका की बड़ी रिफाइनरियों के पास है। कभी एक समय था जब अमरीका प्रतिदिन लाखों बैरल तेल वेनेजुएला से आयात करता था। बाद में प्रतिबंधों, राजनीतिक टकराव और आंतरिक संकट के चलते यह सिलसिला टूट गया। आज वही तेल, वही जरूरत और वही भूख एक बार फिर वैश्विक राजनीति को दिशा दे रही है। मादुरो को लेकर अमरीका का आरोप रहा है कि उनका शासन तानाशाही, भ्रष्ट और लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। इसमें संदेह नहीं कि वेनेजुएला के भीतर आर्थिक संकट गहरा है, जनता महंगाई, बेरोजगारी और जरूरी वस्तुओं की कमी से जूझ रही है। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि क्या किसी देश के आंतरिक संकट का समाधान बाहरी सैन्य या राजनीतिक हस्तक्षेप है। क्या लोकतंत्र की स्थापना बमों, गिरफ्तारियों और तेल समझौतों के जरिए की जा सकती है।

इतिहास इस सवाल का जवाब देता है, लेकिन वह जवाब अमरीका के पक्ष में कम ही जाता है। इराक में सद्दाम हुसैन को हटाने के पीछे भी हथियारों और लोकतंत्र की दुहाई दी गई थी। नतीजा क्या हुआ, यह दुनिया ने देखा। लीबिया में गद्दाफी के पतन के बाद स्थिरता आई या अराजकता, यह भी किसी से छिपा नहीं। पनामा में मैनुअल नौरिएगा की गिरफ्तारी, हैती और आइवरी कोस्ट में सत्ता परिवर्तन, चेकोस्लोवाकिया में बाहरी दबाव हर जगह एक ही पैटर्न दिखता है। पहले नैतिकता की भाषा, फिर रणनीतिक हित और अंत में संसाधनों पर नियंत्रण।

वेनेजुएला के मामले में यह पैटर्न और भी साफ दिखता है। एक ओर रूस, चीन और ईरान जैसे देश खुलकर अमरीकी हस्तक्षेप की निंदा कर रहे हैं और कह रहे हैं कि वेनेजुएला को अपना भविष्य खुद तय करने का अधिकार है। दूसरी ओर अमरीका इसे लोकतंत्र की बहाली के रूप में पेश कर रहा है। लेकिन जब किसी हमले के तुरंत बाद तेल उद्योग में बड़े पैमाने पर अमरीकी भागीदारी की घोषणा होती है, तो संदेह स्वाभाविक है।

डॉनल्ड ट्रंप की ह्यअमेरिका फर्स्टह्ण नीति इसी संदेह को और गहरा करती है। यह नीति मूल रूप से अमरीकी हितों को सर्वोपरि रखने की बात करती है, चाहे इसके लिए अंतरराष्ट्रीय नियमों, संप्रभुता और कूटनीतिक मयार्दाओं को क्यों न ताक पर रखना पड़े। सवाल यह नहीं है कि कोई देश अपने हितों की रक्षा करे या नहीं, सवाल यह है कि क्या किसी दूसरे देश की कीमत पर ऐसा करना जायज है।

मादुरो को पकड़ना सही था या गलत, इसका उत्तर एकतरफा नहीं हो सकता। यदि मादुरो ने अपने देश के संविधान, लोकतांत्रिक संस्थाओं और मानवाधिकारों का उल्लंघन किया है, तो इसका निर्णय वेनेजुएला की जनता और वहां की न्यायिक व्यवस्था को करना चाहिए। बाहरी ताकतों द्वारा किसी राष्ट्रपति को हटाना या पकड़ना अंतरराष्ट्रीय कानून की आत्मा के खिलाफ जाता है। यह न केवल उस देश की संप्रभुता को चोट पहुंचाता है, बल्कि भविष्य में और अधिक अस्थिरता को जन्म देता है।

यह भी ध्यान रखना होगा कि वेनेजुएला की सड़कों पर मादुरो के समर्थन में उतरे लोग सिर्फ किसी नेता के समर्थक नहीं हैं, बल्कि वे उस डर की अभिव्यक्ति हैं कि कहीं उनका देश एक बार फिर किसी वैश्विक शक्ति के प्रयोगशाला में न बदल जाए। लैटिन अमरीका का इतिहास ऐसे प्रयोगों से भरा पड़ा है, जहां बाहरी हस्तक्षेप ने दशकों तक घाव दिए हैं।

अमरीका के भीतर भी इस तरह की कार्रवाइयों पर सवाल उठते रहे हैं। क्या सचमुच लोकतंत्र बंदूक की नली से निर्यात किया जा सकता है। क्या किसी देश की जनता की तकलीफों का समाधान उसके प्राकृतिक संसाधनों पर नियंत्रण से होगा। वेनेजुएला का संकट जटिल है। यह सिर्फ मादुरो बनाम विपक्ष का मामला नहीं, बल्कि वैश्विक प्रतिबंधों, तेल कीमतों, आंतरिक नीतियों और अंतरराष्ट्रीय दबावों का मिश्रण है। इसे एक व्यक्ति की गिरफ्तारी से हल करना सरलीकरण होगा।

ट्रंप सही थे या गलत, यह सवाल भी इसी जटिलता से जुड़ा है। उनके समर्थक कहेंगे कि अमरीका ने अपने रणनीतिक और ऊर्जा हितों की रक्षा की। आलोचक कहेंगे कि यह साम्राज्यवादी सोच का नया संस्करण है। सच्चाई शायद इन दोनों के बीच कहीं है। लेकिन इतना तय है कि जिस क्षण लोकतंत्र की भाषा तेल के सौदों से जुड़ जाती है, उस क्षण नैतिकता कमजोर पड़ने लगती है।

दुनिया आज बहुध्रुवीय हो रही है। रूस, चीन और अन्य ताकतें अब हर मामले में अमरीका की अगुवाई स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं। वेनेजुएला का मुद्दा इसी बदलती वैश्विक व्यवस्था का प्रतीक है। यह सिर्फ एक देश या एक राष्ट्रपति की कहानी नहीं, बल्कि उस संघर्ष की कहानी है, जिसमें संसाधन, सत्ता और सिद्धांत आमने-सामने खड़े हैं।

अंततः सवाल यह होना चाहिए कि वेनेजुएला की जनता क्या चाहती है। शांति, स्थिरता और सम्मानजनक जीवन। यह लक्ष्य बाहरी दखल से नहीं, बल्कि संवाद, अंतरराष्ट्रीय सहयोग और आंतरिक सुधारों से हासिल हो सकता है। यदि अमरीका सचमुच लोकतंत्र और मानवाधिकारों के पक्ष में है, तो उसे तेल से पहले इंसान को प्राथमिकता देनी होगी। वरना इतिहास एक बार फिर यही लिखेगा कि सत्ता के खेल में आदर्श हार गए और तेल जीत गया।

(वरिष्ठ पत्रकार, सहित्यकार,स्तम्भकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

आमजन में उम्मीद की लौ जलाने में कामयाब रही मोदी सरकार

आजादी के 77 साल में यदि भारत के विकास क्रम की समीक्षा की जाए तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 11 वर्षों का कार्यकाल यकीनन पिछले साढ़े छह दशक पर भारी है। मोदी सरकार ने देश के विकास की एक नयी लकीर खींची है। नरेन्द्र मोदी का कार्यकाल सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के लिये समर्पित रहा है। यह समय अनूठा, अद्भुत और अकल्पनीय है। इस यात्रा में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत को विश्व में मान, सम्मान और श्रेष्ठ स्थान प्राप्त हुआ है। प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा देश की बहुआयामी प्रगति, समृद्धि और सम्मान की यात्रा है। इसमें एक ओर भारत विश्व की चौथी अर्थव्यवस्था बना है, देश का रक्षा निर्यात 34 गुना बढ़ा है और भारत अब डिफेंस इम्पोर्टर से एक्सपोर्टर बन गया है। वहीं 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आये हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी के सम्मान का मंत्र दिया। उन्होंने इन्हीं चार स्तंभों के समग्र विकास से वर्ष 2047 तक विकसित भारत निर्माण का मार्ग बताया।

प्रधानमंत्री जी की नीतियों और निर्णयों ने नये आत्मनिर्भर भारत निर्माण को गति दी है। 11 वर्ष पूर्व पूर्व पीएम मोदी ने संसद की सीढ़ियों को नमन करके जो संकल्प व्यक्त किये थे, उनमें उनकी भावी यात्रा के साथ नये भारत निर्माण के संकेत भी थे। उन्होंने निरंतर अपने संकल्पों की सिद्धि के साथ देश को आगे बढ़ाया है और राष्ट्र तथा समाज के उत्थान के लिए अभूतपूर्व निर्णय लिये हैं। अयोध्या में श्रीराम मंदिर निर्माण, भारत में नागरिकता कानून (सीएए) बनाने, तीन तलाक जैसे अमानवीय कानून को समाप्त करने, वक्फ संपत्ति का मुस्लिम समाज के कल्याण में उपयोग के लिए वक्फ संशोधन विधेयक कानून लाने जैसे निर्णय प्रधानमंत्री जी की संकल्प शक्ति से ही संभव हुए हैं। उनका दृढ़ संकल्प सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक में भी दिखाई दिया। बालाकोट के बाद ऑपरेशन सिंदूर से भारत के सामर्थ्य को पूरी दुनिया ने देखा है। पहलगाम में बहनों के सामने आर्तोकयों ने उनका सिंदूर मिटाया था, प्रधानमंत्री जी के आह्वान पर भारत ने ऑपरेशन सिंदूर से यह साबित कर दिया कि यह नया भारत है जो राष्ट्र के सम्मान, नागरिकों की सुरक्षा और मानवता के लिए घर में घुसकर भी मारना जानता है। पीएम मोदी के कार्यकाल की यह समृद्ध यात्रा राष्ट्र की उमति, आधारभूत समस्याओं के निराकरण और वैश्विक छवि के उत्थान की रही है। देश के 80 करोड़ से अधिक गरीबों को निःशुल्क अन्न, 4 करोड़ से अधिक परिवारों को पका घर, हर घर में शौचालय, 15.6 करोड़ से अधिक भरों में नल से जल, 10 करोड़ से अधिक मरों में उज्वला योजना से गैस कनेक्शन और गांवों को रोशन किया है। उनके स्वच्छ भारत अभियान के आह्वान पर पूरा देश स्वच्छता एवं साफ सफाई में जुट गया। प्रधानमंत्री जी ने सबका साथ, सचका विकास और सबका विश्वास का उद्घोष किया। उनकी नीतियों में अंतिम छोर के अंतिम व्यक्ति के कल्याण की अवधारणा है। सबके स्वस्थ और सुखमय जीवन के लिए आयुष्मान भारत अभियान चलाया। इसमें 9 करोड़ से अधिक लोगों का मुफ्त उपचार हुआ है। सत्तर वर्ष से अधिक आयु के व्यक्ति को भी निःशुल्क उपचार मिला है। 16 हजार से अधिक जन औषधि केन्द्रों से सस्ती और अच्छी दवाएं उपलब्ध करवाई है। कोरोना काल में देशवासियों को आपदा में अवसर का मंत्र देते हुए प्रधानमंत्री ने आत्मनिर्भर भारत निर्माण का संकल्प दिया और देशवासियों को स्वदेशी निःशुल्क वैक्सीन उपलब्ध करवाई। इस भारतीय वैक्सीन को दुनिया के कई देशों ने भी स्वीकारा। उन्होंने श्रृंखलाबद्ध लोक एवं जन कल्याण कारी योजनाओं से समाज के हर वर्ग के समग्र विकास की समुचित व्यवस्था की। जनधन योजना से 55 करोड़ से अधिक लोगों को वित्तीय धारा से जोड़ा गया। डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से गरीबों को 44 लाख करोड़ रुपये का लाभ प्राप्त हुआ है। पीएम स्वनिधि और स्ट्रीट वेंडर से रेहड़ी-पटरी के व्यवसायियों को आधार दिया और आत्मनिर्भर भारत की नींव रखी, युवा शक्ति को सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए, नई शिक्षा नीति के साथ 1.6 करोड़ से अधिक युवाओं का कौशल विकास और 1.6 लाख से अधिक स्टार्टअप्स शुरू कर युवाओं को विकसित भारत के संकल्प की पूर्ति के लिये भागीदार बनाया है। मध्यप्रदेश ने सबसे पहले नई शिक्षा नीति को अमल में लाया और युवाओं को कौशल विकास का प्रशिक्षण देकर रोजगार तथा स्व-रोजगार के लिये अनंत संभावनाए विकसित की है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, 7.7 करोड़ से अधिक किसान क्रेडिट कार्ड तथा फसल बीमा से अप्रदाताओं को संबल मिला है। महिलाओं की सुरक्षा के उपाय, आर्थिक स्वावलंबन, सामाजिक उत्थान और राजनीतिक सशक्तिकरण के लिए लोकसभा और विधानसभा में 33 प्रतिशत आरक्षण प्रदान किया है। देशभर में लगभग 3 करोड़ लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य रखा है। देश में 90 लाख से अधिक स्व सहायता समूहों के माध्यम से 10 करोड़ ग्रामीण महिलाएं लाभान्वित हुई हैं। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली है। वर्ष 2014 में भारत की अर्थव्यवस्था 10वें स्थान पर थी। प्रधानमंत्री जी की आर्थिक नीतियों, विशेषकर नोटबंदी जिससे कदाचार पर नियंत्रण हुआ, डिजिटलाइजेशन और यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) से ऑनलाइन लेनदेन का चलन बढ़ा। इन सभी नीतियों ने आर्थिक विकास के निर्णयों को सबल किया और भारत दुनिया की चौथी अर्थव्यवस्था वाला देश बन गया। प्रधानमंत्री जी ने विकास के साथ विरासत का आह्वान किया है। विरासत को सहेजने के लिए उन्होंने धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों के विकास और पुनर्प्रतिष्ठा का कार्य आरम्भ किया तथा इसे धार्मिक पर्यटन से जोड़ा। लोगों का अपनी विरासत के प्रति सम्मान बढ़ने के साथ पर्यटकों की संख्या भी बढ़ी है। नमामि गंगे योजना से पवित्र नदियों की सफाई अभियान के साथ जल संरक्षण की परम्परा विकसित हो रही है। उन्होंने स्वदेशी तकनीक विकसित करने का आह्वान किया था जिसने अपना लक्ष्य प्राप्त कर लिया है। प्रधानमंत्री जी ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान केन्द्र (इसरो) के वैज्ञानिकों से स्वयं चर्चा की और आवश्यक बजट तथा सुविधाएं उपलब्ध करवाई। इसका परिणाम यह है कि भारत की अंतरिक्ष अनुसंधान तकनीक विश्व में अग्रणी बनी और चंद्रमा के दक्षिणी व पर पहुंचने वाला भारत दुनिया का पहला देश बन गया। कनेक्टिविटी से विकास को गति प्रदान करने के लिये प्रधानमंत्री जी ने सड़क और रेल नेटवर्क का विस्तार किया। 23 शहरों में मेट्रो परियोजनाओं की प्रगति, बंदरगाह, हवाई मार्ग, हाई स्पीड कॉरिडोर निर्माण के लक्ष्य को स्वरूप प्रदान किया है। अटल टनल और दुनिया का सबसे ऊंचा आर्च ब्रिज चेनाब आकार ले चुका है। पीएम मोदी का संकल्प है कि स्वतंत्रता के 100वें वर्ष यानी वर्ष 2047 तक भारत को 35 ट्रिलियन डॉलर की पूर्ण विकसित अर्थव्यवस्था बनाना और विश्व की सर्वोच्च शक्ति के रूप में स्थापित करना है। इस संकल्प की पूर्ति में सभी प्रदेश सहभागी बनने के लिये प्रतिबद्ध है। देश तमाम दुनिया के बदलते समीकरणों के बीच भी अधिक स्वायत्तवता और सम्मान के साथ अंतरराष्ट्रीय जगत में अपनी गरिमा को बनाए रखने में कामयाब रहा है ।वहीं आम आदमी में सरकार उम्मीद की एक लौ जगाने में भी कामयाब रही है यह स्वयं मे बड़ी बात है क्योंकि 140 करोड़ भारतीयों की संकल्प शक्ति ही सरकार की ताकत है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

जिलाधिकारी ने छात्रों को पढ़ाया सडक सुरक्षा का पाठ

अमरोहा (सब का सपना):- राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026 के अर्न्तगत छात्र छात्राओं एवं आमजन को सडक सुरक्षा एवं यातायात नियमो के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन जगदीश सरन हिन्दू डिग्री कालेज के अभिनन्दन सभागार में किया गया। कार्यक्रम में मुख्यू अतिथि के रूप में माननीय विधान परिषद सदस्य डाक्टर हरि सिंह ढिल्लो, विशिष्ट अतिथि जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स, सचिव, जिला सड्क सुरक्षा समिति/ अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग गौरव रंजन, उप सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) बबीता वर्मा एवं उप सम्भाशगीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) महेश कुमार शर्मा, जिला विद्यालय निरीक्षक प्रवेश कुमार, जिला सडक सुरक्षा समिति के सदस्य अनिल कुमार जग्गा, महाविद्यालय के प्राचार्य डा० वीर विरेन्द्र सिंह, सहायक अभियन्ता मनोज कुमार त्यागी, यातायात प्रभारी निरीक्षक अनुज मलिक, यातायात उप निरीक्षक विनोद कुमार एवं महाविद्यालय के अध्यापकगण एवं बडी संख्यात में छात्र एवं छात्रायें उपस्थित रहें। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्यु अतिथि डाक्टर हरि सिंह ढिल्लो ने कहा कि सडक दुर्घअनाओ पर हम सभी को चिंतित होने की जरूरत है। उन्होंने सडक दुर्घटनाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अगर वाहन चालक यातायात नियमों का पूर्णतया पालन करें तो सडक दुर्घटनायें में काफी हद तक कमी लाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि सरकार पिछले कई वर्षो से इस प्रकार जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर रही हैं। सड्क दुर्घटनाओं को कम करने के लिए आमजन का जागरूक होना अत्यंत जरूरी हैं। लेकिन उससे ज्यादा जरूरी हैं हमें सडक सुरक्षा के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझे तथा दूसरे को समझाने से पहले हम स्वयं इस जिम्मेदारी को समझे कि सडक पर हम सभी नियमो का पालन करें तथा सड्क पर चलने वाले दूसरे व्यक्ति की सुरक्षा का ध्यान रखें। तभी हम सडक दुर्घटनाओं का कम करने में सफल होगें। उन्होंने उपस्थित सभी छात्र-छात्राओं से कार्यशाला में सीखी गई बातों को अपने जीवन में आत्मसात करने की बात कही। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने छात्र छात्राओं की सड़क जागरूकता सम्बन्धी पाठशाला लगाकर कार्यक्रम में पूर्व में वक्ताओं द्वारा दिये गये व्याख्यान के संदर्भ से प्रश्नोत्तेरी लगाकर छात्र/छात्राओं का बौद्धिक परीक्षण किया तथा सडक सुरक्षा के बिन्दुओं पर कई प्रश्न पूछ कर सड्क सुरक्षा के प्रति सचेत रहने की अपील की तथा सभी को अपनी जिम्मेदारी समझने का अहसास कराया तथा सडक दुर्घटना के कारण परिवार की मनोस्थिति क्या होती है इस पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत होती है परंतु उसका पूरा परिवार बिखर जाता है। उन्होंने कहा कि अधिकांश दुर्घटनाएं यातायात के नियमों के पालन के अभाव में होती हैं। छात्रों से अपील करते हुए कहा कि वे स्वयं भी यातायात के नियमों का पालन करें व अन्य लोगों को भी नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित करें। कार्यक्रम में ए आर टी ओ प्रवर्तन महेश शर्मा द्वारा संबोधित करते हुए कहा कि यातायात के नियमों को जानते हुए भी ना मानना दुर्घटना का कारण है ऐसे में सड़क सुरक्षा पर घर घर में चर्चा हो इसके खतरों को समझें। कार्यक्रम के अन्त में उपस्थित जन को सडक सुरक्षा शपथ दिलाई गयी।

अमरोहा में यूको बैंक ने धूमधाम से मनाया 84वां स्थापना दिवस

अमरोहा (सब का सपना):- शहर के यूको बैंक की शाखा (अतरासी रोड) में बैंक का 84वां स्थापना दिवस बड़े उत्साह और धूमधाम से मनाया गया। यूको बैंक की स्थापना 6 जनवरी 1943 को कोलकाता में हुई थी। और तब से यह बैंक देशभर में ग्राहकों को विश्वसनीय बैंकिंग सेवाएं प्रदान कर रहा है। इस वर्ष बैंक ने अपनी 84वीं वर्षगांठ पर विभिन्न शाखाओं में समारोह आयोजित किए, जिसमें अमरोहा शाखा भी शामिल रही।कार्यक्रम की शुरूआत शाखा प्रबंधक लाकेश कुमार और सहायक प्रबंधक शैलजा गर्ग ने बैंक के ग्राहकों के साथ मिलकर केक काटकर की। इस अवसर पर उपस्थित ग्राहकों ने बैंक की सेवाओं की सराहना की और बैंक कर्मियों का उत्साहवर्धन किया। शाखा प्रबंधक लाकेश कुमार ने बताया कि यूको बैंक ग्राहकों को सभी आधुनिक बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध करा रहा है। इनमें बचत खाता, सावधि जमा खाता, चालू खाता, आवर्ती जमा (आरडी) जैसी बुनियादी सुविधाओं के अलावा विभिन्न ऋण योजनाएं शामिल हैं। बैंक कार लोन, होम लोन, व्यवसायिक लोन, कृषि लोन सहित कई अन्य ऋण उत्पाद प्रदान करता है, जो ग्राहकों की विविध जरूरतों को पूरा करते हैं। साथ ही डिजिटल बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग, इंटरनेट बैंकिंग और अन्य सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। ग्राहकों ने बैंक की सेवाओं की प्रशंसा करते हुए कहा कि बैंक द्वारा प्रदान की जा रही सुविधाएं बेहद उपयोगी और विश्वसनीय हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि भविष्य में भी बैंक इसी तरह उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करता रहेगा। इस समारोह में बैंक कर्मियों और ग्राहकों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को और यादगार बना दिया। बैंक का यह स्थापना दिवस न केवल उसकी गौरवशाली यात्रा का प्रतीक है, बल्कि ग्राहकों के साथ मजबूत रिश्ते को भी दशार्ता है।

आदर्श इंटर कॉलेज कुटी दौलतपुर में नई प्रबंध समिति की बैठक संपन्न, दिवंगत शिक्षाविदों को दी श्रद्धांजलि

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- आदर्श इंटर कॉलेज कुटी दौलतपुर की नवीन प्रबंध समिति की बैठक विद्यालय प्रांगण में सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। बैठक में प्रबंध समिति के प्रबंधक रामचंद्र सिंह ने विद्यालय की शैक्षिक उन्नति, अनुशासन एवं समग्र विकास के लिए सतत कार्य करने का आश्वासन दिया। प्रधानाचार्य राम किशोर की लंबी बीमारी के कारण वरिष्ठ अध्यापक नरेश कुमार को कार्यवाहक प्रधानाचार्य का दायित्व सौंपा गया, जिसे समिति द्वारा सर्वसम्मति से अनुमोदित किया गया। बैठक की अध्यक्षता कर रहे अध्यक्ष अनुराग दत्त गोद एवं समिति सदस्य महिपाल सिंह ने विद्यालय को अधिक उन्नतशील, गुणवत्तापूर्ण एवं आदर्श शिक्षण संस्थान बनाने के लिए सभी से मिलकर कार्य करने का आह्वान किया। इस अवसर पर समिति द्वारा सेवावृत्त प्रधानाचार्य भोले सिंह पवार एवं आजीवन सदस्य महेश चंद शर्मा के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया गया। महिपाल सिंह ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि भोले सिंह पवार एक आदर्श शिक्षक, कुशल प्रशासक एवं उच्च नैतिक मूल्यों से ओतप्रोत व्यक्तित्व थे। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, अनुशासन की स्थापना एवं संस्था की गरिमा बढ़ाने में समर्पित कर दिया। उनका सरल स्वभाव, मृदुभाषी व्यवहार एवं कर्तव्यनिष्ठ जीवन सदैव स्मरणीय रहेगा।
अंत में दिवंगत आत्माओं की शांति हेतु दो मिनट का मौन रखकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। बैठक में धीरज सिंह, अनुपम त्यागी, होशियार सिंह, राजेश चंद त्यागी, रामगोपाल सिंह, यशपाल सिंह, ब्रह्म दत्त त्यागी, चंद्रपाल सिंह, इकबाल सिंह, राजपाल सिंह, हरीराज त्यागी, गौरव नागर, सहित विद्यालय के अध्यापकगण एवं समिति सदस्य उपस्थित रहे।

उप नगर आयुक्त डॉ. बृजेश कुमार ने स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति को लेकर नगर के विभिन्न स्थानों पर निरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- नगर पालिका परिषद अमरोहा के उप नगर आयुक्त डॉ. बृजेश कुमार द्वारा नगर पालिका परिषद अमरोहा क्षेत्र अंतर्गत आम जन मानस को पालिका द्वारा स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित कतये जाने के उद्देश्य से नगर के विभिन्न स्थानों पर निरीक्षण किया गया व जल के नमूने परीक्षण के लिए एकत्र कर उनका मौके पर ही परीक्षण कराया गया। इस सम्बन्ध मे जानकारी देते हुए पालिका अधिशासी अधिकारी डॉ. बृजेश कुमार द्वारा बताया गया की प्रदेश वासियो को निकायों द्वारा शुद्ध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित किये जाने के उद्देश्य से प्रमुख सचिव उत्तर प्रदेश शासन नगर विकास विभाग द्वारा आदेश जारी करके वर्तमान मे निकायों द्वारा की जा रही जल आपूर्ति की शुद्धता एवं मानको के प्रमाणी करण के लिए नगर के विभिन्न स्थानों पर जल के नमूने लिए जाने, सीवर / पेयजल पाइप लाइन की नियमित चेकिंग / पाइप लाइन मे ब्रेकिंग अथवा लीकेज की स्थिति देख कर उसको तत्काल सही एवं सुचारु किये जाने सहित उपभोक्ता द्वारा उपयोग पॉइंट पर जल के नमूने एकत्र कर उनका नियमित रूप से ओ. टी. परीक्षण किये जाने तथा नमूनों का वायरोलॉजिकल एवं केमिकल एनालिसीस कराये जाने के आदेश दिए गए हैं। शासन के आदेशों का अनुपालन करते हुए आज पालिका अधिशासी अधिकारी ने आज प्रातः से ही पालिका अवर अभियंता जलकल एवं संबंधित अधीनस्थ स्टॉफ सहित नगर के विभिन्न स्थानों पर उपकरणों सहित निरीक्षण किया गया। पालिका अधिशासी अधिकारी द्वारा बताया गया की आज मौहल्ला पक्का बाग अमरोहा मे शवाब की दुकान के आगे लगी टंकी, बिजनौर रोड पर अटल चौक के समीप शराफत की दुकान के आगे लगी पानी की टंकी, मौहल्ला बटवाल मे मंदिर के आगे लगी टंकी, मौहल्ला नियारियांनं मे सरकारी अस्पताल के आगे लगी टंकी मे पानी के टी.डी एस, व क्लोरिनेशन की जाँच की गयी। इसके अतिरिक्त मौहल्ला अहमदनगर, मौहल्ला कटकुई, मौहल्ला अफगानान, मोहल्ला तकिया हुसैन शाह आदि मे भी सरकारी पानी की टंकी / कनेक्शन के पानी का टी डी एस, / पी एच / क्लोरी नेशन टेस्ट किये गए। उक्त समस्त परीक्षण टेस्ट मे मानक के अनुरूप पाए गए। पालिका अधिशासी अधिकारी द्वारा बताया गया की नगर पालिका परिषद अमरोहा क्षेत्र मे स्थित अधिकांश भवन पालिका के जल संयोजन से अच्छादित हैं
पालिका का प्रयास नगर वासियो को हमेशा स्वच्छ वातावरण, शुद्ध एवं मानक के अनुरूप पेयजल तथा बेहतर नगरीय पथ प्रकाश व्यवस्था दिए जाने का रहता है। नगर पालिका परिषद अमरोहा नगर को सुन्दर, स्वच्छ, व हरित अमरोहा बनाये जाने के लिए प्रतिबद्ध है।

विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के अंतर्गत मतदाता सूची का हुआ आलेख्य प्रकाशन

अमरोहा (सब का सपना):- भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार अर्हता तिथि 01 जनवरी के आधार पर विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (रक्फ़) के अन्तर्गत निर्वाचक नामावलियों का आलेख्य प्रकाशन 06 जनवरी (मंगलवार) को जनपद स्तर पर जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा, विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र स्तर पर निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (उप जिलाधिकारी) द्वारा अपने कार्यालय (तहसील) पर, सभी पदाभिहित स्थलों (मतदान केन्द्रों) एवं मतदेय स्थलों पर क्रमशः पदाभिहित अधिकारियों एवं बूथ लेवल अधिकारियों (बी०एल०ओ०) द्वारा किया गया। उक्त स्थलों पर विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों की आलेख्य निर्वाचक नामावलियां जन सामान्य के निरीक्षण हेतु उपलब्ध रहेगी। जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने 6 जनवरी को जगदीश सरन हिन्दू डिग्री कॉलेज, अमरोहा के सभागार में विधानसभा निर्वाचक नामावलियों का विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण 2026-आलेख्य प्रकाशन के संबंध में मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के साथ बैठक की गई और मतदाता पंजीकरण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय / राज्यीय राजनैतिक दलों को 06 जनवरी को सभी विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों की आलेख्य प्रकाशित निर्वाचक नामावलियों की एक-एक प्रति हार्ड कॉपी एवं सॉफ्ट कॉपी (बिना फोटो वाली मतदाता सूची की पी०डी०एफ०) में निःशुल्क उपलब्ध करायी गई। जिला निर्वाचन अधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने बताया कि विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2026 में निर्वाचक नामावलियों के आलेख्य प्रकाशन के 06 जनवरी से 06 फरवरी तक दावे और आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी। 06 जनवरी से 27 फरवरी तक नोटिस चरण में गणना प्रपत्रों पर निर्णय और दावे और आपत्तियों का निस्तारण संबंधित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा किया जाएगा तथा जनपद में निर्वाचक नामावलियों (मतदाता सूचियों) का अंतिम प्रकाशन दिनांक 06 मार्च को किया जाएगा। डीईओ ने बताया कि आयोग के निदेर्शानुसार समस्त बूथ लेवल अधिकारियों (बी०एल०ओ०) द्वारा 11 जनवरी को अपने बूथ पर उपस्थित होकर सम्बन्धित आलेख्य निर्वाचक नामावली को पढ़कर सुनाया जायेगा। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा चार अर्हक तिथियां निर्धारित की गयी है, अतः दावे और आपत्तियां प्राप्त करने की उपर्युक्त अवधि के दौरान यदि कोई व्यक्ति 01 जनवरी की अर्हता तिथि को अर्हक आयु प्राप्त कर रहे हैं, तो ऐसे मतदाता अपना नाम निर्वाचक नामावली में सम्मिलित कराने हेतु फार्म-6 भरकर घोषणा-पत्र (अनुलग्नक-क्स) सहित अग्रिम रूप से सम्बन्धित बूथ लेवल अधिकारी, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (उप जिलाधिकारी) अथवा जिला निर्वाचन कार्यालय में जमा कर सकते हैं। उक्त के अतिरिक्त निर्वाचक नामावली की किसी प्रविष्टि में संशोधन कराने / मतदाता फोटो पहचान पत्र के प्रतिस्थापन / दिव्यांग मतदाताओं के चिन्हांकन करने / निवास परिवर्तन कराने हेतु फार्म-8 भरकर घोषणा पत्र सहित जमा करा सकते हैं। इसी प्रकार प्रवासी भारतीय नागरिक अपना नाम मतदाता सूची में सम्मिलित कराने हेतु फार्म-6क भरकर जमा कर सकते हैं तथा निर्वाचक नामावली की किसी प्रविष्टि में आक्षेप हेतु फार्म-7 भरकर जमा किया जा सकता है। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी गरिमा सिंह, जिला महामंत्री भाजपा चंद्रभान सिंह, अध्यक्ष समाजवादी पार्टी मस्तराम सिंह यादव, प्रतिनिधि कांग्रेस फैज आलम राईनी, प्रतिनिधि बसपा जफर महमूद अब्बासी सहित सम्बन्धित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

पुलिस अधीक्षक ने महिला बैरक एवं 36 जर्जर आवासीय भवनों के जीर्णोद्धार कार्य का किया उद्घाटन

अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद द्वारा थाना अमरोहा देहात परिसर में स्थित महिला बैरक एवं पुलिसकर्मियों के कुल 36 जर्जर आवासीय भवनों के जीर्णोद्धार कार्य को पूर्ण कराते हुए मंगलवार को उनका उद्घाटन किया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अमरोहा व अन्य क्षेत्राधिकारीयो की उपस्थिति में क्षेत्राधिकारी धनौरा अंजली कटारिया द्वारा फीता काटकर महिला बैरक का उद्घाटन किया गया, जिसके बाद पुलिस अधीक्षक द्वारा शिलापट्ट का अनावरण किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने कहा कि पुलिसकर्मियों के लिए सुरक्षित, स्वच्छ एवं सुविधाजनक आवासीय व्यवस्था सुनिश्चित करना विभाग की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है। महिला बैरक के जीर्णोद्धार से महिला पुलिसकर्मियों को बेहतर, सुरक्षित एवं अनुकूल वातावरण उपलब्ध होगा, जिससे वे और अधिक प्रभावी एवं निष्ठापूर्वक अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर सकेंगी। साथ ही प्रशिक्षण पूर्ण कर थानों पर आने वाली नवीन महिला आरक्षियों के लिए भी यह सुविधा अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि जनपद के अन्य थानों में भी इसी प्रकार से पुलिसकर्मियों के आवासीय भवनों एवं महिला बैरकों के जीर्णोद्धार का कार्य चरणबद्ध रूप से कराया जा रहा है, जिससे कार्यरत पुलिस बल को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। कार्यक्रम के दौरान समस्त क्षेत्राधिकारी एवं अन्य पुलिसकर्मी उपस्थित रहे।

अल्ट्रासाउंड से बाँझपन जाँच, गोष्ठी से ज्ञान: दारानगर में अनूठा पशु चिकित्सा शिविर

अमरोहा (सब का सपना):- कड़ाके की ठंड के मौसम में पशुओं को होने वाली बीमारियों से बचाव एवं किसानों को वैज्ञानिक जानकारी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ तथा पशुपालन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में इफको टोकियो जनरल इंश्योरेंस लिमिटेड द्वारा प्रायोजित एम्बुलेंस परियोजना के अंतर्गत जनपद अमरोहा के ग्राम दारानगर में निःशुल्क पशु स्वास्थ्य शिविर एवं कृषि गोष्ठी का आयोजन किया गया। मार्गदर्शन कृषि विवि के कुलपति डॉ. के. के. सिंह ने किया। शिविर का उद्घाटन क्षेत्रीय विधायक राजीव तरारा ने गौ-पूजन कर किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि सरकार किसानों एवं पशुपालकों की आय बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है और इसी दिशा में पशुपालन, कृषि तथा से किसानों को आधुनिक वैज्ञानिक जानकारी से जोड़ने का सराहनीय कार्य किया जा रहा है। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. आभा दत्त ने बताया कि ठंड, कोहरा एवं नमी के कारण पशुओं में निमोनिया, दुग्ध ज्वर, परजीवी जनित रोग तथा दुग्ध उत्पादन में गिरावट की समस्या बढ़ जाती है। फसलों में शीतकालीन रोगों एवं उनके प्रबंधन पर जानकारी देते हुए प्रोफेसर रमेश सिंह ने बताया कि इस मौसम में गेहूं, सरसों एवं आलू जैसी रबी फसलों में झुलसा, माहू एवं फफूंद जनित रोगों की संभावना रहती है। समय पर सिंचाई, संतुलित उर्वरक प्रयोग तथा अनुशंसित दवाओं तकनीक आधारित सेवाओं को गाँव-गाँव तक पहुँचाया जा रहा है। उन्होंने कृषि विश्वविद्यालय, मेरठ की सराहना करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा शोध, प्रशिक्षण एवं विस्तार गतिविधियों के माध्यम के छिड़काव से फसल उत्पादन में वृद्धि की जा सकती है। गोष्ठी के दौरान परियोजना प्रभारी डॉ. अमित वर्मा, डॉ. प्रेम सागर मौर्य, डॉ. अरबिंद सिंह, डॉ. अजीत कुमार सिंह, डा अखिल पटेल, डॉ. दीपाक्षी एवं डॉ. भागेश सिंह सहित विशेषज्ञों की टीम ने 230 से अधिक पशुओं का अल्ट्रासाउंड मशीन, माइक्रोस्कोपी जैसी अत्याधुनिक तकनीकों से स्वास्थ्य परीक्षण किया तथा निशुल्क दवाओं का वितरण किया। शिविर के सफल आयोजन में पशु चिकित्साधिकारी डॉ. भागेश सिंह का विशेष सहयोग रहा।

धनौरा सीएचसी का सीएमओ ने किया निरीक्षण

बढ़ती में मरीजों को बचाने व बेहतर इलाज के लिए किया निर्देशित

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमार:- मंगलवार को मंडी धनौरा में मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ योगेंद्र सिंह ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र धनौरा का औचक निरीक्षण किया। सीएमओ द्वारा सुबह 10:00 बजे से पहले किए गए इस औचक निरीक्षण से अस्पताल के स्टाफ में खलबली मच गई ,हालांकि निरीक्षण के दौरान अधिकांश डॉक्टर नर्स और अन्य कर्मचारी अपनी ड्यूटी पर उपस्थित पाए गए। निरीक्षण के दौरान सीएमओ ने ओपीडी ,लेबर रूम, लैब, वार्ड ,दवाई वितरण कक्ष और अस्पताल परिसर का गहनता से जायजा लिया ।उन्होंने उपस्थिति पंजिका की जांच भी बारीकी से की जिसमें स्टाफ की हाजिरी सही पाई गई। सीएमओ डॉ योगेंद्र सिंह ने इस दौरान सख्त निर्देश दिए उन्होंने कहा की डिलीवरी के लिए आने वाली जच्चा बच्चा को किसी प्रकार की भी कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए ,उन्होंने उनके खाने-पीने और साफ सफाई की व्यवस्था को परखा। सीएमओ ने मरीजों को ठंड से बचने के लिए हीटर की व्यवस्था की सराहना की और पात्रों को आयुष्मान कार्ड जल्द से जल्द बनवाने के निर्देश दिए। इसके अलावा सीएमओ डॉक्टर योगेंद्र सिंह ने कर्मचारियों को मरीजों के प्रति अच्छा व्यवहार रखना और डिलीवरी के मामले में किसी प्रकार की भी लापरवाही न बरतने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने रिकॉर्ड संधारण को नियमित और पारदर्शी रखने पर भी जोर दिया। महिला विंग के निरीक्षण के दौरान सीएमओ ने भर्ती प्रसुताओं से बातचीत कर उनकी समस्याएं जानी ,ठंड के मौसम को देखते हुए उन्होंने प्रसुताओं को ठंड से बचने के लिए समुचित व्यवस्था पर्याप्त कंबल उपलब्ध कराने और साफ सफाई बनाए रखना के सख्त निर्देश दिए। इस मौके पर सीएससी प्रभारी डॉक्टर राहुल कुमार ,अभिषेक वर्मा, शैली यादव, संदीप कुमार, विनोद कुमार सहित अन्य स्टाफ के लोग भी मौजूद रहे।

बिजली चोरी के खिलाफ अभियान सफल 6526 एफआईआर दर्ज, करोड़ों की बचत

अब तक 51,709 स्मार्ट मीटर लगाए गए शेष मीटर लगाने का कार्य जारी:- जिलाधिकारी

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद में बिजली चोरी पर अंकुश लगाने के लिए सितंबर 2024 से चलाया जा रहा संयुक्त अभियान काफी हद तक सफल रहा है। जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पेंसिया ने बताया कि कुछ गांवों और शहर के कुछ इलाकों में लाइन लॉस 90 से 100 प्रतिशत तक था, जबकि कुछ जगहों पर 82 प्रतिशत और शहर का औसत 60 प्रतिशत तथा पूरे जनपद का 40 प्रतिशत लाइन लॉस था। इसी को ध्यान में रखते हुए सितंबर में

ज्वाइंट मीटिंग के बाद 18 सितंबर से बिजली विभाग, पुलिस और प्रशासन का समन्वित अभियान शुरू किया गया। अभियान का मुख्य उद्देश्य लोगों को मीटर लगवाना और बिल भरने की आदत डालना था। डॉ. पेंसिया ने बताया कि अब तक 6526 एफआईआर दर्ज की जा चुकी हैं तथा 51,709 स्मार्ट मीटर लगाए गए हैं। शेष मीटर लगाने का कार्य अभी जारी है। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने कहा कि पहले बिजली विभाग के कर्मचारियों पर मुकदमे दर्ज कराए जाते थे या मारपीट की जाती थी, जिससे विभाग कार्रवाई करने से हिचकिचाता था। अब डीएम और एसपी के नेतृत्व में पीएसी व विभिन्न थानों की फोर्स के साथ पहुंचकर प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इस अभियान से बिजली विभाग को 181 करोड़ रुपये की बचत हुई है। बिजली चोरी करने वालों को रोका गया तथा धार्मिक स्थलों सहित सभी जगहों पर चोरी रोकने में सफलता मिली है। प्रशासन का कहना है कि यह अभियान जारी रहेगा ताकि लाइन लॉस को न्यूनतम स्तर पर लाया जा सके और उपभोक्ताओं में नियमित बिल भुगतान की आदत विकसित हो।

मुख्य आरक्षी ने आर्म रेसलिंग चैंपियनशिप में जीता स्वर्ण पदक, एसपी ने किया सम्मानित

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद की पुलिस को गौरवान्वित करने वाली बड़ी खबर सामने आई है। डायल 112 में तैनात मुख्य आरक्षी मौ. मारूफ ने आगरा पब्लिक स्कूल के स्टेडियम में 02 से 05 जनवरी 2026 तक आयोजित उत्तर प्रदेश स्टेट आर्म रेसलिंग चैंपियनशिप ओपन-2026 में भाग लिया और स्वर्ण पदक जीतकर लौटे। इस प्रतियोगिता का आयोजन उत्तर प्रदेश संगठन आर्म रेसलिंग द्वारा किया गया था, जिसमें प्रदेश भर के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। मुख्य आरक्षी मौ. मारूफ ने अपनी शानदार प्रदर्शन से न केवल व्यक्तिगत स्वर्ण पदक हासिल किया, बल्कि संभल पुलिस

का नाम भी रोशन किया। पुलिस कार्यालय बहजोई में पुलिस अधीक्षक संभल कृष्ण कुमार बिश्नोई ने मुख्य आरक्षी मौ. मारूफ को स्वर्ण पदक पहनाकर तथा एक ट्रैकसूट भेंट करके सम्मानित किया। एसपी ने उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं और उनकी इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। इस उपलब्धि से संभल पुलिस विभाग में खुशी की लहर दौड़ गई है। मुख्य आरक्षी मौ. मारूफ की यह जीत पुलिस कर्मियों के लिए खेलों में भी उत्कृष्टता हासिल करने की प्रेरणा बनेगी।

यातायात पुलिस ने स्कूली बच्चों को सिखाए कोहरे में सुरक्षित यात्रा के नियम

संभल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन और क्षेत्राधिकारी तथा प्रभारी यातायात के नेतृत्व में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत जिले में सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के प्रयास लगातार जारी हैं। इसी कड़ी में मंगलवार को चंदौसी चौराहा, संभल पर तैनात ट्रैफिक सब इंस्पेक्टर (टीएसआई) जग रोशन सिंह एवं मुख्य आरक्षी सचिन कुमार ने स्कूली बच्चों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया। इस जागरूकता कार्यक्रम में बच्चों को विशेष रूप से घने कोहरे के मौसम में स्कूल आते-जाते समय अपनाई जाने वाली सावधानियों के बारे में विस्तार से

बताया गया। पुलिसकर्मियों ने कहा कि वाहन पर यात्रा करते समय हमेशा वाहन की गति धीमी रखें तथा सड़क की सफेद पट्टी (लाइन) का अनुसरण करें। पैदल चलते समय सड़क के बाईं ओर चलने, चौराहा पार करते समय स्टॉप लाइन पर रुकने तथा सड़क पार करने से पहले दाएं-बाएं देखने की सलाह दी गई। यातायात पुलिस ने बच्चों से अपील की कि वे इन नियमों का पालन करें और अपने साथियों व परिजनों को भी जागरूक करें। इस दौरान बच्चों को संबोधित करते हुए कहा गया, आप देश का भविष्य हैं। यदि आप स्वयं जागरूक होंगे तो दूसरों को भी सुरक्षित यातायात के प्रति प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकेंगे। इसके अलावा हेलमेट का उपयोग, ओवरटेकिंग से बचना, जेब्रा क्रॉसिंग का सही प्रयोग जैसे कई अन्य महत्वपूर्ण यातायात नियमों की भी जानकारी दी गई। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि ऐसे जागरूकता अभियान नियमित रूप से चलाए जा रहे हैं, जिससे जिले में सड़क दुर्घटनाओं में कमी आने की उम्मीद है।

बेटियों के सुनहरे भविष्य के लिए योगी सरकार की 'डिजिटल स्ट्राइक

ऑनलाइन शपथ से टूटेगी बाल विवाह की बेड़ियां

संभल(सब का सपना):- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों पर प्रदेश में सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ प्रशासन ने कमर कस ली है। 'बाल विवाह मुक्त भारत' के संकल्प को जन-आंदोलन बनाने के लिए अब गांव-गांव अभियान चलाया जाएगा। खास बात यह है कि इस मुहिम में पारदर्शिता लाने के लिए डिजिटल पोर्टल का सहारा लिया जा रहा है, जहां हर नागरिक न केवल शपथ लेगा, बल्कि अपनी भागीदारी का सर्टिफिकेट भी प्राप्त कर सकेगा। इस अभियान को प्रभावी बनाने के लिए सरकार ने नया दांव चला है। शपथ लेने वालों की संख्या के आधार पर जिलों की रैंकिंग तय की जाएगी। इससे जिला प्रशासन के बीच अपने जनपद को बाल विवाह मुक्त श्रेणी में शीर्ष पर लाने की स्वस्थ प्रतिस्पर्धा शुरू हो गई है। अधीनस्थ अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे चौपालों और ग्रामीण बैठकों के जरिए लोगों को ऑनलाइन शपथ के लिए प्रेरित करें। प्रशासन ने शपथ लेने की प्रक्रिया को बेहद सरल रखा है, ताकि तकनीक से दूर रहने वाले लोग भी आसानी से जुड़ सकें। सबसे पहले stopchildmarriage.wcd.gov.in पर लॉग-इन करें। मेनू सेक्शन में जाकर 'Take Pledge' पर क्लिक करें। अपना नाम, मोबाइल नंबर और जिले की जानकारी दर्ज करें। शपथ पूरी करते ही डिजिटल सर्टिफिकेट जनरेट होगा, जिसे तुरंत डाउनलोड किया जा सकता है। जिला बाल संरक्षण अधिकारी/जिला प्रोबेशन अधिकारी चंद्रभूषण ने बताया कि जनपद प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। जिले में अप्रैल 2024 से मार्च 2025 के बीच कुल 5 बाल विवाह को रुकवाया गया, वहीं अप्रैल 2025 से अब तक बाल विवाह के 3 मामले सामने आए, जिन्हें पुलिस के सहयोग से मौके पर ही रुकवाया गया। साथ ही बच्चियों के माता-पिता को कानूनी कार्रवाई का डर दिखाने के बजाय उनकी नियमित काउंसिलिंग कर जागरूक किया जा रहा है। इन बच्चियों को मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना समेत अन्य सरकारी योजनाओं से जोड़कर उनके भविष्य को सुरक्षित किया गया है। हमारा लक्ष्य केवल शादी रोकना नहीं, बल्कि बेटियों को शिक्षित और आत्मनिर्भर बनाना है। ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से हम रियल-टाइम मॉनिटरिंग कर रहे हैं ताकि कोई भी मासूम कुरीतियों की भेंट न चढ़े।

ऑल इंडिया उलेमा एण्ड मशाईख बोर्ड की नई जिला कार्यकारिणी गठित

संभल(सब का सपना):- ऑल इण्डिया उलेमा एण्ड मशाईख बोर्ड की जनपद सम्भल की नई कार्यकारिणी का गठन हो गया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष सय्यद मौहम्मद अशरफ किछौछवी ने सक्रिय एवं कर्मठ कार्यकताओं को विभिन्न पदों की जिम्मेदारी सौंपी है। ऑल इण्डिया उलेमा एण्ड मशाईख बोर्ड के नैशनल सिक्रेटरी मौहम्मद हसन जामी द्वारा जारी पत्र अनुसार मौहम्मद नदीम को जिला अध्यक्ष सम्भल तथा कारी सखावत हुसैन को संरक्षक, मौलाना इरफान अशरफी, मुफ्ती मौहम्मद गुलफाम, हाजित्र अब्दुल मतीन अशरफी को उपाध्यक्ष, शकील अहमद एडवोकेट को जर्नल सिक्रेटरी, मौहम्मद कसीम, मौहम्मद अनस को ज्वाईंट सिक्रेटरी, मौलाना अब्दुल कादिर को प्रवक्ता, डा0 मुनव्वर ताबिश एवं फरजन्द अली वारसी को मीडिया प्रभारी नियुक्त किया है। सभी पदाधिकारियों को संगठन को मजबूत करने और सूफीवाद के पैगाम को लोगों तक पहुंचाने भाईचारा कायम करने आदि उद्देश्यों के साथ जिम्मेदारी सौंपी गई है।

"मिशन बंदर मुक्त गजरौला" के अन्तर्गत पालिका टीम ने 175 बंदरों का किया सुरक्षित रेस्क्यू

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- नगर पालिका परिषद गजरौला द्वारा शहर को बंदरों की बढ़ती संख्या और उनसे होने वाली रोजमर्रा की सुविधाओं से स्थाई निजात दिलाने के लिए एक व्यापक प्रबंध अभियान चलाया जा रहा है। अधिशासी अधिकारी ललित कुमार आर्य के कुशल नेतृत्व और सीधी निगरानी में संचालित इस अभियान के अंतर्गत आज मंडी समिति गजरौला में एक बड़ी और सफल कार्यवाही की गई ,इस दौरान पालिका की विशेष टीम ने अत्यंत कुशलता के साथ 175 बंदरों को सुरक्षित रूप से रेस्क्यू किया। इन पकड़े गए सभी बंदरो को पूरी संवेदनशीलता के साथ नगर की सीमा से काफी दूर घने सुरक्षित जंगलों में छोड़ दिया गया है ,ताकि वह अपने प्राकृतिक परिवेश में सुरक्षित रह सके और मानवीय बस्ती में कोई असुविधा उत्पन्न ना हो ।नगर पालिका प्रशासन का यह महत्वपूर्ण कदम

गजरौला के नागरिको ,व्यापारियों और विशेष कर बच्चों को एक भय मुक्त और व्यवस्थित वातावरण प्रदान करने की दिशा में एक बड़ी पहल है। अधिशासी अधिकारी ललित कुमार आर्य ने इस अभियान की सफलता के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि गजरौला को पूरी तरह बंदर समस्या से मुक्त करना नगर पालिका की सर्वोच्च प्राथमिकता है। यह अभियान किसी एक दिन की कार्यवाही तक सीमित नहीं है बल्कि यह वर्तमान में भी पूरी सक्रियता के साथ चलाए जा रहा है और आगामी दिनों में भी इसी तीव्रता के साथ निरंतर जारी रहेगा।

धनौरा में साबुन फैक्ट्री में लगी भयंकर आग,साबुन बनाने की आड़ में पटाखे बनाकर भण्डारण की आंशका

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना मंडी धनौरा क्षेत्र स्थित एक साबुन बनाने वाली फैक्ट्री में अचानक एक तेज धमाके के साथ भीषण आग लग गई थी। यह फैक्ट्री क्षेत्रीय चौकी से कुछ ही दूरी पर स्थित है। इस फैक्ट्री में आग लगने से दूर-दूर तक धुआं ही धुआं दिखाई देना शुरू हो गया था, जिससे आसपास के क्षेत्र में हड़कंप मच गया था। प्राप्त जानकारी के अनुसार सर्फ ,साबुन बनाने वाली इस फैक्ट्री की आड़ में माचिस पटाखों का अवैध निर्माण कर भंडारण किया जा रहा था जिसमें किन्हीं कारणवश आग लग गई और तेजी से फैल गई थी। आग की सूचना मिलते ही वेव इंडस्ट्रीज मलेशिया से एक दमकल गाड़ी मौके पर पहुंची, इसके अतिरिक्त गजरौला से भी तीन और फायर ब्रिगेड की गाड़ियां बुलाई गई थी जिन्होंने मौके पर पहुंचकर कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया था,हालांकि कुछ देर बाद आग फिर सुलग उठी थी जिसे बाद में पूरी तरह बुझा दिया गया। इस हादसे की सूचना मिलते ही धनौरा एसडीएम विभा श्रीवास्तव,सीओ अंजलि कटारिया व क्षेत्रीय थाना बछरायूं प्रभारी कुलदीप तोमर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए थे उन्होंने स्थिति का जायजा लिया। आग से फैक्ट्री का अधिकांश सामान जलकर राख हो गया ,राहत की बात यह रही की इस हादसे में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं मिली।

हैरानी की बात

मंगलवार को जब सब का सपना की टीम मौके पर पहुंची तो यहां हैरानी की बात यह सामने आयी कि प्रशासनिक अधिकारियों के मौके पर पहुंच कर जायजा लेने के बावजूद भी इस फैक्ट्री पर "जहां साबुन सर्फ बनाने की आड़ में अवैध माचिस पटाखे बनाकर उनका भंडारण किया हुआ था" उस फैक्ट्री स्वामी पर मुकदमा पंजीकृत तो हुआ लेकिन फैक्ट्री के गेट पर सील के नाम पर ताले लटके पाये और आतीशबाजी के पटाखों के रूप फैक्ट्री के गेट पर हजारों की तादात में माचिस पटाखे भी देखने को मिले। जबकि वहां आसपास में मलेशिया वेव शुगर मिल के कर्मचारी एवं मजदूर लोग अपने कमरों में निवास करते हैं यहां तक की उस फैक्ट्री के सामने से गुजर रहे रास्ते पर लोगों का आवागमन भी रहता है। यह तो गनीमत रही कि इस हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ, वरना कोई बड़ा हादसा भी हो सकता था। फिलहाल इस मामले में धनौरा क्षेत्राधिकारी अंजलि कटारिया ने बताया है कि इस मामले में अभियोग पंजीकृत किया गया है और वैधानिक कार्यवाही की गई है।

रेलवे ओवरब्रिज के पिलर से टकराई बाइक,दो लोग गंभीर रूप से घायल

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- नगर कोतवाली गजरौला के मोहल्ला अतरपुरा के पास स्थित रेलवे ओवरब्रिज के नीचे एक तेज रफ्तार बुलेट बाइक जिस पर दो लोग सवार थे अनियंत्रित होकर ओवर ब्रिज के पिलर से जा टकराई, जिसमें बाइक सवार दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना वहीं पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने

दोनों बाइक सवार युवकों को उठाकर निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां से उन्हें बेहतर उपचार के लिए हायर सेंटर भेज दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार दोनों युवकों की हालत नाजुक बताई जा रही है। हादसे की यह पूरी घटना वहीं पास ही में लगे सीसीटीवी कमरे में कैद हो गई। इस मामले में थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

जनपद में उर्वरक की पर्याप्त उपलब्धता, विक्रय में वृद्धि

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जिलाधिकारी की अध्यक्षता में मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट ने जिला कृषि अधिकारी, एआर कोऑपरेटिव, निजी कंपनियों के प्रतिनिधि और थोक विक्रेताओं के साथ उर्वरक उपलब्धता, वितरण एवं प्रवर्तन पर बैठक की। बैठक में बताया गया कि जनपद में यूरिया 14,501 मीट्रिक टन, डीएपी 4,091 मीट्रिक टन और एनपीके 9,095 मीट्रिक टन पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। इस रबी सीजन (1 अक्टूबर 2025 से 5 जनवरी 2026 तक) 50,010 मीट्रिक टन यूरिया बिका चुका है, जो पिछले वर्ष की समान अवधि से 5,759 मीट्रिक टन अधिक है। पिछले सात दिनों का औसत दैनिक विक्रय 592 मीट्रिक टन रहा।

कृषकों से अपील की गई कि गेहूं की टॉप ड्रेसिंग के लिए नाइट्रोजन के साथ-साथ नैनो यूरिया का भी प्रयोग करें, जो प्रभावी विकल्प है। विक्रेताओं को सख्त निर्देश दिए गए कि खतौनी के आधार पर ही यूरिया बेचें–प्रति हेक्टेयर अधिकतम 5 बैग, प्रति एकड़ 2 बैग और एक एकड़ से कम भूमि पर 1 बैग ही दें। मुख्य विकास अधिकारी ने सहकारी समितियों को निष्पक्ष वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए और चेतावनी दी कि किसी भी प्रकार की शिकायत पर एफआईआर दर्ज की जाएगी। सहकारिता की भागीदारी बढ़ाते हुए इफ्को के साथ-साथ निजी क्षेत्र का कुछ स्टॉक भी पैक्स के माध्यम से वितरित किया जा रहा है। विक्रेताओं को दुकानों पर स्टॉक बोर्ड और बैनर लगाकर उपलब्धता एवं मूल्य प्रदर्शित करने के साथ-साथ वैज्ञानिक सिफारिश के अनुसार उर्वरक देने के निर्देश दिए गए। उत्पाद टैग न करने पर थोक विक्रेता एवं निमार्ता कंपनी दोनों के विरुद्ध एफआईआर की कार्रवाई होगी।

गुरु गोविंद सिंह जयंती पर जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने लगाया अरदास

चन्दौसी/संभल(सब का सपना):- सोमवार को गुरुद्वारे पहुंचे डीएम संभल डॉ. राजेंद्र पैंसिया ने गुरु गोविंद बहादुर जयंती पर गुरुद्वारे में एसपी ने अरदास लगाई। संगत का सबद कीर्तन सुनने के बाद संगत के बीच बैठकर लंगर के प्रसाद को ग्रहण किया। डीएम ने अपने संबोधन में कहा कि गुरु गोविंद सिंह संत सिपाही थे। उन्होंने खालसा की स्थापना की थी। वह पहले सेनापति और संस्थापक थे। सोमवार की शाम संभल की कोतवाली चंदौसी क्षेत्र के गुरुद्वारे में गुरु गोविंद सिंह जयंती पर आयोजित शबद कीर्तन एवं लंगर में

डीएम डॉ. राजेंद्र पैंसिया एवं एसपी कृष्ण विश्नोई पहुंचे। गुरु गोविंद सिंह जयंती पर उन्होंने दरबार में अरदास लगे और संगत का शब्द कीर्तन सुनने के बाद लंगर का प्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान चरण सिंह, गोपाल सिंह महेंद्र पाल सिंह जसप्रीत सिंह अमृतपाल सिंह हरविंदर सिंह सुरेंद्र सिंह मनदीप सिंह जसपाल सिंह फनी सिंह काकू सिंह गोल्डी सिंह मनप्रीत सिंह आदि उपस्थित रहे ।

जेएनयू में लगे आपत्तिजनक नारे, विश्वविद्यालय प्रशासन ने प्राथमिकी दर्ज करने लिए पुलिस को लिखी चिट्ठी

नई दिल्ली। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में एक बार फिर विवादास्पद नारेबाजी का मामला सामने आया है। 5 जनवरी की रात को सबरमती हॉस्टल के बाहर छात्रों ने एक कार्यक्रम आयोजित किया था, जो प्रारंभ में 2020 की जेएनयू हिंसा की छठी बरसी मनाने के लिए था। बाद में इसमें नारेबाजी होने लगी। इस कार्यक्रम में करीब 30-35 छात्र शामिल थे। खठवरव से जुड़े छात्रों ने इसमें भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान सुप्रीम कोर्ट द्वारा उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत याचिका खारिज होने के बाद माहौल बदल गया। छात्रों ने कथित तौर पर के खिलाफ आपत्तिजनक, उत्तेजक और भड़काऊ नारे लगाए। विश्वविद्यालय प्रशासन ने इसे सुप्रीम कोर्ट की अवमानना, लोक व्यवस्था भंग करने की क्षमता वाला और जेएनयू के आचार संहिता का उल्लंघन बताया। संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज करने की मांग जेएनयू के चीफ सिक्योरिटी ऑफिसर ने 6 जनवरी को वसंत कुंज (उत्तर) पुलिस स्टेशन को पत्र लिखकर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत त्रक्षक्र दर्ज करने की मांग की है। पत्र में आदिति मिश्रा, गोपिका बाबू सहित नौ छात्रों के नाम शामिल हैं। सुरक्षा कर्मी मौके पर मौजूद थे और स्थिति पर नजर रख रहे थे। प्रशासन ने वीडियो के आधार पर गंभीर संज्ञान लिया है और आगे कार्रवाई की बात कही है। यह मामला राजनीतिक विवाद का रूप ले चुका है, जहां बीजेपी इसे राष्ट्रविरोधी करार दे रही है, जबकि कुछ विपक्षी दल छात्रों के असंतोष के अधिकार की बात कर रहे हैं।

सोनिया गांधी की बिगड़ी तबीयत, दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में कराया गया भर्ती

नई दिल्ली। कांग्रेस की वरिष्ठ नेत्री सोनिया गांधी की एक बार फिर से तबीयत बिगड़ गई है। तबीयत खराब होने के चलते उन्हें दिल्ली के सर गंगा राम हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। हालांकि, उन्होंने कहा कि वह ठीक हैं और उन्हें चेस्ट फिजीशियन की देखरेख में रखा गया है। उधर, हॉस्पिटल के एक सूत्र ने एक न्यूज एजेंसी को बताया कि वह एक रूटीन चेक-अप के लिए भर्ती है, लेकिन उन्हें पुरानी खांसी की समस्या है। साथ ही बताया कि वह चेक-अप के लिए आती रहती हैं, खासकर शहर में इस प्रदूषण के कारण। उन्होंने आगे बताया कि उन्हें सोमवार शाम को भर्ती कराया गया था। सोनिया गांधी दिसंबर 2025 में 79 साल की हो जाएंगी। शिमला में भी बिगड़ी थी सोनिया की तबीयत बता दें, इससे पहले सात जून 2025 को भी उनकी तबीयत खराब हो गई थी। तब वह शिमला में थीं। तब उन्हें शिमला में ही एक अस्पताल में भर्ती किया गया था। बाद में जब वह दिल्ली पहुंची तो उन्हें नियमित जांच के लिए सर गंगाराम अस्पताल ले जाया गया था।

कौन था नूरदीन? जिसकी कब्र पर आज भी बरसते हैं जूते-चप्पल; दिल्ली के भाजपा नेता ने साझा की कहानी

नई दिल्ली। भाजपा नेता तेजिंदर बग्गा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए सिखों के दसवें गुरु गुरु गोबिंद सिंह जी से जुड़ी एक ऐतिहासिक कथा साझा की है, जिसमें एक गद्दार नूरदीन का जिक्र किया गया है। बग्गा की पोस्ट के साथ साझा किए गए एक वीडियो में कुछ लोग एक कब्र पर जूते-चप्पल मारते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो को लेकर सोशल मीडिया पर चर्चा तेज हो गई है। तेजिंदर बग्गा के अनुसार, मुगलों को यह अहसास हो गया था कि युद्ध के मैदान में गुरु गोबिंद सिंह जी को हराना असंभव है, इसलिए उन्हें मारने के लिए एक साजिश रची गई। इस साजिश के तहत नूरदीन नाम के व्यक्ति को सिख के भेष में गुरु गोबिंद सिंह की सेना में शामिल कराया गया। हमले की कोशिश और नूरदीन की मौत बग्गा ने अपनी पोस्ट में लिखा कि एक दिन जब गुरु गोबिंद सिंह दातुन कर रहे थे, उसी समय नूरदीन ने पीछे से तलवार से उन पर हमला करने की कोशिश की। गुरु गोबिंद सिंह जी के हाथ में उस वक्त पानी का लोटा था, जिसे उन्होंने नूरदीन के सिर पर दे मारा। इस प्रहार से नूरदीन की मौके पर ही मौत हो गई और साजिश नाकाम हो गई। कहां है नूरदीन की कब्र? बग्गा के मुताबिक, यह घटना मुक्तसर साहिब के पास हुई थी। जिस स्थान पर यह घटना घटी, वहां आज गुरुद्वारा दातनसर स्थित है। गुरुद्वारे से थोड़ी दूरी पर ही नूरदीन की कब्र बताई जाती है। उन्होंने दावा किया कि जब भी संगत गुरुद्वारा दातनसर आती है, तो वह नूरदीन की कब्र पर प्रतीकात्मक रूप से 5-5 बार जूते-चप्पल मारती है, जिसे गद्दारी के प्रति विरोध और ऐतिहासिक स्मृति के रूप में देखा जाता है। वीडियो ने खींचा ध्यान बग्गा द्वारा साझा किए गए वीडियो में देखा जा सकता है कि कई लोग एक कब्र के पास खड़े होकर जूते-चप्पल मार रहे हैं। इस वीडियो के सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर इसे लेकर अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं।

जिंदा जल गया डीएमआरसी इंजीनियर का परिवार, बेड पर मिले तीनों के शव; 200 मीटर तक गूंजी हीटर के फटने की आवाज

बाहरी दिल्ली। बाहरी दिल्ली में आदर्श नगर के मजलिस पार्क मेट्रो स्टेशन के सामने स्थित मेट्रो अपार्टमेंट्स में सोमवार देर रात दर्दनाक हादसा हो गया। अपार्टमेंट की पांचवीं मंजिल पर स्थित एक फ्लैट में हीटर फटने के बाद लगी आग में डीएमआरसी के इंजीनियर अजय विमल, उनकी पत्नी नीलम और 10 वर्षीय बेटी जान्हवी की जलकर मौत हो गई। उत्तर-पश्चिम जिला पुलिस के अनुसार, सोमवार रात करीब 2.39 बजे आदर्श नगर थाना पुलिस को आग लगने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं। सोसाइटी के इन-हाउस फायर फाइटिंग सिस्टम की मदद से कुछ ही देर में आग पर काबू पा लिया गया। वहीं, आग बुझाने के बाद दमकल कर्मियों ने फ्लैट में तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान मास्टर बेडरूम से तीनों के जले हुए शव बरामद हुए। मृतकों की पहचान 45 वर्षीय अजय विमल, उनकी 38 वर्षीय पत्नी नीलम और 10 साल की बेटी जान्हवी के रूप में हुई। मृतक इंजीनियर की पत्नी की पहचान शव पर चिपके कपड़े से हुई है। पुलिस ने बताया कि अजय विमल डीएमआरसी में इंजीनियर के पद पर कार्यरत थे। मौके पर क्राइम टीम और फोरेंसिक टीम को बुलाकर साक्ष्य जुटाए गए हैं। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि रूम हीटर में धमाके के बाद आग लगी, जिससे कमरे में आग तेजी से फैल गई। आग के दौरान कमरे में ऑक्सीजन की कमी हो जाने के कारण परिवार के सदस्यों को समय पर बाहर निकलने का मौका नहीं मिल सका। पुलिस ने तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों की पुष्टि हो सकेगी। फिलहाल पुलिस आग लगने के कारणों की गहन जांच कर रही है।

दिल्ली में प्रदूषण पर एएपी का जोरदार प्रदर्शन, आतिशी ने भाजपा सरकार को घेरा

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने मंगलवार को प्रदूषण के मुद्दे पर शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन भी प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण खिलाफ नेता प्रतिपक्ष के नेतृत्व में प्रदर्शन किया गया। नेता प्रतिपक्ष आतिशी के नेतृत्व में विधायकों ने जहरीली हवा को लेकर भाजपा सरकार के खिलाफ की जमकर नारेबाजी की। आतिशी ने कहा कि प्रदूषण पर भाजपा सरकार जनता के सामने एक्पोज हुई तो "आप" विधायकों ने सदन से मार्शल आउट किया। उन्होंने कहा कि पिछले चार महीने से दिल्लीवाले प्रदूषण में सांस नहीं ले पा रहे, लेकिन सरकार ग्रेप को कड़ाई से लागू नहीं कर रही। इससे पहले शीतकालीन सत्र के पहले दिन मास्क लगाकर दिल्ली विधानसभा के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया। नेता प्रतिपक्ष आतिशी के नेतृत्व में आप विधायकों ने भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस दौरान आतिशी ने कहा कि प्रदूषण से दिल्लीवालों का दम घुट रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले चार महीने से दिल्लीवाले प्रदूषण से सांस नहीं ले पा रहे हैं, लेकिन सरकार ग्रेप को कड़ाई से लागू नहीं कर रही है। दिल्ली गैस चैंबर बन चुकी है। बच्चे और बुजुर्ग बीमार पड़ रहे हैं। लेकिन भाजपा की चार-इंजन सरकार समाधान देने के बजाय एक्यूआई के आंकड़े मैनिपुलेट करने में लगी है। प्रदूषण पर दिल्ली की जनता के सामने भाजपा सरकार एक्पोज हुई तो आप विधायकों को सदन से मार्शल आउट

करा दिया। आतिशी ने कहा कि दिल्ली के लोग सांस नहीं ले पा रहे हैं और जहरीली हवा से मर रहे हैं, लेकिन भाजपा प्रदूषण के मुद्दे पर काम करना तो दूर, चर्चा करने को भी तैयार नहीं है। आज हमें विधानसभा से इसलिए निकाला गया क्योंकि हम मास्क पहनकर अंदर गए थे। दिल्ली के लोग अस्पताल में भर्ती हो रहे हैं, बच्चों का दम घुट रहा है, बुजुर्गों की जान जा रही है और एम्स के वार्ड भरे हुए हैं। ऐसे में दिल्ली के प्रतिनिधि विधानसभा में मास्क भी नहीं पहन सकते? यह शर्म की बात है कि दिल्ली के लोग जहरीली हवा से मर रहे हैं, लेकिन भाजपा सरकार एक्यूआई मॉनिटर्स पर पानी छिड़कने के अलावा कुछ नहीं करेगी। आतिशी ने आगे कहा कि भाजपा पहले इस बात का जवाब दे कि दिल्ली के लोग जहरीली हवा से क्यों मर रहे हैं? सारे आंकड़े यही बता रहे हैं कि पिछले 10 साल में सबसे ज्यादा प्रदूषण दिल्ली में इस बार हुआ है। अब इनका पंजाब में पराली जलने का बहाना भी खत्म हो गया है। केंद्र सरकार का डेटा बता रहा है कि अब पंजाब में पराली नहीं जल रही है। ऐसे में सवाल उठता है कि यह प्रदूषण कहां से आ रहा है? आतिशी ने कहा कि जब से दिल्ली में भाजपा की सरकार आई है, यहां प्रदूषण बहुत बढ़ गया है। प्रदूषण नियंत्रण करने का इनका तरीका आंकड़ों में फर्जीवाड़ा करना, झूठे आंकड़े देना और एक्यूआई मॉनिटर पर पानी छिड़कना है। हमारे फेफड़ों में तो पानी नहीं छिड़का जा रहा है। हमारे बच्चे उसी जहरीली हवा में सांस ले रहे हैं, बुजुर्गों का दम घुट रहा है और इसके लिए भाजपा और उनकी सरकार जिम्मेदार है। दिल्लीवासियों के स्वास्थ्य से कोई समझौता नहीं होगा। प्रदूषण पर जुमलेबाजी नहीं, ठोस और तुरंत कार्रवाई चाहिए। दिल्लीवालों की हर सांस की लड़ाई हम सड़क से लेकर सदन तक पूरी ताकत से लड़ते रहेंगे। सोमवार को विधानसभा के बाहर प्रदूषण को लेकर भाजपा सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान आतिशी ने कहा कि दिल्ली के लोग पिछले चार महीने से दिल्ली में सांस नहीं ले पा रहे हैं। बच्चों का दम घुट रहा है और बुजुर्गों की जान जा रही है।

दिल्ली के यमुनापार के पार्क बदहाल, निगम की अनदेखी से लोग परेशान

पूर्वी दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के यमुनापार में तीन सौ से अधिक पार्क हैं। अधिकतर पार्कों की स्थिति बदहाल है। पार्कों में न तो घांसे हैं, न ही बैठने के लिए बैंच। दिन हो चाहे रात असामाजिक तत्व डेरा जमाए रखते हैं। कई पार्कों की यह स्थिति हो चुकी है कि लाइटें भी खराब पड़ी हैं। शाम होते ही वहां अंधेरा छा जाता है। जीडी कॉलोनी स्थित निगम का सफेदा पार्क बदहाल है। यहां पर लगे झूले टूटे पड़े हैं। घास नहीं है। एक बंजर मैदान की तरह यह पार्क है। यहां के स्थानीय लोगों का कहना है कि पार्क में माली कभी नहीं आता है। पार्क में हरियाली सिर्फ नाम की है। पार्क में कुछ व्यवस्थाएं हो तो स्थानीय लोग यहां आएं भी। खिचड़ीपुर के पार्क में लगा रहता है गंदगी का ढेर खिचड़ीपुर के निगम पार्क में जगह-जगह गंदगी का

ढेर लगा हुआ है। कहने को यह पार्क है, लेकिन स्थिति देखकर लोग अंदाजा नहीं लगा सकते कि यह पार्क है या नहीं। पार्क में फुटपाथ टूटा पड़ा है। घास नहीं है। जगह-जगह कूड़े के ढेर लगे हुए हैं। पेड़ व पौधों की देखभाल करने वाला कोई नहीं है। लोगों का कहना है कि पार्क में असामाजिक तत्व बैठे रहते हैं, वह नशा करते हैं। शाम होते ही अंधेरा छा जाता है। बच्चे व महिलाएं पार्क में जाने से कतराते हैं। गढ़ी मांडू गांव में बदहाल पड़ा है निगम का पार्क गढ़ी मांडू गांव में निगम ने पार्क बनाया हुआ है। इस पार्क की चारदीवारी टूटी पड़ी हुई है। पार्क के अंदर जरा भी घास नहीं है। पेड़ व पौधों पर मिट्टी जमी हुई है। यहां के स्थानीय लोगों का कहना है कि कुछ वर्ष पहले एक स्कूल बस यमुना में गिर गई थी। जिसमें कई बच्चों की जान चली गई थी। उन बच्चों की याद में इस पार्क में समाधि स्थल बना हुआ है। निगम इस पार्क की ठीक तरह से देखभाग करने को तैयार नहीं है। आरोप है कि पेड़ व पौधों को पानी नहीं दिया जाता है। न ही पार्क की सफाई होती है। तिकोना पार्क की सुध लेने को तैयार नहीं है निगम ईस्ट गुरु अंदग नगर में निगम का तिकोना पार्क बना हुआ है। यहां के स्थानीय लोगों का कहना है कि निगम ने पार्क बनाकर छोड़ दिया है। इस पार्क को खंडहर कहना गलत नहीं होगा। न तो घास हैं, न बच्चों के झूले और बैठने के लिए बैंच है। आरोप है कि पार्षद, विधायक से लेकर अधिकारी तक इस तरफ देखने को तैयार नहीं है। पार्क बदहाल होने की वजह से लोग इसमें जाते ही नहीं है। असामाजिक तत्व पार्क में बैठे रहते हैं।

दिल्ली में चोरी और स्नैचिंग का मास्टरमाइंड गिरफ्तार, आईफोन-सैमसंग समेत 31 महंगे मोबाइल फोन बरामद

नई दिल्ली। सेंट्रल रेंज क्राइम ब्रांच, दिल्ली की टीम ने मोबाइल फोन स्नैचिंग और चोरी के मामलों में बड़ी सफलता हासिल करते हुए एक कुख्यात अपराधी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 31 हाईएंड चोरी व छीने गए मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं, जिनमें आईफोन और सैमसंग गैलेक्सी जैसे महंगे स्मार्टफोन शामिल हैं। गिरफ्तार आरोपी की पहचान जय भगवान उर्फ कालू उर्फ काले (35 वर्ष) पुत्र स्व. सुभाष उर्फ अत्तर सिंह, निवासी भलस्वा डेयरी, दिल्ली के रूप में हुई है। आरोपी लंबे समय से दिल्ली के विभिन्न इलाकों में मोबाइल फोन स्नैचिंग और चोरी की घटनाओं में संलिप्त था। क्राइम ब्रांच को आरोपी की गतिविधियों को लेकर पुख्ता सूचना मिली थी, जिसके बाद सेंट्रल रेंज क्राइम ब्रांच की एक विशेष टीम का गठन किया गया। सूचना के अनुसार आरोपी स्वरूप नगर इलाके में किराये के मकान में चोरी व छीने गए मोबाइल फोन जमा करता था। इंस्पेक्टर सुनील कुमार कलखांडे के नेतृत्व में गठित टीम ने स्वारूप नगर क्षेत्र में लगातार निगरानी की। तकनीकी और मैन्युअल इनपुट के आधार पर टीम ने आरोपी को स्वारूप नगर, बुराड़ी रोड से दबोच लिया। पूछताछ और तलाशी के दौरान उसके पास से बड़ी संख्या में चोरी और छीने गए मोबाइल फोन बरामद किए गए। पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि वह अपने एक साथी के साथ मिलकर मोबाइल फोन स्नैचिंग और चोरी करता था। चोरी किए गए मोबाइल फोन को वह पहले अपने किराये के मकान में जमा करता और फिर उन्हें बेच देता था। बरामद 31 मोबाइल फोन में से अब तक पांच मोबाइल फोन अलग-अलग एफआईआर/लॉस्ट रिपोर्ट से जोड़े जा चुके हैं। शेष मोबाइल फोन की जांच की जा रही है, ताकि उन्हें संबंधित मामलों से जोड़ा जा सके। आरोपी जय भगवान उर्फ कालू का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है। वह पहले से ही लूट, चोरी और स्नैचिंग से जुड़े सात आपराधिक मामलों में विभिन्न थानों में नामजद रहा है। पुलिस के अनुसार, पिता की कम उम्र में मौत के बाद वह गलत संगत में पड़ गया और जल्दी पैसा कमाने व ऐशो-आराम की जिंदगी जीने के लिए अपराध की राह पर चल पड़ा। पुलिस का कहना है कि मामले में आगे की जांच जारी है और आरोपी के अन्य मामलों में शामिल होने की संभावना की भी पड़ताल की जा रही है। यह कार्रवाई अपर पुलिस उपायुक्त, सेंट्रल रेंज क्राइम ब्रांच की निगरानी में की गई, जबकि पूरे ऑपरेशन की समग्र देखरेख डीसीपी क्राइम ब्रांच विक्रम सिंह, आईपीएस द्वारा की गई।

चंदौसी में मलिन बस्ती का निरीक्षण डीएम-एसपी ने दिए साफ-सफाई और विकास कार्यों के निर्देश

चंदौसी/संभल(सब का सपना):- जिले के जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया और पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने शासन के निर्देशों के अनुपालन में चंदौसी नगर पालिका क्षेत्र के अंतर्गत मोहल्ला चुन्नी वार्ड नंबर 1 एवं वार्ड नंबर 5 की मलिन बस्ती का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने स्थानीय निवासियों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को सुना और संबंधित अधिकारियों को तत्काल समाधान के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने अधिशासी अधिकारी नगर पालिका चंदौसी को निर्देश देते हुए कहा कि मलिन बस्ती में साफ-सफाई की व्यवस्था को पूर्ण रूप से सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने

रोस्टर तैयार कर रविवार को भी सफाई कार्य कराने के आदेश दिए। साथ ही कचरा उठान को समयबद्ध तरीके से करने, शमशान घाट रोड एवं अन्य क्षतिग्रस्त सड़कों के निर्माण के लिए एस्टीमेट तैयार कराने के निर्देश जारी किए। इसके अलावा, मलिन बस्ती के कुछ चुनिंदा स्थानों का सौंदर्यीकरण कराने तथा ठेले-खोमचे वालों को व्यवस्थित रूप से लगाने के लिए भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने अधिकारियों से कहा कि इन कार्यों को प्राथमिकता पर पूरा किया जाए ताकि क्षेत्रवासियों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। इस भ्रमण के दौरान नगर पालिका चंदौसी के अधिशासी अधिकारी धर्मराज सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। प्रशासन की इस पहल से स्थानीय निवासियों में राहत की लहर है और उम्मीद जताई जा रही है कि निदेर्शों का शीघ्र अनुपालन होगा।

ठंड से ठिठुरा दिल्ली-एनसीआर कोहरे के बीच एक्यूआई बहुत खराब; उड़ानें और ट्रेनें लेट

नई दिल्ली। देश भर में कड़ाके की ठंड के बीच मंगलवार सुबह राजधानी दिल्ली समेत एनसीआर के शहरों में कोहरा छाया रहा। कोहरे की वजह से हाईवे पर वाहन रेंगते नजर आए तो वहीं उड़ानों और ट्रेनों के संचालन पर भी असर पड़ा है। दिल्ली को आने वाली कई ट्रेनें लेट चल रही हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आज सुबह सात बजे दिल्ली का औसत एक्यूआई 343 दर्ज किया गया, जो कि बहुत खराब श्रेणी में आता है। वहीं, कोहरे की वजह से विजिबिलिटी भी कम रही। मौसम विभाग का पूवार्नुमान है कि मंगलवार को सुबह कहीं कहीं हल्का कोहरा हो सकता है। दिन में आसमान रहेगा। अधिकतम व न्यूनतम तापमान क्रमशः 19 और सात डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले दो तीन दिनों में कुछ स्थानों पर घना कोहरा और कई स्थानों पर मध्यम कोहरा छा सकता है। पश्चिमी विक्षोभ के दूर चले जाने के बाद न्यूनतम तापमान में कमी आने की संभावना है। अगले पांच दिनों के दौरान यह छह से आठ डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी में अधिकतम तापमान 18.0 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 1.3 डिग्री कम था। जबकि न्यूनतम तापमान 6.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 0.3 डिग्री कम था। हवा में नमी का स्तर 100 से 61 प्रतिशत तक रिकार्ड किया गया। घना कोहरा और शीतलहर की चपेट में रेवाड़ी जिला रेवाड़ी जिले में मंगलवार को रेवाड़ी में दिन की शुरूआत घना कोहरा और शीतलहर के साथ हुई। दो दिन से कोहरा से राहत थी

दिल्ली पुलिस के हाथ लगी बड़ी सफलता, 69 गोलियां मारकर डेरी संचालक की हत्या करने वाले दो शूटर मुठभेड़ में दबोचे

दक्षिणी दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली के आया नगर में डेरी संचालक रतन लाल लोहिया की 69 गोलियां मारकर की गई नृशंस हत्या के मामले में क्राइम ब्रांच को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने इस सनसनीखेज हत्याकांड में शामिल दो शूटरों को द्वारका इलाके में हुई मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। दोनों बदमाशों के नाम कमल और नरेंद्र है। बीते तीन महीनों से फरार चल रहे आरोपियों की गिरफ्तारी से पुलिस को मामले की पूरी साजिश उजागर होने की उम्मीद है। पुलिस के मुताबिक, डेली संचालक की हत्या करने में कमल, नरेंद्र और अनुज शामिल थे। अब अनुज की गिरफ्तारी होना बाकी है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, रतन लाल लोहिया की हत्या आपसी रंजिश का नतीजा थी। बताया जा रहा है कि रतन लाल के विरोधियों ने उन्हें रास्ते से हटाने के लिए कुख्यात हिमांशु भाऊ गिरोह को सुपारी दी थी। इसी साजिश के तहत शूटरों ने दिनदहाड़े हमला कर 69 गोलियां दागीं, जिससे मौके पर ही रतन लाल की मौत हो गई। इस बर्बर वारदात से इलाके में दहशत फैल गई थी। हत्या के बाद से ही दिल्ली पुलिस की कई टीमें आरोपियों की तलाश में जुटी हुई थीं। तकनीकी निगरानी, मुखबिर तंत्र और लगातार छापेमारी के बावजूद आरोपी पुलिस को चकमा देते रहे। आखिरकार क्राइम ब्रांच को आरोपियों की मौजूदगी की पुख्ता सूचना मिली, जिसके आधार पर द्वारका में जाल बिछाया गया। जब पुलिस टीम ने दोनों बदमाशों को रोकने की कोशिश की तो उन्होंने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में दोनों शूटरों के पैरों में गोली लगी और उन्हें दबोच लिया गया। वहीं, घायल अवस्था में दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां वे पुलिस निगरानी में इलाज करा रहे हैं। उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। पुलिस का कहना है कि पूछताछ के दौरान दोनों आरोपियों से हत्या की साजिश, सुपारी देने वालों और इसमें शामिल अन्य बदमाशों के बारे में अहम जानकारियां मिल सकती हैं। अधिकारियों को उम्मीद है कि जल्द ही इस हत्याकांड से जुड़े बाकी आरोपियों और साजिशकताओं को भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

पॉक्सो एक्ट पर दिल्ली एचसी का बड़ा फैसला-छोटी बच्ची को प्राइवेट पार्ट छूने पर मजबूर करना गंभीर यौन हमला

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने फैसला दिया है कि यौन इरादे से किसी छोटे बच्चे को अपने निजी अंग छूने पर मजबूर करना, बच्चों का यौन अपराधों से संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत गंभीर यौन हमला है। न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा ने यह फैसला एक व्यक्ति की अपील खारिज करते हुए सुनाया, जिसे पोक्सो की धारा 10 (गंभीर यौन हमले की सजा) के तहत दोषी ठहराया गया था। व्यक्ति ने लगभग चार साल की एक लड़की के सामने अपना निजी अंग प्रदर्शित किया और उसे छूने पर मजबूर किया। पॉक्सो के तहत, 12 वर्ष से कम उम्र के बच्चे पर यौन हमला गंभीर यौन हमला माना जाता है। अपीलकर्ता नाबालिग के घर में किरायेदार था। ट्रायल कोर्ट ने उसे जुलाई 2024 में दोषी ठहराया और सात वर्ष की कठोर कैद की सजा सुनाई। घटना जून 2022 की है। कोर्ट ने कहा कि यौन इरादे से छोटे बच्चे को निजी अंग छूने पर मजबूर करना गंभीर यौन हमला है और इसलिए पोक्सो अधिनियम की धारा 10 के तहत अपराध साबित हो जाता है। अपील में कोई दम नहीं है, इसे लंबित आवेदनों सहित खारिज किया जाता

है। 5 जनवरी को पारित फैसले में कोर्ट ने आरोपी के दावे को खारिज कर दिया कि पीड़िता को ट्यूटर किया गया था और उसके खिलाफ कोई ठोस सबूत नहीं है। कोर्ट ने कहा कि पीड़िता के बयानों में यौन हमले का मुख्य आरोप लगातार रहा और अभिव्यक्ति में छोटे-मोटे बदलाव उसकी विश्वसनीयता को प्रभावित नहीं करते। कोर्ट ने यह भी कहा कि डीसीडब्ल्यू काउंसलर द्वारा दी गई काउंसलिंग, जो कानूनी रूप से अनिवार्य है, उसे ट्यूटरिंग नहीं कहा जा सकता, क्योंकि यह घटना के समय तीन वर्ष 11 महीने की पीड़िता को ट्रॉमा से निपटने में मदद करने के लिए की गई थी। कोर्ट ने कहा कि अपीलकर्ता की मौजूदगी में जब बच्ची ने मां को घटना बताई तो आरोपित खुद ही शिकायतकर्ता और परिवार से पहले पुलिस स्टेशन पहुंच गया। यह बच्ची और उसकी मां के बयानों की सच्चाई को दशार्ता है। वहीं, कोर्ट ने एफआईआर दर्ज करने में देरी के आरोपी के बचाव को भी स्वीकार नहीं किया।

कोर्ट ने कहा कि देरी का पर्याप्त स्पष्टीकरण दिया गया है और यह घातक नहीं मानी जा सकती, क्योंकि नाबालिग की मां का दूसरे शहर से पति के लौटने का इंतजार करना स्वाभाविक था। कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के उस अवलोकन से सहमति जताई कि बच्चों के यौन शोषण की घटनाएं शर्म, अपराधबोध और परिवार की इज्जत के कारण कम रिपोर्ट होती हैं। खासकर जब अपराधी परिचित व्यक्ति हो।

एक अस्पताल ऐसा भी! एक्स-रे मशीन तो है लेकिन फिल्म नहीं, मोबाइल के सहारे चल रहा काम

जुलाना : जुलाना कस्बे के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) में पिछले करीब 8 महीनों से एक्स-रे फिल्म उपलब्ध न होने के कारण मरीजों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थिति यह है कि अस्पताल में की गई एक्स-रे जांच की तस्वीरें अब फिल्म पर नहीं, बल्कि मोबाइल फोन की स्क्रीन पर देखकर डॉक्टरों को रिपोर्ट तैयार करनी पड़ रही है। इससे न केवल जांच की विश्वसनीयता प्रभावित हो रही है, बल्कि मरीजों की सेहत के साथ जोखिम भी बढ़ रहा है। CHC में रोजाना हड्डी टूटने, सड़क दुर्घटनाओं, सीने से जुड़ी बीमारियों और अन्य गंभीर समस्याओं के मरीज एक्स-रे के लिए पहुंचते हैं। लेकिन फिल्म न होने के कारण उन्हें स्पष्ट रिपोर्ट नहीं मिल पा रही है। चिकित्सकों को मजबूरी में मोबाइल पर भेजी गई इमेज के आधार पर इलाज करना पड़ रहा है, जो लंबे समय तक सुरक्षित और वैज्ञानिक दृष्टि से भरोसेमंद तरीका नहीं

माना जाता। इलाज में हो रही परेशानीग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले गरीब और जरूरतमंद मरीजों के लिए यह समस्या और गंभीर हो जाती है। निजी संस्थानों में एक्स-रे कराना उनके लिए महंगा साबित होता है, लेकिन सरकारी अस्पताल में भी बुनियादी सुविधा उपलब्ध न होने से उन्हें मजबूरी में बाहर जाना पड़ता है। मरीजों का कहना है कि फिल्म न मिलने के कारण उन्हें केवल मोबाइल में फोटो देकर भेज दिया जाता है, जिससे आगे इलाज में कठिनाई आती है। विभाग को कई बार दी जा चुकी जानकारी- रेडियोलॉजीअस्पताल प्रशासन के अनुसार, एक्स-रे फिल्म की कमी की जानकारी विभाग को कई बार दी जा चुकी है। फिलहाल अस्पताल में एक्स-रे भेजने का कोई ऑनलाइन सिस्टम भी उपलब्ध नहीं है, इसलिए मरीजों की रिपोर्ट चिकित्सकों के मोबाइल पर भेजी जाती है। रेडियोलॉजी सुभाष का कहना है कि यह केवल अस्थायी व्यवस्था है और जल्द समाधान की उम्मीद की जा रही है।

खबर एक्सप्रेस

दिल्ली पुलिस के रिटायर्ड एसआई हत्या मामले में बड़ा खुलासा, गांव के ही व्यक्ति ने दिया था वारदात को अंजाम

गन्नौर : गन्नौर के राजपुर गांव में दिल्ली पुलिस के रिटायर्ड एसआई दलबीर की हत्या में हैरान करने वाला खुलासा हुआ है। हत्या के 4 दिन बाद दिव्यांग दलबीर की हत्या के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान गांव के ही सुरेंद्र के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, बीती 1 जनवरी को दिल्ली पुलिस से रिटायर्ड 60 वर्षीय दलबीर की कमरे में मृत मिलने के सूचना मिली थी। मृतक के बेटे संदीप ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसके पिता घर के पास प्लॉट में मिठाई के डिब्बे बनाने की फैक्टरी में सोए हुए थे। सुबह जाकर देखा तो कमरे में उसके पिता मृत हालत में पड़े हुए थे। सिर पर मिले थे गहरे घाव संदीप ने बताया कि उसके पिता के सिर पर चोट के गहरे घाव थे। शव के पास ही टूटी हुई बैसाखी पड़ी हुई थी। शिकायत में संदीप ने बताया कि उसके पिता से रात को उसके ताऊ राममेहर मिलकर गए थे। इसके बाद गांव के सुरेंद्र को मिलकर जाते हुए देखा गया था। एसीपी ऋषिकांत ने बताया कि संदीप की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपी को पता लगाने के लिए सर्च ऑपरेशन चलाया। 4 दिन के सर्च ऑपरेशन के बाद आरोपी सुरेंद्र को गिरफ्तार किया गया। उन्होनें बताया कि आरोपी सुरेंद्र और मृतक दलबीर रात को बैठकर शराब पी रहे थे। रिश्ते को लेकर उतारा मौत के घाटएसीपी ने बताया कि शुरूआती जांच में पता चला कि शराब के नशे में दोनों में बड़ा नाता (रिश्ते में बड़ा होना) को लेकर झगड़ा हुआ। इस झगड़े में आरोपी सुरेंद्र ने दलबीर की बैसाखी से पीट-पीटकर हत्या कर दी। आरोपी सुरेंद्र को आज कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया जाएगा। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दादरी बस स्टैंड पर मनचले का मुंडन, छात्राओं से करता था छेड़छाड़, वीडियो वायरल

चरखी दादरी : हरियाणा के चरखी दादरी जिले में एक युवक को बस स्टैंड पर छात्राओं से छेड़छाड़ करना उस वक्त महंगा पड़ गया जब कमेंट करने पर वहां मौजूद लोगों ने उसको घर दबोचा। लोगों ने मौके पर सजा देते हुए उसका मुंडन तक कर दिया। पूरी घटना का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हो रहा है। यह घटना 29 दिसंबर को दोपहर साढ़े 3 बजे की है। बस स्टैंड पर मौजूद लोगों ने बताया कि पास के ही एक गांव का युवक अक्सर यहां

घूमता था। वह अक्सर छात्राओं को छेड़ता और उन पर अभद्र टिप्पणियां करता था। छात्राएं उस युवक से काफी परेशान थीं। कई बार चेतावनी देने के बाद भी युवक अपनी हरकतों से बाज नहीं आया। वीडियो में बस स्टैंड पर काउंटर के सामने लोग युवक का मुंडन करते हुए दिख रहे हैं। पास में कुछ पुलिस कर्मचारी भी खड़े हैं। इसके बाद युवक को छोड़ दिया गया। वह कौन है, उसकी पहचान नहीं हो पाई है। बस स्टैंड चौकी प्रभारी कुलदीप सिंह ने बताया कि यह घटना कुछ दिन पुरानी है। उनके अनुसार, जब पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे, तब तक भीड़ युवक का मुंडन कर चुकी थी। इस संबंध में कोई लिखित शिकायत न मिलने के कारण युवक को सख्त चेतावनी देकर छोड़ दिया।

नेहरू कॉलोनी में दो पक्षों में लड़ाई, नशा तस्करी का विरोध करने पर जमकर बरसे ईंट-पत्थर

फरीदाबाद : फरीदाबाद स्थित नेहरू कॉलोनी में उस समय अफरा-तफरी मच गई जब दो पक्षों के बीच कहासुनी ने हिंसक रूप ले लिया। दोनों पक्षों के बीच पहले मारपीट हुई और इसके बाद एक-दूसरे पर जमकर पत्थरबाजी की गई। इस घटना के चलते कुछ लोगों को चोटें भी आई हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि विशेष समुदाय के लोग रात को अफीम गांजा चरस आदि सरेआम बेचते हैं और जब भी स्थानीय लोग विरोध करते हैं तो यह लोग हावी हो जाते हैं। स्थानीय लोगों ने विशेष समुदाय के लोगों के नाम भी बताते हुए कहा कि यह लोग नशा तस्करी करते हैं और विरोध करने पर अक्सर मारपीट पर उतारू हो जाते हैं ' सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस का कहना था कि अभी नशा तस्करी जैसी कोई बात सामने नहीं आई है। पूरे मामले की जांच की जा रही है और जो भी सच्चाई सामने आई जाएगी उसके अनुसार कार्रवाई की जाएगी ' स्थानीय लोगों ने मांग की है कि पुलिस को इनका पुख्ता बंदोबस्त करना चाहिए ' पुलिस मामले की जांच कर रही है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान की जा रही है।

पत्नी ने पति का सुला दिया मौत की नींद, इलाके में फैली सनसनी

सोनीपत : हरियाणा के सोनीपत में आपराधिक वारदातों पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। आज भी सोनीपत के कामी रोड पर स्थित आशीर्वाद गार्डन में चौकीदार की हत्या ने इलाके में सनसनी फैला दी। चौकीदार रामकिशन की हत्या उसकी ही पत्नी द्वारा गला दबा कर की गई है। वारदात की सूचना मिलने बाद सोनीपत सिविल लाइन थाना पुलिस और आला अधिकारी मौके पर पहुंचे और मामले की गंभीरता से जांच में जुट गए। मिली जानकारी के अनुसार सोनीपत के गांव ककाना का रहने वाला रामकिशन पिछले एक साल से कामी रोड पर स्थित आशीर्वाद गार्डन में पिछले एक साल से चौकीदारी का काम करता था >उसका पूरा परिवार उसके साथ यही रहता था लेकिन उसकी पत्नी और उसके बीच में कहासुनी काफी लंबे समय से चली आ रही थी । आज देर रात उसकी पत्नी ने उसका गला दबा कर उसको मौत की नींद सुला दिया। जैसे ही सोनीपत पुलिस के पास इसकी सूचना पहुंची तो उसकी पत्नी मौके से फरार मिली और एफएसएल की टीम भी मौके पर पहुंची और हत्या के साक्ष्य जुटाए गए, सोनीपत पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल भिजवाया अब पोस्टमार्टम के बाद ही हत्या के कारणों का खुलासा हो पाएगा। इस मामले की जानकारी देते हुए एसीपी अमित धनखड़ ने बताया कि हमें सूचना मिली थी कि कामी रोड पर स्थित आशीर्वाद गार्डन में चौकीदार रामकिशन निवासी ककाना की हत्या उसकी पत्नी ने ही आपसी कहासनी में की है। अभी मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है।

भगवान के घर को भी नहीं बख्शा चोरों ने, चांदी के छत्र व नकदी पर किया हाथ साफ

रेवाड़ी : बावल थाना क्षेत्र स्थित गांव रायुपुर में बाबा बड़देव मंदिर में चोरों ने बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। मंदिर कमेटी के अनुसार मंगलवार अल सुबह चोर मंदिर से करीब ढाई लाख रुपये मूल्य के चांदी के छत्र और नकदी चोरी कर फरार हो गए। जानकारी के अनुसार मंदिर के पुजारी रात के समय मंदिर परिसर में बने कमरे में ही सो रहे थे। मंगलवार सुबह गांव का एक व्यक्ति जब मंदिर में माथा टेकने पहुंचा तो उसने एक कमरे की खिड़की टूटी हुई देखी। इस पर उसने आवाज लगाकर पुजारी को जगाया। पुजारी ने मंदिर के अंदर जाकर देखा तो सारा सामान अस्त-व्यस्त पड़ा था और मुख्य गेट की कुंडी भी टूटी हुई मिली। मंदिर कमेटी ने बताया कि चोर मंदिर से चांदी के 6 छत्र, जिनकी कीमत करीब ढाई लाख रुपये बताई जा रही है, तथा मूर्ति के आगे रखी करीब 50 हजार रुपये की नकदी चोरी कर ले गए। घटना की सूचना तुरंत गांव के सरपंच और बावल थाना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, वहीं बड़ी संख्या में ग्रामीण भी मंदिर परिसर में एकत्रित हो गए। मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से पुलिस चोरों की पहचान करने में जुटी हुई है। पुलिस ने पुजारी की शिकायत के आधार पर चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। उधर, मंदिर कमेटी के लोगों ने बताया कि इससे पहले भी मंदिर में चोरी की वारदात हो चुकी है, लेकिन आरोपियों की गिरफ्तारी न होने के कारण चोरों के हौसले बुलंद हैं और बार-बार ऐसी घटनाएं सामने आ रही हैं। पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जल्द ही आरोपियों की पहचान कर कार्रवाई की जाएगी।

पत्नी को मारकर आत्महत्या करने के मामले मे बड़ा खुलासा, सरपंच से लगाई थी ये गुहार

लाडवा: गांव दबखेड़ा में पत्नी की हत्या कर खुद आत्महत्या करने वाले रणदीप के इरादों को कोई नहीं समझ सका। पूरा दिन वह पत्नी के साथ सामान्य और प्यार भरा व्यवहार करता रहा लेकिन रात होते-होते उसने खौफनाक कदम उठा लिया। पहले आत्महत्या करने का इरादा बनाया, सुसाइड नोट लिखा और फिर पत्नी को मौत के घाट उतार दिया। इसके बाद खुद तालाब में कूदकर जान दे दी। पुलिस जांच में सामने आया है कि रणदीप पत्नी से काफी समय से मानसिक रूप से परेशान था। रविवार को वह अपनी मां के साथ गांव के सरपंच प्रतिनिधि के पास पहुंचा और पत्नी से तलाक दिलवाने की गुहार लगाई। सरपंच प्रतिनिधि ने उसे कोर्ट में याचिका दायर करने की सलाह दी थी। सुसाइड नोट में रणदीप ने पत्नी निशा पर गंभीर आरोप लगाए हैं। नोट में लिखा है कि निशा का किसी से अवैध संबंध था और वह लगातार व्हाट्सएप के जरिए उससे संपर्क में रहती थी। रविवार को रणदीप अपनी मां के साथ गांव के सरपंच प्रतिनिधि से मिला और तलाक की फरियाद रखी। शाम को वह पत्नी निशा के साथ बाबेन स्थित मंडोखरा साहिब गुरुद्वारे गया। दोनों ने वहां काफी समय बिताया, लंगर भी खाया और देर शाम घर लौट आए। उसी रात रणदीप ने सुसाइड नोट लिखा, फिर पत्नी की हत्या कर तालाब में कूद गया। परिजन बगल के कमरों में सोते रहे लेकिन किसी को भनक तक नहीं लगी। आरोप है कि वह घर के गहने बेचकर उसे पैसे भेजती थी। परिजनों के अनुसार, दंपती के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। वारदात की रात भी निशा के फोन पर उसी नंबर से पांच से छह बार कॉल आई थी। रणदीप इन घटनाओं से मानसिक तनाव में था। बाद में निशा ने खुद भी तलाक की मांग शुरू कर दी थी। संवाद

रेलवे परियोजनाओं को तय समय में पूरा करने के उद्देश्य से सरकार ने लिया अहम निर्णय

चंडीगढ़: प्रदेश सरकार ने राज्य में विशेष रेलवे परियोजनाओं को तय समय में पूरा करने के उद्देश्य से एक अहम निर्णय लिया है। रेलवे अधिनियम 1989 (संशोधित) के तहत भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और प्रभावी बनाने के लिए जिलास्तर पर अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की वित्तीय आयुक्त डॉ. सुमिता मिश्रा ने बताया कि विशेष रेलवे परियोजनाओं से जुड़ी भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया के लिए जिला राजस्व अधिकारियों को सक्षम भूमि अधिग्रहण प्राधिकारी (सीएएलए) नियुक्त किया गया है। विवादों व मामलों के निपटारे के लिए संभागीय आयुक्तों को मध्यस्थ की जिम्मेदारी सौंपी गई है। डॉ. मिश्रा ने बताया कि अंबाला जिले में जिला राजस्व अधिकारी को भूमि अधिग्रहण का सक्षम प्राधिकारी बनाया गया है जबकि अंबाला मंडल के संभागीय आयुक्त मध्यस्थ की भूमिका निभाएंगे।

हरियाणा सरकार ने इस बावड़ी को प्राचीन धरोहर किया घोषित

टोहाना : शहर के वार्ड 19 में स्थित लंबे समय से सरकार की उपेक्षा का शिकार बावड़ी पर प्रदेश सरकार संरक्षण की ओर एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ा चुकी है। जिसको लेकर सरकार द्वारा तीन दिसम्बर को गजट नोटिफिकेशन जारी कर डीडीए है जिसके अनुसार दो महीने में इसको लेकर सरकार के मुख्य सचिव को अपने सुझाव दे सके है। वार्ड 19 के रहने वाले व्यापार मंडल के संरक्षक रमेश गोयल ने कहा कि यह बावड़ी वर्षों से जर्जर अवस्था में पड़ी थी। दीवारों और छतों पर झाड़ियों व पेड़ उग आए थे, बड़े दरवाजों और दीवारों के अवशेष ही इसकी पहचान बने हुए थे। स्थानीय लोग इसमें कचरा डालने लगे थे, जिससे यह स्थल उजाड़ और खतरनाक हो गया था। कई बार जानवरों के इसमें गिरने की घटनाएं भी हो रही थी। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा बावड़ी को

संरक्षण में लेने को लेकर गजट नोटिफिकेशन किया है वो सराहनीय है। उन्होंने बताया कि पुराने बुजुर्गों के अनुसार माना जाता है कि इसका निर्माण लोदी शासकों के काल में राजा अनंग पाल के समय हुआ था, जिन्होंने वर्ष 1451 से 1526 तक शासन किया। दिल्ली-मुल्तान व्यापार मार्ग पर स्थित यह बावड़ी उस समय यात्रियों और व्यापारियों के लिए जल स्त्रोत व विश्राम स्थल के रूप में कार्य करती थी। रमेश कुमार ने कहा कि हरियाणा व्यापार मंडल का प्रतिनिधिमंडल सरकार के मुख्य सचिव से मिलेगा और इस बावड़ी को ऐतिहासिक दर्शनीय स्थल बनाने को लेकर अपने सुझाव भी देगावास्तुकला की दृष्टि से टोहाना की बावड़ी कैथल की बावड़ी से समानता रखती है। इसमें सुंदर डिजाइन, विशिष्ट नक्काशी और दूसरे मेहराब के मुख्य मेहराब में अनोखा वृत्ताकार स्वरूप देखने को मिलता है, जो उस काल की स्थापत्य शैली को दशार्ता है। अपनी वर्तमान जर्जर स्थिति के बावजूद यह बावड़ी क्षेत्र के समृद्ध इतिहास और स्थापत्य विरासत का प्रमाण मानी जाती है। गजट अधिसूचना के तहत बावड़ी को हरियाणा प्राचीन तथा ऐतिहासिक स्मारक एवं पुरातात्विक स्थल तथा अवशेष अधिनियम, 1964 के अंतर्गत संरक्षित स्मारक घोषित किया गया है। इसके साथ ही बावड़ी के आसपास का क्षेत्र भी संरक्षित क्षेत्र माना जाएगा, जहां बिना अनुमति किसी प्रकार का निर्माण या बदलाव प्रतिबंधित रहेगा। जबकि नोटिस में इसके प्रकाशन की तिथि से दो माह की अवधि से पूर्व उपरोक्त प्रस्ताव के संबंध में किसी व्यक्ति द्वारा आपेक्ष व विचार प्रस्तुत करने को कहा गया है, ताकि विभाग के अधिकारी उसपर विचार कर सके।

पानीपत में पत्थर मारकर बुजुर्ग की हत्या, 3 दिन में 3 हत्याओं से पुलिस प्रणाली पर उठे सवाल

पानीपत : हरियाणा के पानीपत जिले से एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। यहां पर अज्ञात हमलावरों ने 50 साल के बुजुर्ग पर पत्थर से हमला कर दिया। सिर में चोट लगने से बुजुर्ग की दर्दनाक मौत हो गई। सूचना मिलते स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। मिली जानकारी के अनुसार घटना पानीपत कोर्ट के पीछे हुई है। जहां बुजुर्ग की सिर पर भारी पत्थर मार कर दी गई। पुलिस जब मौके पर पहुंची तो शव के पास से खून से सना पत्थर और जमीन पर खून फैला हुआ मिला। फिलहाल स्थानीय पुलिस ने शव को शव गृह में रखवा दिया है। पुलिस मृतक की शिनाख्त के लगातार प्रयास कर रही है। पानीपत में बदमाशों के हौसले इतने बुलंद हैं कि 3 दिन में तीन हत्याओं के मामले सामने आ चुके हैं।

सेवानिवृत्त डिप्टी सीएमवो समेत चार लोगों पर केस दर्ज

यमुनानगर: सेवानिवृत्त डिप्टी सीएमओ डॉ. अरुण गोयल की 40 वर्षीय पुत्रवधू रितू जैन उर्फ वंशिका की मौत के मामले में थाना शहर जगाधरी पुलिस ने करनाल के मॉडल टाउन निवासी आयुष जैन की शिकायत पर डॉ. अरुण गोयल, कर्ण गोयल, मधु गोयल और विजय गोयल के खिलाफ हत्या पर केस दर्ज कर लिया है। पुलिस ने मृतका के पति कर्ण गोयल को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने यह कार्रवाई मृतका के परिजनों की ओर से सोमवार को दिन में पोस्टमार्टम हाउस बाहर धरना व रोड को जाम करने के बाद की है। मृतका के परिजन इस बात पर अड़े हैं कि पुलिस सभी आरोपियों को गिरफ्तार करे, तभी अंतिम संस्कार करेंगे। सोमवार को मृतका के शव का पोस्टमार्टम डॉक्टरों के पैनल से पोस्टमार्टम कराया गया। इसके तुरंत बाद ही परिजन शवगृह के बाहर इस बात पर अड़ गए, जब तक गिरफ्तारी नहीं हो जाती, तब तक वे अंतिम संस्कार नहीं करेंगे। इसी मांग को लेकर उन्होंने पोस्टमार्टम हाउस में दरी बिछाकर धरना दे दिया। पुलिस अधिकारियों ने समझाने का प्रयास किया, लेकिन वे अड़े रहे और पोस्टमार्टम हाउस के सामने ही अपनी गाड़ी सड़क पर खड़ी कर यातायात बाधित कर दिया। इसके बाद पुलिस से सख्त कार्रवाई का आश्वासन मिलने के बाद परिजन सड़क से उठे।

20 साल पहले महिला की जांघ पर हुआ था जख्म, अब फूटा तो निकली गोली

फरीदाबाद : हरियाणा में फरीदाबाद की डबुआ कॉलोनी में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां 32 वर्षीय महिला कविता की जांघ से एक गोली निकली। यह उन्हें तब लगी थी जब वह 12 साल की थी और स्कूल में पढ़ती थी। तब उसे पता ही नहीं चला कि गोली लगी है। बस एक छोटा सा जख्म हुआ था, जो कुछ दिनों बाद भर गया। अब कुछ दिनों से उस जगह पर एक फोड़ा उभर आया था। कविता ने घरेलू नुस्खे के तौर पर लेप लगाकर पट्टी बांधी। कुछ दिनों बाद जब फोड़ा फूटा, तो उसमें से यह गोली निकली। महिला अब पूरी तरह स्वस्थ है। परिवार के लोग इसे चमत्कार मान रहे हैं। डॉक्टरों का कहना है कि बुलेट एक मैटेलिक ऑब्जेक्ट है, जो शरीर के अंदर रह सकता है। यह गोली एसएलआर राइफल की है। कविता अब चार बच्चों की मां हैं। उनका कहना है कि उन्हें कभी पता ही नहीं चल पाया कि उन्हें गोली लगी है, और न ही कभी कोई दिक्कत महसूस हुई। अब वह उस गोली को संभाल कर रखेंगी, क्योंकि लोग उनके पास उसे देखने आ रहे हैं। वह अपनी हथेली पर गोली रखकर हंसते हुए कहती हैं, "मैंने इसे 20 साल संभाला है।"स्कूल में पेपर देते वक्त लगी, लगा किसी ने तीखा पत्थर मारा कविता बताती हैं- मैं मानेसर के गांव कोटा खांडेवाला की रहने वाली हूं। जब 12 साल की थी, तो गांव के ही स्कूल में बैठकर पढ़ाई कर रही थी। स्कूल के बाहर ग्राउंड में दूसरे बच्चों के साथ पेपर दे रही थी। तभी मेरी कमर के नीचे वाले हिस्से में कोई नुकीली चीज आकर लगी। जिसके लगने के बाद कुछ खून भी निकला था। मुझे लगा कि किसी ने पत्थर फेंका है जो आकर लग गया है। टीचर ने घर भेजा दिया- कहा आज आराम करो कविता ने कहा कि इसके बाद टीचर ने भी यही सोचा था कि कुछ वैसे ही लगा है। उस दिन मुझे घर वापस भेज दिया। घर आकर परिजनों को इसके बारे मे बताया। उन्होंने ज्यादा ध्यान नहीं दिया। बस ब्लड वाली जगह पर घर पर बना

तेल-हल्दी का लेप लगा दिया। जिसके कुछ समय बाद मैंने फिर से स्कूल जाना शुरू कर दिया। धीरे-धीरे जख्म ठीक हो गया। उसके बाद मुझे कभी कोई दिक्कत नहीं हुई। गांव के पास था आर्मी ट्रेनिंग कैंप कविता बताती हैं कि हमारे गांव के पास में एक आर्मी ट्रेनिंग कैंप था। जहां पर ट्रेनिंग कराई जाती थी। लगता है कि वहीं से आकर गोली मुझे लगी थी, लेकिन किसी को उस समय भरोसा नहीं था कि गोली लगी है। मुझे भी पिछले 20 साल से किसी प्रकार की कोई परेशानी नहीं हुई। मुझे खुद पता नहीं था कि मेरे शरीर के किसी हिस्से में गोली भी लगी होगी। शादी के बाद 4 बच्चे हुए कविता का विवाह 2012 में एनआईटी की डबुआ कॉलोनी के रहने वाले प्रदीप के साथ हुआ। प्रदीप एक निजी कंपनी में ड्राइवर हैं। प्रदीप ने बताया कि उनके चार बच्चे हैं, जिनमें तीन लड़कियां और एक सबसे छोटा बेटा है। प्रदीप भी हैरान हैं और इस बात की खुशी जताते हैं कि उनकी पत्नी को लगी गोली बिना किसी ऑपरेशन के अपने आप ही निकल आई। उन्होंने यह भी बताया कि गोली उस स्थान से कुछ दूरी पर निकली है जहां पर पहले लगी थी। दो महीने पहले जांघ में फोड़ा उठना शुरू हुआ प्रदीप ने बताया कि करीब 2 महीने पहले मेरी पत्नी को कमर के नीचे के हिस्से (जांघ) में एक फोड़ा उठना शुरू हुआ। हमने पास के ही एक डॉक्टर से दवाई ली, लेकिन कोई आराम नहीं हुआ। जिसके बाद 2 दिन पहले पड़ोस की एक आंटी के कहने पर उसकी पत्नी ने घरेलू लेप किया। जब उसकी पत्नी ने गौर से चेक किया तो फोड़े के अंदर एक नुकीली नोक दिखाई दी। जिसको उसने हाथ से पकड़ कर खींचा तो वह चीज बाहर निकल आई। फोड़े से निकली गोली देख सब हैरान प्रदीप बताते हैं कि फोड़े से नुकीली चीज को ध्यान से देखा तो पता चला यह तो गोली है। जब उसने उसको बाहर निकालकर घरवालों को दिखाया तो सभी के होश उड़ गए, क्योंकि वह बंदूक से निकली हुई एक गोली थी। इसके बाद कविता को एहसास हुआ कि 20 साल पहले स्कूल के समय पर उसको पत्थर नहीं गोली लगी थी। अब जानिए मेडिकल साइंस की इस पर क्या राय गोली की स्पीड ज्यादा नहीं रही होगी बादशाह खान सिविल अस्पताल के न्यूरो सर्जन डॉ. उपेंद्र भारद्वाज ने बताया कि ऐसा होना संभव है, क्योंकि बुलेट एक मैटेलिक ऑब्जेक्ट है। जब गोली निकलती है, तो उसमें कोई जहर नहीं होता, वह बस एक गरम लोहे का टुकड़ा होती है। कई बार, गोली शरीर के हड्डी वाले हिस्से में रुक जाती है। ऐसा गोली की रफ्तार कम होने पर होता है। हमारी कोशिकाएं गोली के चारों तरफ एक तरह की दीवार खड़ी कर देती हैं, जिससे गोली वहीं पर रुकी रहती है। संभवतः कविता को जो गोली लगी है, उसकी गति अधिक नहीं रही होगी, जिसके कारण गोली जहां लगी, वहीं अंदर रुक गई।

कोशिकाओं की परत फटी और गोली बाहर आ गई

गोली के अपने आप बाहर आने के सवाल पर डॉ. उपेंद्र भारद्वाज का कहना है कि इसका कोई निश्चित समय नहीं बताया जा सकता कि गोली कितने समय बाद अपने आप निकल जाएगी। कविता के मामले में त्वचा और गोली के बीच कोशिकाओं द्वारा बनाई गई परत फट गई होगी

अवैध प्लास्टिक गोदामों के खिलाफ प्रशासन की सख्त कार्यवाही, रात के अंधेरे में एसडीएम ने मारा छापा

बहादुरगढ़ : बहादुरगढ़ में अवैध प्लास्टिक स्क्रैप की डम्पिंग और स्टोरेज के खिलाफ प्रशासन ने सख्त कार्यवाही शुरू कर दी है। दिन के साथ अब रात में भी प्रशासनिक टीमें छापेमारी कर रही है। एसडीएम अभिनव सिवाच ने भी रात में अपनी टीम के साथ छोटूराम नगर में अवैध प्लास्टिक स्क्रैप डम्पिंग गोदामों पर छापेमारी की। मौके पर प्लास्टिक की डम्पिंग करते हुए चार वाहनों को भी पकड़ा। एसडीएम अभिनव सिवाच ने मौके पर जारी अवैध गतिविधी को देखते हुए अवैध तरीके से प्लास्टिक कबाड़ की डम्पिंग और स्टोरेज करने वाले तीन गोदामों को सील कर दिया और चार वाहनों को इम्पाउंड भी करवा दिया है। एसडीएम अभिनव का कहना है कि भारतीय न्याय संहित की धारा 163 के तहत शहरी क्षेत्र में अवैध प्लास्टिक कबाड़ की स्टोरेज, डम्पिंग और कटाई छंटाई पर पूरी तरह से प्रतिबंध है। लेकिन बावजूद इसके कुछ लोग अवैध तरीके से ये काम कर रहे हैं। जिसके कारण पिछले दिनों छोटूराम नगर में आग भी लगी थी । अवैध प्लास्टिक डम्पिंग, स्टोरेज और कटाई छंटाई के कारण प्रदूषण भी फैल रहा है । इसलिए प्रशासन ने सख्ती से ये कार्यवाही की है और लगातार इस कार्यवाही को आगे बढ़ाया जाएगा। प्रशासनिक कार्यवाही के दौरान नगर परिषद और पुलिस की टीमें भी साथ रही।

महिला टी20 रैंकिंग में हरमनप्रीत कौर का जलवा, गेंदबाजी में दीप्ति को नुकसान

दुबई (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने श्रीलंका के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज के आखिरी मुकाबले में शानदार प्रदर्शन का इनाम पाया है। मंगलवार को जारी ICC महिला टी20 की ताजा रैंकिंग में हरमनप्रीत बल्लेबाजों की सूची में दो स्थान ऊपर चढ़कर 13वें पायदान पर पहुंच गई हैं।

निर्णायक पारी से बदली रैंकिंग

तिरुवनंतपुरम में खेले गए अंतिम टी20 मुकाबले में हरमनप्रीत ने 43 गेंदों पर 68 रनों की मैच जिताऊ पारी खेली थी, जिसके लिए उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। भारत ने यह मुकाबला 15 रन से जीता और 30 दिसंबर को समाप्त हुई सीरीज में श्रीलंका का 5-0 से क्लीन स्वीप किया।

शीर्ष 10 के करीब हरमनप्रीत

इस शानदार पारी के बाद हरमनप्रीत अब बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष 10 के और करीब पहुंच गई हैं। भारतीय बल्लेबाजों में स्मृति मंधाना तीसरे और शेफाली वर्मा छठे स्थान पर बरकरार हैं। ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी ने बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर अपनी पकड़ मजबूत बनाए रखी है। हालांकि जेमिमा रोड्रिग्स को एक स्थान का नुकसान हुआ है और वह शीर्ष 10 से बाहर होकर 12वें स्थान पर खिसक गई हैं।

गेंदबाजी रैंकिंग में दीप्ति को झटका

गेंदबाजी रैंकिंग में भारतीय ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा शीर्ष स्थान से फिसल गई हैं। पांचवें टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में उन्होंने 28 रन देकर एक विकेट लिया, लेकिन यह प्रदर्शन ऑस्ट्रेलिया की एनाबेल सदरलैंड को शीर्ष पर पहुंचने से रोकने के लिए पर्याप्त नहीं रहा। दीप्ति और सदरलैंड के बीच अब सिर्फ एक रेटिंग अंक का अंतर है सदरलैंड के 736 अंक हैं।

अन्य खिलाड़ियों की रैंकिंग में बदलाव

भारतीय बाएं हाथ की स्पिनर श्री चरनी ने शानदार उछाल लगाते हुए पांच स्थान की छलांग के साथ 47वां स्थान हासिल किया। श्रीलंका की कविशा दिलहारी एक स्थान ऊपर चढ़कर 32वें और कप्तान चमारी अटापट्टू तीन स्थान के सुधार के साथ 48वें पायदान पर पहुंच गई हैं।

मलेशिया ओपन 2026: लक्ष्य सेन की दमदार शुरुआत, दूसरे राउंड में किया प्रवेश

कुआलालंपुर (एजेंसी)। भारत के स्टार शटलर लक्ष्य सेन ने मलेशिया ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में नए सत्र की शानदार शुरुआत करते हुए दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया है। लक्ष्य ने कड़े मुकाबले में सिंगापुर के जिया हेंग जेसन तेह को तीन गेम तक चले मैच में हराया। वहीं, महिला एकल में भारत की मालविका बंसोड़ को पहले दौर में हार का सामना करना पड़ा।

लक्ष्य सेन ने संघर्षपूर्ण जीत के साथ किया आगाज

24 वर्षीय लक्ष्य सेन ने विषम परिस्थितियों से जूझते हुए विश्व रैंकिंग में 21वें स्थान पर काबिज जिया हेंग जेसन तेह को 70 मिनट तक चले मुकाबले में 21-16, 15-21, 21-14 से शिकस्त दी। यह मुकाबला काफी रोमांचक रहा, जिसमें दोनों खिलाड़ियों ने लंबी रैलियों और आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया। पिछले सत्र के अंत में ऑस्ट्रेलियाई ओपन का खिताब जीतने वाले लक्ष्य ने इस जीत के साथ अपने शानदार फॉर्म को बरकरार रखा है।

दूसरे दौर में कठिन चुनौती के लिए तैयार लक्ष्य

विश्व चैंपियनशिप 2021 के कांस्य पदक विजेता और वर्तमान में विश्व रैंकिंग में 13वें स्थान पर मौजूद लक्ष्य सेन का अगला मुकाबला फ्रांस के छठी वरीयता प्राप्त क्रिस्टो पोपोव और हांगकांग के ली चेउक यिउ के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। यह मुकाबला लक्ष्य के लिए टूर्नामेंट में आगे की राह तय करने में अहम साबित होगा।

मालविका बंसोड़ की वापसी पर ब्रेक

महिला एकल में भारत की मालविका बंसोड़ की वापसी निराशाजनक रही। बाएं घुटने की चोट के कारण छह महीने बाद कोर्ट पर लौटीं मालविका को पहले दौर में थाईलैंड की सातवीं वरीयता प्राप्त और पूर्व विश्व चैंपियन रत्चनोक इंतानोन से 11-21, 11-21 से सीधे गेमों में हार झेलनी पड़ी। हालांकि, चोट के बाद वापसी कर रही मालविका के लिए यह टूर्नामेंट लय हासिल करने के लिहाज से अहम माना जा रहा है।

विजय हजारे ट्रॉफी में भी नहीं चला शुभमन गिल का बल्ला, सस्ते में लौटे पवेलियन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के वनडे और टेस्ट कप्तान शुभमन गिल की सीमित ओवरों में खराब फॉर्म का सिलसिला जारी है। विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 में गोवा के खिलाफ पंजाब की ओर से खेलते हुए गिल रनचेज में खास प्रभाव नहीं छोड़ सके और सिर्फ 11 रन बनाकर आउट हो गए। जयपुर में खेले गए इस मुकाबले में पंजाब को 212 रन का लक्ष्य मिला था।

गोवा के अनुभवी गेंदबाज ने किया गिल का शिकार

पंजाब की पारी के दौरान शुभमन गिल ने शुरुआत में अर्जुन तेंदुलकर और वासुकी कौशिक के खिलाफ एक-एक चौका जरूर लगाया, लेकिन पांचवें ओवर की पहली गेंद पर वासुकी कौशिक ने उन्हें चलता कर दिया। गिल 12 गेंदों में 11 रन बनाकर सुयश प्रभुदेसाई को कैच दे बैठे। यह वही मुकाबला था, जो टी20 वर्ल्ड कप 2026 टीम से बाहर होने के बाद गिल का पहला प्रतिस्पर्धी मैच था।

10 महीने से जारी है सफेद गेंद क्रिकेट में अर्धशतक का सूखा

शुभमन गिल का सफेद गेंद क्रिकेट में खराब दौर चिंता बढ़ा रहा है। उन्हें आखिरी बार 10 महीने पहले अर्धशतक बनाते देखा गया था। इसके बाद से उन्होंने 7 वनडे, 15 टी20 अंतरराष्ट्रीय और अब विजय हजारे ट्रॉफी का एक मुकाबला खेला है, लेकिन कोई भी बड़ी पारी नहीं आई।

हालांकि इसके उलट, टेस्ट क्रिकेट में गिल का प्रदर्शन शानदार रहा। 2025 में खेले गए टेस्ट मैचों में वह सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे, भले ही चोट के कारण वह गुवाहाटी टेस्ट और ईडन गार्डन्स में रनचेज का हिस्सा नहीं बन सके।

स्टीव स्मिथ शतक लगाकर एशेज में दूसरे सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बने

नई दिल्ली (एजेंसी)। सिडनी, 06 जनवरी (वेब वार्ता)। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान स्टीव स्मिथ ने मंगलवार को एक शानदार शतक लगाकर एशेज के इतिहास में अपना नाम और मजबूती से दर्ज कराया। वह इंग्लैंड के महान खिलाड़ी जैक हॉब्स को पीछे छोड़कर एशेज इतिहास में दूसरे सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज ने अपना 37वां टेस्ट शतक बनाया, जब उन्होंने ट्रैविस हेड के शानदार 163 रनों की बदौलत मिली मजबूत नींव पर पारी को आगे बढ़ाया। इससे मेजबान टीम इंग्लैंड के पहली पारी के कुल स्कोर को पार करने में सफल रही और सीरीज़ के आखिरी टेस्ट में एक महत्वपूर्ण बढ़त हासिल की।

इस प्रक्रिया में, स्मिथ ने हॉब्स के 3,636 एशेज रनों के आंकड़े को पार कर लिया और अब वह ऑल-टाइम लिस्ट में सर डॉन ब्रैडमैन के बाद दूसरे स्थान पर हैं। 36 वर्षीय खिलाड़ी एशेज शतकों की सूची में भी दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं, इंग्लैंड के खिलाफ उनके 13 शतकों से ज़्यादा सिर्फ ब्रैडमैन के 19 शतक हैं। स्मिथ का एशेज का सफर 2010 में पर्थ में शुरू हुआ था, हालांकि इस मशहूर प्रतिद्वंद्विता में अपना पहला शतक लगाने में उन्हें 15 पारियां लगीं, जो 2013 में द ओवल में आया था। तब से, वह इंग्लैंड के गेंदबाजों के लिए लगातार परेशानी का सबब बने हुए हैं, उनका सबसे शानदार प्रदर्शन 2019 में इंग्लैंड में हुए एशेज के दौरान आया था, जहां उन्होंने 110.57 के शानदार औसत से 774 रन बनाए थे।

सिडनी में बनाया गया शतक स्मिथ का मौजूदा सीरीज का पहला और ऑस्ट्रेलिया के कप्तान के तौर पर 18वां शतक था। खास बात यह है कि कप्तान के तौर पर उनके छह शतक इंग्लैंड के खिलाफ आए हैं, जो किसी भी विरोधी टीम के खिलाफ कप्तान के तौर पर बनाए गए सबसे ज़्यादा शतक हैं। ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे दिन की शुरुआत दो विकेट पर 166 रन से की, हेड ने अपना आक्रामक रवैया जारी रखा और अपना 12वां टेस्ट शतक पूरा किया। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने आउट होने से पहले ऑस्ट्रेलिया को इंग्लैंड के कुल स्कोर के करीब पहुंचाने के लिए 63 रन और जोड़े। कैमरन ग्रीन के अच्छे साथ से स्मिथ ने फिर कमान संभाली, ऑस्ट्रेलिया को बढ़त दिलाई और व्यक्तिगत मील के पत्थर हासिल करते हुए अपनी स्थिति मजबूत की। ऑस्ट्रेलिया ने सीरीज के पहले तीन टेस्ट जीतकर पहले ही एशेज अपने नाम कर लिया था। हालांकि, इंग्लैंड ने मेलबर्न में जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट जीत के लिए 14 साल का सूखा खत्म किया, जिससे उनका आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप अभियान ज़िंदा रहा।

अनाहत सिंह ब्रिटिश जूनियर ओपन स्क्वाश के फाइनल में पहुंची

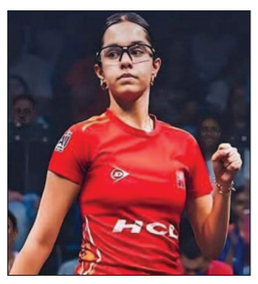

नई दिल्ली। शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी अनाहत सिंह ने सेमीफाइनल में मिस्र की मलिका अल कराक्सी को आसानी से पराजित करके प्रतिष्ठित ब्रिटिश जूनियर ओपन स्क्वाश में महिला एकल के अंडर-19 वर्ग के फाइनल में प्रवेश किया। अब तक 12 पीएसए टूर खिताब जीतने वाली 17 वर्षीय खिलाड़ी अनाहत ने बर्मिंघम विश्वविद्यालय में मलिका पर सिर्फ 28 मिनट में 11-8, 11-7, 11-9 से जीत हासिल की। फाइनल में अनाहत का सामना यूरोपीय जूनियर चैंपियन और दूसरी वरीयता प्राप्त फ्रांस की लॉरेन बाल्टायन से होगा। अनाहत ब्रिटिश जूनियर ओपन में सभी आयु वर्गों में नौवीं बार फाइनल में पहुंची है और उनका लक्ष्य 2005 में जोशना चिनप्पा के बाद इस प्रतियोगिता में अंडर19 खिताब जीतने वाली दूसरी भारतीय खिलाड़ी बनना है। इस बीच लड़कों के अंडर-17 वर्ग में दूसरी वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी आर्यवीर दीवान सेमीफाइनल में मिस्र के फिलोपेटर सालेह से 9-11, 5-11, 7-11 से हार गए।

हेड ने सिडनी में शतक के साथ ही बनाया रिकार्ड

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज टेविस हेड ने यहां इंग्लैंड के खिलाफ एशेज सीरीज के पांचवें क्रिकेट टेस्ट मैच के तीसरे दिन अपना शतक पूरा किया। ये हेड का इस सीरीज में तीसरा शतक है। इसी के साथ ही हेड ने सात घरेलू मैदानों पर शतक लगाने का नया रिकार्ड अपने नाम किया है। हेड ने 105 गेंदों में 24 चौके और एक छक्के की सहायता से 166 गेंदों पर 163 रनों की पारी खेली। इसी के साथ ही हेड ने अपने टेस्ट करियर का 12वां शतक लगाया। ये इस सीरीज में उनका तीसरा शतक रहा। यह शतक हेड के लिए इसलिए भी महत्वपूर्ण रहा क्योंकि उन्होंने पहली बार सिडनी क्रिकेट मैदान में कोई शतक लगाया है। इसी के साथ ही वह अब अपनी धरती पर सात अलग-अलग मैदानों पर टेस्ट शतक लगाने वाले विश्व के पांचवें बल्लेबाज बन गए हैं। इस सूची में पहले से ही स्टीव वॉ, जस्टिन लैंगर, मैथ्यू हेडन और डेविड वॉर्नर शामिल हैं। हेड का ये 65वां टेस्ट मैच है। इससे पहले उन्होंने एडिलेड ओवल में लगातार चार टेस्ट शतक जबकि गाबा में दो शतक लगाये हैं। वहीं मेलबर्न क्रिकेट मैदान के अलावा पर्थ, होबार्ट, कैनबरा और अब सिडनी क्रिकेट मैदान में एक-एक शतक उनके नाम है। वहीं विदेशी धरती पर उनके नाम केवल एक शतक है। ये शतक उन्होंने इंग्लैंड के ओवल मैदान में साल 2021-23 में हुए विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में भारत के खिलाफ लगाया था। तब हेड ने 174 गेंदों पर 163 रनों की आक्रामक पारी खेली थी।

वैभव की आक्रामक पारी से भारतीय टीम ने दूसरे यूथ एकदिवसीय मैच में भी दक्षिण अफ्रीका को हराया

-सीरीज में 2-1 की बढ़त हासिल की

नई दिल्ली (एजेंसी)। वैभव सूर्यवंशी के 68 रनों की आक्रामक पारी से भारतीय अंडर-19 टीम ने दक्षिण अफ्रीका को वर्षा प्रभावित दूसरे यूथ एकदिवसीय मैच में आठ विकेट से हरा दिया। इस प्रकार तीन मैचों की सीरीज में भारतीय टीम ने 2-0 की अपराजेय बढ़त हासिल कर ली है। भारतीय टीम ने पहले मैच में भी 25 रनों से जीत दर्ज की थी। वैभव इस सीरीज में टीम की कप्तानी कर रहे हैं और उन्होंने इस मैच में अपना कप्तानी कौशल भी दिखाया।

इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए जेसन राउल्स के 114 रनों की सहायता से दक्षिण अफ्रीकी टीम ने 245 रन बनाये। इसके बाद वैभव की आक्रामक पारी से भारतीय टीम ने ये सीरीज आसानी से अपने नाम कर ली। इस मैच को बारिश के कारण दो बार रोका गया था। दूसरी बार मैच रोके जाने के बाद डकवर्थ लुइस नियम के तहत ही भारतीय टीम को जीत के लिए 27 ओवर में 174 रन का लक्ष्य मिला जिसे भारतीय टीम ने दो विकेट विकेट खोकर 23.3 ओवर में ही 176 रन बनाकर हासिल कर लिया। वेदांत त्रिवेदी 31 और अभिज्ञान कुंडू 48 रन बनाकर नाबाद रहे। अभिज्ञान ने छक्का लगाकर इस मैच में भारतीय टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। मैच का आकर्षण वैभव की आक्रामक पारी रही। वैभव ने पहली ही गेंद पर छक्का लगाकर आक्रामक शुरुआत की। इस बल्लेबाज ने 19 गेंदों में ही अर्धशतक लगा दिया। वैभव ने 24 गेंदों में 10 छक्के और एक चौका लगाकर 283 के स्ट्राइक रेट से 68 रन बनाये। इस मैच में भारतीय टीम की गेंदबाजी भी अच्छी रही। भारत की ओर से किशन कुमार ने मैच में चार विकेट लिए जबकि आरएस अम्ब्रीश ने दो विकेट लिए। दीपेश देवेन्द्रन, कनिष्क चौहान और खिलन पटेल ने एक-एक विकेट लिया।

आईएसएल 14 फरवरी से होगा शुरु, सभी 14 क्लब होंगे शामिल : खेल मंत्री मांडविया ने किया ऐलान

नई दिल्ली। भारतीय फुटबॉल में पिछले कुछ समय से चल रही अनिश्चितता की स्थिति को समाप्त करते हुए खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने मंगलवार को घोषणा की कि वाणिज्यिक साझेदार नहीं मिलने के कारण स्थगित हुई इंडियन सुपर लीग (ISL) 14 फरवरी से शुरू होगी। लीग में सभी 14 क्लब हिस्सा लेंगे। मांडविया ने AIFF (अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ) और ISL क्लबों के बीच यहां भारतीय खेल प्राधिकरण मुख्यालय पर हुई बैठक के बाद मीडिया को बताया, 'इंडियन सुपर लीग 14 फरवरी से होगी जिसमें सभी क्लब भाग लेंगे। आज सरकार, AIFF और सभी क्लबों के प्रतिनिधियों की बैठक के बाद यह फैसला लिया गया। पिछले कुछ समय से भारतीय फुटबॉल को लेकर अदालत में चल रहे विवाद के कारण ISL के आयोजन को लेकर अनिश्चितता की स्थिति बनी हुई थी जिस पर अब विराम लग गया।' AIFF अध्यक्ष कल्याण चौबे ने इस मौके पर बताया, 'ISL के संचालन के लिए संचालन परिषद बोर्ड का गठन होगा। ISL में 14 टीमों के 91 मैच एक चरण में होम (घरेलू) और अवे (प्रतिद्वंद्वी टीम का घरेलू मैदान) आधार पर खेले जाएंगे।' चौबे ने कहा कि मैच कहां होंगे, यह क्लब AIFF के साथ मिल कर तय करेंगे। उन्होंने कहा, 'आई लीग में 11 टीमों के बीच 55 मैच खेले जाएंगे जो ISL के साथ ही आरंभ होगी। इसमें आईलीग-दो और आईलीग-तीन में 33 के बजाए 40 टीमें होंगी।' उन्होंने बताया कि ISL के लिए 25 करोड़ रुपए का एक कैप (खर्च की सीमा) बनाया गया है जिसमें 10 प्रतिशत AIFF, 15 प्रतिशत क्लब 30 प्रतिशत व्यावसायिक साझेदार वहन करेंगे। उन्होंने कहा, 'जब तब व्यावसायिक साझेदार नहीं मिल जाता तब तक AIFF कुल 40 प्रतिशत खर्च वहन करेगा।' उन्होंने कहा कि AIFF का कुल योगदान 14 करोड़ रुपए होगा जिसमें 10 करोड़ ISL और 3.2 करोड़ आई लीग के लिए होंगे।' IWL (इंडियन वुमेन लीग) का शत प्रतिशत फंड AIFF का होगा।

विराट कोहली के संन्यास पर सवाल, संजय मांजरेकर ने जताया अफसोस

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशेज 2025 के पांचवें टेस्ट ने टेस्ट क्रिकेट की महानता और निरंतरता की नई मिसाल पेश की। इंग्लैंड के जो रूट और ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ ने शतक जड़कर एक बार फिर साबित किया कि क्यों उन्हें आधुनिक युग के सर्वश्रेष्ठ टेस्ट बल्लेबाज़ों में गिना जाता है। इसी बीच, पूर्व भारतीय बल्लेबाज़ संजय मांजरेकर ने विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास को दुर्भाग्यपूर्ण बताया और सवाल उठाया कि जब उनके समकालीन नई ऊंचाइयों को छू रहे हैं, तब कोहली का इस फॉर्मेट से दूर जाना कितना सही था।

जो रूट का 41वां टेस्ट शतक : ऐतिहासिक उपलब्धि

एशेज के पांचवें टेस्ट के पहले दिन जो रूट ने अपना 41वां टेस्ट शतक पूरा किया। इसके साथ ही वह टेस्ट क्रिकेट के लगभग 150 साल के इतिहास में सबसे ज़्यादा शतक लगाने वाले खिलाड़ियों की सूची में संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर पहुंच गए। रूट ने रिकी पोंटिंग की बराबरी की और अब उनसे आगे सिर्फ़ सचिन तेंदुलकर (51 शतक) और जैक्स कैलिस (45 शतक) हैं। यह उपलब्धि रूट की निरंतरता और तकनीकी मजबूती का प्रमाण है।

स्टीव स्मिथ का करारा जवाब

रूट के शतक के ठीक एक दिन बाद ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ ने भी बल्ले से जवाब दिया। उन्होंने अपना 37वां टेस्ट शतक पूरा किया, जो एशेज इतिहास में उनका 13वां शतक था। एशेज में इतने शतक लगाने वाले वह दूसरे बल्लेबाज़ बन गए हैं, उनसे आगे सिर्फ़ महान डॉन ब्रैडमैन हैं। स्मिथ की यह पारी एक बार फिर उनकी असाधारण टेस्ट क्षमता को दर्शाती है।

'फैब फोर' की चमक और कोहली की अनुपस्थिति

इन प्रदर्शनों के बीच संजय मांजरेकर ने 'फैब फोर' के चौथे सदस्य विराट कोहली की गैरमौजूदगी पर निराशा जताई। उन्होंने कहा कि जब रूट, स्मिथ और केन विलियमसन टेस्ट क्रिकेट में लगातार ऊंचाइयों को छू रहे हैं, तब कोहली का इस फॉर्मेट से हट जाना दुखद है। मांजरेकर के मुताबिक, कोहली के करियर के आखिरी पांच वर्षों में टेस्ट औसत गिरने के कारणों की गहराई से तलाश नहीं हो पाई।

केन विलियमसन की वापसी से तुलना

मांजरेकर ने केन विलियमसन का उदाहरण भी दिया, जिन्होंने करीब एक साल तक टेस्ट क्रिकेट नहीं खेलने के बावजूद वापसी की। वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज़ से पहले उन्होंने घरेलू फर्स्ट क्लास क्रिकेट खेलकर खुद को तैयार किया। यह दिखाता है कि लंबे ब्रेक के बाद भी टेस्ट क्रिकेट में वापसी संभव है, अगर खिलाड़ी इसके लिए प्रतिबद्ध हो।

कोहली के फॉर्म में गिरावट और संन्यास

2020 से पहले विराट कोहली को कई लोग 'फैब फोर' में सबसे आगे मानते थे। हालांकि महामारी के बाद उनके टेस्ट फॉर्म में तेज गिरावट आई। ऑफ स्टंप के बाहर गेंदों पर कमजोरी उनके करियर के आखिरी दौर में उजागर हुई। मई 2025 में उन्होंने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया, जबकि उनका करियर औसत 46.85 रहा।

टेस्ट क्रिकेट से दूरी पर मांजरेकर की आपत्ति

मांजरेकर ने यह भी कहा कि उन्हें कोहली का टेस्ट क्रिकेट छोड़कर वनडे खेलते रहना अधिक निराशाजनक लगा। उनके अनुसार, टेस्ट क्रिकेट ही वह फॉर्मेट है जो बल्लेबाज़ को सबसे ज़्यादा परखता है। कोहली की फिटनेस को देखते हुए, उन्हें लगता है कि पूर्व कप्तान चाहें तो फर्स्ट क्लास क्रिकेट के ज़रिए वापसी की एक और कोशिश कर सकते थे।

आधुनिक टेस्ट क्रिकेट की कहानी

रूट, स्मिथ और विलियमसन के मौजूदा प्रदर्शन यह साबित करते हैं कि आधुनिक युग में भी टेस्ट क्रिकेट सर्वोच्च चुनौती बना हुआ है। ऐसे में विराट कोहली की अनुपस्थिति इस कहानी का एक अधूरा अध्याय बनकर रह गई है, जिस पर क्रिकेट जगत में चर्चा जारी है।

अमेरिकी टेनिस लीजेंड वीनस विलियम्स ऑकलैंड में पहले दौर में हारीं

वेलिंगटन। पूर्व वर्ल्ड नंबर 1 वीनस विलियम्स मंगलवार को न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में एएसबी क्लासिक में अपने पहले मैच में पोलैंड की मैग्डा लिनेट से तीन सेट में हार गईं। 7 बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन विलियम्स ने महिला टेनिस एसोसिएशन 250 इवेंट में वापसी करते हुए अच्छे संकेत दिखाए, जो 2 से 17 जनवरी तक चलेगा। दुनिया में 53वें नंबर पर मौजूद लिनेट ने 6-4, 4-6, 6-2 से जीत हासिल कर दूसरे राउंड में जगह बनाई, जहां उनका मुकाबला इटली की एलिसाबेटा कोकियारेटो से होगा। लिनेट ने कहा, 'मुझे लगा कि मैं कम गलतियां कर सकती थी, खासकर इतने पावरफुल हिटर के साथ, मुझे थोड़ा और सॉलिड होने की जरूरत है।' वाइल्डकार्ड एंट्री पाने वाली विलियम्स, जो 582वें नंबर पर हैं, ने कहा, 'मुझे लगता है कि मेरी प्रतिद्वंद्वी ने शानदार खेला। वह निश्चित रूप से जीत की हकदार थी।' 45 साल की खिलाड़ी, जो अगस्त में यूएस ओपन के बाद अपना पहला मैच खेल रही थीं, ने कहा कि इस स्टेज पर उनका मुख्य फोकस इस महीने के आखिर में होने वाले ऑस्ट्रेलियन ओपन से पहले मैच फिटनेस और लय बनाना है। इस हार से टूर्नामेंट के कुछ बड़े नामों के लिए मुश्किल शुरुआत हुई, जब सोमवार को दूसरी वरीयता प्राप्त अमेरिकी एम्मा नवारो टूर्नामेंट से जल्दी बाहर हो गईं।

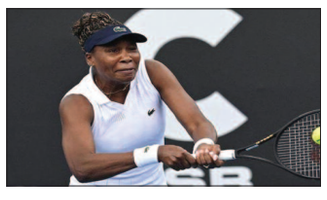

अपनी आगामी फिल्म 'महाकाली' में शुक्राचार्य की भूमिका में नजर आएंगे अक्षय खन्ना

अभिनेता अक्षय खन्ना इन दिनों लगातार चर्चाओं में बने हुए हैं। एक ओर जहां 'धुरंधर' में उनके अभिनय की जमकर तारीफ हो रही है और उनका डांस स्टेप वायरल है। वहीं दूसरी ओर 'दृश्यम 3' से बाहर होने के बाद मेकर्स ने उन पर गैर पेशेवर रवैये के आरोप लगाए हैं और उन्हें कानूनी नोटिस भेजा है। इसको लेकर एक्टर पर कुछ और लोगों ने भी अब आरोप लगाए हैं। हालांकि, अक्षय की तरफ से इन पर कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। इस बीच अब अक्षय अपनी आगामी फिल्म 'महाकाली' की तैयारियों में लगे हैं। अब फिल्म की शूटिंग की बीटीएस तस्वीरें भी सामने आई हैं। निर्देशक पूजा कोल्लुरु ने साल 2025 का शुक्रिया जताते हुए कुछ तस्वीरें साझा की हैं। इनमें हैदराबाद स्थित 'महाकाली' के सेट से भी कुछ तस्वीरें हैं। इनमें अक्षय खन्ना भी नजर आ रहे हैं। पूजा कोल्लुरु ने जो तस्वीरें साझा की हैं, उनमें 'महाकाली' के सेट से अक्षय खन्ना के साथ एक सेल्फी भी शामिल है। इस पोस्ट में जो तस्वीर सबसे ज्यादा चर्चा में है वो पूजा और अक्षय खन्ना की ही है। 'महाकाली' से अक्षय खन्ना तेलुगु सिनेमा में अपना डेब्यू कर रहे हैं। 'महाकाली' प्रशांत वर्मा सिनेमाटिक यूनिवर्स की अगली कड़ी है। फिल्म में अक्षय खन्ना गुरु शुक्राचार्य की भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म से उनका फर्स्ट लुक सामने आया था, जिसमें उन्हें पहचानना बिल्कुल मुश्किल हो रहा था। इस लुक के सामने आने के बाद से ही फैंस इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। 'महाकाली' में भूमि शेट्टी महाकाली के मुख्य किरदार में नजर आएंगी। अक्षय खन्ना के शामिल होने से फिल्म की और भी चर्चा हो रही है।

चित्रांगदा सिंह ने मना करने की अहमियत पर दिया जोर

फिल्म इंडस्ट्री में काम करना जितना चमक-दमक भरा दिखता है, उतना ही मुश्किल भी होता है। कौन सा प्रोजेक्ट करें और किसको रिजेक्ट करें, कई बार ये फैसले किसी कलाकार के पूरे करियर की दिशा तय कर देते हैं। इस मामले को लेकर अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह ने खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि अपने करियर के दौरान ना कहना सीखना उनके लिए सबसे अहम सीखों में से एक रहा है। चित्रांगदा सिंह ने कहा, अगर कोई कलाकार बार-बार खराब काम करता है, तो उसकी पहचान और विश्वसनीयता धीरे-धीरे कम हो जाती है। ऐसे में कुछ चीजों के लिए ना कहना बहुत जरूरी है, क्योंकि यह एक अभिनेता के रूप में आपकी इमेज को बचाए रख सकता है। खराब फिल्मों या कमजोर किरदारों को स्वीकार करने से कलाकार की छवि को नुकसान पहुंचता है। उन्होंने कहा, ऐसा जरूरी नहीं कि हर बार मना किया गया फैसला सही ही हो। कई बार ऐसा होता है कि कोई अच्छा प्रोजेक्ट हाथ से निकल जाता है और बाद में एहसास होता है कि वह एक गलती थी। लेकिन कई मौके ऐसे भी होते हैं, जब मैंने किसी फिल्म को मना किया और उस पर मुझे आज तक कोई पछतावा नहीं है। ऐसे फैसलों ने मुझे आत्मसंतोष दिया और करियर को एक सटीक दिशा दी।

इंटरव्यू में चित्रांगदा सिंह ने इस बात पर भी जोर दिया कि किसी भी अभिनेता के स्टारडम में पूरी टीम की बड़ी भूमिका होती है। उन्होंने कहा, आखिरकार फिल्म सिर्फ एक अभिनेता से नहीं बनती, बल्कि निर्देशक, लेखक, एडिटर और पूरी क्रिएटिव टीम मिलकर उसे आकार देती है। निर्देशक का नजरिया, किरदार को देखने और दिखाने का तरीका, और एडिटिंग टेबल पर लिया गया फैसला, ये सभी चीजें किसी अभिनेता के प्रदर्शन को निखारने में मदद करती हैं।

उन्होंने कहा, अच्छे फिल्मकारों के साथ काम करने से अभिनेता खुद-ब-खुद बेहतर बनता जाता है। जब निर्देशक की सोच मजबूत होती है और कहानी को ईमानदारी से पेश किया जाता है, तो कलाकार को भी अपने किरदार में गहराई दिखाने का मौका मिलता है। इसी कारण मेरे लिए सिर्फ स्क्रीन टाइम नहीं, बल्कि फिल्म की गुणवत्ता और टीम की सोच ज्यादा मायने रखती है।

'ओह माई गॉड' फ्रेंचाइजी में अक्षय कुमार के साथ स्क्रीन साझा करेंगी रानी मुखर्जी

बॉलीवुड की चर्चित फ्रेंचाइजी 'ओह माई गॉड' एक बार फिर बड़े स्तर पर वापसी करने की तैयारी में है। फ्रेंचाइजी की नई फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच पहले से ही उत्सुकता बनी हुई थी और अब इस प्रोजेक्ट से जुड़ी एक बड़ी जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस बार अक्षय कुमार के साथ रानी मुखर्जी मुख्य भूमिका में नजर आ सकती हैं। अगर यह खबर पुख्ता होती है, तो यह दोनों कलाकारों की पहली ऑन-स्क्रीन जोड़ी होगी, जिसे लेकर फिल्म इंडस्ट्री में खासा उत्साह देखा जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक बताया जा रहा है कि ओह माई गॉड इस समय प्री-प्रोडक्शन स्टेज में है और फिल्म की शूटिंग 2026 के मई से शुरू होने की योजना है। पहले और दूसरे भाग की तरह इस बार भी निर्देशन की कमान अमित राय संभाल रहे हैं, जिन्होंने पिछली फिल्म में सामाजिक मुद्दों को प्रभावशाली ढंग से पेश कर दर्शकों और समीक्षकों की सराहना बटोरी थी। रानी मुखर्जी के जुड़ने से फिल्म को एक नई गंभीरता और ताजगी मिलने की उम्मीद की जा रही है। रानी लंबे समय से अपने सशक्त और कंटेंट-ड्रिवन किरदारों के लिए जानी जाती हैं। ऐसे में उनका इस फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनना कहानी को और मजबूती दे सकता है। माना जा रहा है कि फिल्म में अक्षय और रानी के बीच का डायनामिक दर्शकों के लिए कुछ नया और प्रभावशाली लेकर आएगा।

कंटेंट-ड्रिवन किरदारों के लिए जानी जाती हैं रानी

रानी मुखर्जी के जुड़ने से फिल्म को एक नई गंभीरता और ताजगी मिलने की उम्मीद की जा रही है। रानी लंबे समय से अपने सशक्त और कंटेंट-ड्रिवन किरदारों के लिए जानी जाती हैं। ऐसे में उनका इस फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनना कहानी को और मजबूती दे सकता है। माना जा रहा है कि फिल्म में अक्षय और रानी के बीच का डायनामिक दर्शकों के लिए कुछ नया और प्रभावशाली लेकर आएगा।

फ्रेंचाइजी के बारे में

ओह माई गॉड फ्रेंचाइजी ने हिंदी सिनेमा में एक अलग पहचान बनाई है। पहले भाग में जहां आस्था और पाखंड के बीच के फर्क को दिखाया गया था, वहीं दूसरे भाग में सामाजिक सोच और नैतिक सवालों को केंद्र में रखा गया। अब तीसरे भाग से भी दर्शकों को उसी तरह की सोच को झकझोरने वाली लेकिन मनोरंजक कहानी की उम्मीद है।

शादी के बाद क्रिएटिव पार्टनर बने सारा और कृष, शुरू किया प्रोडक्शन हाउस

हाल ही में शादी के बंधन में बंधे कृष पाठक और अभिनेत्री सारा खान अब प्रोफेशनल पार्टनर भी बन चुके हैं। दोनों अपना प्रोडक्शन हाउस शुरू कर चुके हैं और साथ मिलकर कई क्रिएटिव प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहे हैं। दोनों अभी एक फीचर फिल्म की स्क्रिप्ट लिख रहे हैं। इसके अलावा, अलग-अलग जॉनर के चार गाने भी बना रहे हैं, जिसे रचनात्मक बनाने के लिए वे लगे हुए हैं। साथ ही लाइव शो के लिए वे कई शहरों में परफॉर्म भी कर रहे हैं। सारा ने बताया कि सबसे बड़ा प्रोजेक्ट है एक्शन-कॉमेडी फिल्म, जिसकी शूटिंग फरवरी से शुरू होगी। यह फिल्म उनके अपने बैनर तले बनेगी और इसमें कई कलाकार होंगे। सारा और कृष खुद भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाएंगे। अभिनेत्री ने खुशी जताते हुए बताया, मेरा पसंदीदा पार्ट यह है कि सबसे ज्यादा समय उस इंसान के साथ बिताती हूं, जिससे प्यार करती हूं। हालांकि, काम पर कभी-कभी हमारी असहमति भी होती है और हमारे बीच नोंकझोक भी होती है। मगर इसी से रिश्ते में गहराई भी आती है। एक-दूसरे का वह साइड देखना मजेदार लगता है। सारा ने बताया कि प्रोडक्शन हाउस बनाने का फैसला इसलिए लिया क्योंकि वे लाइफ पार्टनर हैं और पार्टनर के साथ काम करने का अनुभव भी शानदार है। उन्होंने कहा, हम इसी तरह अपनी जिंदगी के कई तार जोड़ते हुए साथ बना रहे हैं। हमें एक-दूसरे के काम करने का तरीका बहुत पसंद है, मैं कृष की क्रिएटिविटी की फैन हूं। वास्तव में कृष का दिमाग कमाल का है, उनके पास पहले से कई तैयार प्रोजेक्ट्स हैं।

गुल पनाग ने मिस इंडिया खिताब को बताया करियर के लिए बाधा

ब्यूटी विद ब्रेन की बात की जाए तो मल्टी-टैलेंटेड पर्सनैलिटी गुलकीरत कौर पनाग का नाम जरूर आता है। मिस इंडिया का खिताब हो या सर्टिफाइड पायलट गुल सिर्फ एक्ट्रेस और मॉडल ही नहीं, बल्कि फिटनेस एक्सपर्ट, बाइकर और सोशल एक्टिविस्ट भी हैं। गुल पनाग ने साल 1999 में मिस इंडिया का खिताब जीता था। उनका नजरिया हमेशा स्पष्ट और अलग हटकर रहा है। बॉलीवुड में उन्होंने कम फिल्में कीं, लेकिन हर बार सार्थक और मजबूत भूमिकाएं चुनीं। एक इंटरव्यू में गुल ने कहा था कि मिस इंडिया का ताज उनके करियर में बाधा बन गया। उनका मानना है कि फिल्ममेकर्स ब्यूटी क्वीन को गंभीर और गहरी भूमिकाओं में कास्ट करने से हिचकिचाते हैं। मेकर्स उन्हें सिर्फ ग्लैमरस रोल ही ऑफर करते हैं। गुल ने प्रियंका चोपड़ा का उदाहरण देते हुए कहा कि केवल प्रियंका ही इस टैग को तोड़कर बेहतरीन अभिनेत्री बनीं। गुल ने बताया था, मिस इंडिया का खिताब मेरे लिए एक बाधा साबित हुआ है। अगर कोई एक्ट्रेस सिर्फ ग्लैमरस रोल या थोड़ा डांस करने वाली फिल्में करना चाहती है, जहां उसका योगदान कम हो, तो यह खिताब बड़ी उपलब्धि है। लेकिन अगर कोई गंभीर अभिनेत्री बनना चाहती है और सार्थक भूमिकाएं निभाना चाहती है, तो फिल्ममेकर्स मिस इंडिया को ऐसी भूमिकाओं में कास्ट करने से हिचकिचाते हैं। गुल का मानना है कि आजकल अच्छी और सार्थक फिल्में बन रही हैं, जिन्हें मजबूत एक्टर्स की जरूरत है। उन्होंने प्रियंका चोपड़ा का उदाहरण देते हुए उनकी तारीफ करते हुए कहा था कि सिर्फ प्रियंका ही हैं, जिन्होंने ब्यूटी क्वीन का टैग तोड़कर खुद को एक शानदार

फुकरे सिर्फ फिल्म नहीं इमोशंस है

एक्टर पुलकित सम्राट और वरुण शर्मा की जोड़ी हर किसी की फेवरेट मानी जाती है। फुकरे फ्रेंचाइजी के जरिए इन दोनों ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया है। अब एक बार फिर से वरुण और पुलकित अपनी नई फिल्म के जरिए फैंस को गुदगुदाने के लिए आ रहे हैं, जिसका नाम है राहु केतु। कुछ दिन पहले फिल्म का पहला मोशन पोस्टर रिलीज किया गया था और अब मेकर्स की तरफ से इसका लेटेस्ट टीजर रिलीज किया गया है।

लोग आपको और वरुण शर्मा को हनी और चूचा के किरदार में देखते हैं। उस इमेज को ब्रेक करना कितनी बड़ी बात है?

हम दोनों की बहुत बनती है। हमारी बॉन्डिंग अच्छी लगती है। लेकिन, ऐसा नहीं है कि इसे फॉर ग्रांटेड लें। मुझे इसके बारे में सब पता है। ऐसे में हमे अनलर्निंग सीखना बहुत जरूरी थी। हमें इस फिल्म में यह ध्यान रखना था कि हनी और चूचा की केमिस्ट्री न लाएं।

पुलकित क्या आपको लगता है कि आपकी जिंदगी में राहु केतू इसलिए आए, क्योंकि आपकी शादी हो गई?

वो तो मेरी जिंदगी में लक्ष्मी आई है।

फिल्म का नाम क्योंकि राहु केतू है, क्या आप एस्ट्रोलॉजी में यकीन रखते हैं? क्या आपने कभी ऐसा पढ़ा कि आज मेरी राशि में क्या लिखा है?

मैं ज्योतिष में यकीन रखता हूं या नहीं मुझे नहीं पता। लेकिन, अपनी मां में बहुत यकीन करता हूं। वह जो बोलती हैं, मैं कर लेता हूं। वह जिसके लिए हाथ जोड़ने को बोलती हूं, मैं खड़े होकर चुपचाप कर लेता हूं।

शादी के बाद भी फुकरे कैसे बने रह सकते हैं?

अपनी वाइफ का बेस्ट फ्रेंड बनकर रहिए। यकीन मानिए आप जिंदगीभर फुकरे ही बने रहेंगे। जब तक आप एक-दूसरे के बेस्ट फ्रेंड हैं तो उससे बेहतर कुछ नहीं। उसमें भी प्यार तो सोने पर सुहागा है। आप अपने बेस्ट फ्रेंड से प्यार कर रहे हैं।

वरुण, आपको और पुलकित को साथ में फिल्म करने के लिए काफी पैसे भी मिले। लेकिन आपने मना कर दिया?

यह काफी हद तक सच है। हमें लोगों ने काफी अप्रोच किया।

क्या फुकरे 4 भी पाइपलाइन में है?

जो आपका सवाल है, वही हमारा भी सवाल है। हम उम्मीद करते हैं कि फुकरे 4 जल्दी बने। वह अब फिल्म से ज्यादा इमोशन है।

वरुण, जब सिनेमा और ओटीटी की बात होती है। आप फ्यूचर कहां देखते हैं?

बहुत सारे नए माध्यम आ गए हैं। हर जगह फ्यूचर है। बहुत सारे ओटीटी प्लेटफॉर्म बहुत सारा कंटेंट बना रहे हैं। टीवी, माइक्रो ड्रामा, मूवीज, कंटेंट क्रिएशन...इतना सारा कंटेंट है कंज्यूम करने के लिए तो उतना ही रोजगार भी है। मुझे याद है कि हम या तो फिल्मों के ऑडिशन देते थे, एड के देते या टेली फिल्म्स और टेलीविजन के। ओटीटी के आने से कितने सारे क्रू, टेक्नीशियन और एक्टर्स, कितने सारे लोगों को काम करने का मौका मिला है। सिनेमा और क्रिकेट दो ऐसी चीजें हैं जो लोगों की रगों में हैं। शनिवार और रविवार की सुबह बच्चों के साथ पार्क जाना होता है, शॉपिंग होती या फिल्म देखने जाना होता है।

आपनी फिल्म राहु केतू के बारे में क्या कहना चाहेंगे?

इस फिल्म में कहानी है, इमोशन है, ड्रामा है। इसमें पुलकित है, वरुण शर्मा हैं और शालिनी भी है। बहुत अतरंगी किरदार हैं। इससे बेस्ट फिल्म नहीं मिलेगी। बच्चों को इस फिल्म में बहुत मजा आएगा। 16 जनवरी 2026 को यह फिल्म रिलीज हो रही है। इस फिल्म को देखकर आपकी दिशा और दशा दोनों बदल जाएगी।

क्या सोशल मीडिया पर प्रेशर फील होता है?

सोशल मीडिया बहुत व्यापक दुनिया है। वहां प्रेशर फील होता है। अगर फील नहीं होता तो आपको फील कराया जाता है। मेरे जीवन का एक रूल है कि हम जब भी छुट्टी पर जाते हैं तो हम अपना फोन ही नहीं लेकर जाते हैं, चाहें दोस्तों के साथ जाएं या परिवार के साथ। इस तरीके से छुट्टियां एंजॉय करना आसान हो गया है। लोगों का जीवन मोबाइल से शुरू होकर मोबाइल पर खत्म हो रहा है। इसमें परिवर्तन हमें ही करना होगा। बैलेंस करके चलना पड़ेगा। मैंने एक महीने के लिए एक चीज ट्राई की थी। सोने से एक घंटे पहले और उठने के एक घंटे बाद फोन नहीं देखूंगा। मैंने यह प्रयोग किया और मेरी लाइफ अच्छी हो गई।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।